Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 05 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 48 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

बिना प्रेम किए मर जाने से ज्यादा दुखद कुछ कोई और नहीं हो सकता। लेकिन इससे भी ज्यादा तकलीफ की बात यह है कि जिसे आप प्रेम करते हों, उसे बिना यह बताए ही दुनिया से विदा हो जाएं, कि आप उससे प्रेम करते थे।

करण जौहर के कारण दिशा पटानी बनी...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,872.29
निफ्टी	:	22,405.60

SARAFA

सोना	:	6,035
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत-पाक टी-20 वर्ल्ड कप मैच का टिकट 1.86 करोड़ का

NEW DELHI : अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल जून में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। टूर्नामेंट में 9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में लीग मैच होना है। यह मैच पहले ही सोल्ड आउट हो चुका है। यानी इसके सारे टिकट बिक चुके हैं। अब कुछ री-सेल वेबसाइटों पर मुकाबले के टिकट 1.86 करोड़ रुपए तक में बिक रहे हैं। अमेरिका की न्यूज वेबसाइट वरअ टुडे के मुताबिक स्टबहब और सीटगीक जैसी वेबसाइटों पर भारत-पाक मैच की री-सेल टिकटें लाइव हो गई हैं। स्टबहब पर सबसे सस्ते टिकट की कीमत इस समय 1,259 अमेरिकी डॉलर यानी 1.04 लाख रुपए है। वहीं सीटगीक पर सबसे महंगे टिकट का दाम 1 लाख 75 हजार डॉलर है।

केजरीवाल बोले- ईडी का समन गैरकानूनी

NEW DELHI : दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में ईडी के बार-बार समन भेजे जाने पर सोमवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ईडी का समन गैरकानूनी है, पर वे फिर भी जवाब देने को तैयार हैं। केजरीवाल ने एजेंसी से कहा- मुझे 12 मार्च के बाद की तारीख दीजिए। उसके बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो जाऊंगा। ईडी ने शराब घोटाला केस में पूछताछ के लिए केजरीवाल को अब तक 8 समन भेजे हैं। हालांकि, केजरीवाल एक बार भी एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। उन्हें आठवां समन 27 फरवरी को भेजा गया था और 4 मार्च को पेश होने को बुलाया गया। इससे पहले 26 फरवरी, 22 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को भी उन्हें समन भेज गया था। केजरीवाल जब 26 फरवरी को ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे, तब आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा था- मामला कोर्ट में लंबित है और इसकी सुनवाई 16 मार्च को है।

नीतीश कुमार आज दाखिल करेंगे नामांकन

PATNA : बिहार विधान परिषद की 11 खाली सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं। इसके लिए प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। इन सीटों पर निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 6 मई को समाप्त हो रहा है। सीएम नीतीश कुमार और पूर्व सीएम राबड़ी देवी के अलावा जिनका कार्यकाल खत्म हो रहा है उनमें बीजेपी के तीन, जेडीयू के 3, राजद के 1, कांग्रेस के 1 और हम के 1 एमएलसी शामिल हैं। इन सीटों पर उम्मीदवार कौन होंगे इसकी तस्वीर भी साफ होती जा रही है। जदयू ने अपने दो उम्मीदवार तय कर लिये हैं। इसमें सीएम नीतीश कुमार के अलावा खालिद अनवर को उम्मीदवार बनाया जा रहा है। अन्य दलों के उम्मीदवारों की बात करें तो मंगलवार को तस्वीर साफ हो सकती है।

नोट लेकर सदन में वोट दिया तो चलेगा मुकदमा

सुप्रीम कोर्ट का सांसदों को कानूनी छूट देने से इनकार, 25 साल पुराना फैसला पलटा

AGENCY NEW DELHI : रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने सोमवार को 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस ए एस बोपन्ना, एम एम सुंदरेश, पी एस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने कहा- हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं, जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी। 1998 में 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने 3:2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

- जेएमएम के सांसदों के रिश्वत कांड पर आए आदेश से जुड़ा है मामला
- 1993 में नरसिम्हा राव सरकार को समर्थन देने के लिए सांसदो द्वारा वोट देने का था आरोप

कोर्ट के तीन महत्वपूर्ण कमेंट्स

- अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है, जिस वक्त सांसद घूस स्वीकार करता है।
- संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार-विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है, जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है।
- आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है।
- रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है।

शिबू की आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकपाल ने सुनाया अपना फैसला

RANCHI : लोकपाल ने आय से अधिक संपत्ति मामले में झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के खिलाफ दाखिल शिकायतवाद पर सोमवार को फैसला सुनाया। लोकपाल ने सीबीआई को जल्द से जल्द जांच करने का आदेश दिया है। इस मामले की प्रारंभिक जांच छह महीने के अंदर पूरी करने को कहा गया है। इसके साथ जांच रिपोर्ट की एक प्रति सौंपने को कहा है। बता दें कि लोकपाल ने इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। गोड्डा से बीजेपी सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने 2020 में लोकपाल के समक्ष शिकायतवाद दर्ज कराया था। लोकपाल ने अपने आदेश में सीबीआई से कहा है कि वह मासिक प्रगति रिपोर्ट भेजे और जांच की प्रगति से हर महीने अवगत कराए।

फूट-फूटकर रोईं कल्पना कहा- दिल्ली वालों में दिल नहीं, जनता लेगी हिसाब

गिरिडीह में झामुमो का झंडा लहराती कल्पना मुर्मू सोरेन।

PHOTON NEWS GIRIDIH : पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन की सोमवार को झारखंड की एक्टिव राजनीति में एंट्री हो गयी। गिरिडीह में इनकी इंट्री जोरदार रही। गिरिडीह में झामुमो के 51 वें स्थापना दिवस समारोह के मंच पर पहुंची। कल्पना ने कहा है कि आज 4 तारीख है। कल 3 तारीख को मेरा जन्मदिन था। मुझे हेमंत सोरेन मिलने का समय मिला। इतना कहते ही उनकी आंखे भर आयीं। नम आंखों से कहा कि उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा कि घबराना नहीं। जेल में हूं, लेकिन जिंदा हूं। कल्पना सोरेन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने बहुत बड़ा षड्यंत्र किया गया है। यह बहुत निचले स्तर की घटिया सोच है। ये लोग दिल्ली में बैठते हैं, लेकिन दिल्ली वालों में दिल नहीं धड़कता है। आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक को कीड़ा-मकोड़ा समझते हैं। व्यवहार से पता चलता है कि कितनी घृणा भरी हुई है। हमारे मुख्यमंत्री को पद से उतारने के लिए षडंयत्र किया। झारखंड सरकार ही नहीं झारखंडी सरकार, आदिवासी, दलित और वंचित सरकार गिराने की मंशा बिखर गई है। हमारे जितने भी विधायक हैं, जितने कार्यकर्ता हैं, मनोबल से प्रतीत होता है कि हमने उनको परास्त तो कर दिया, लेकिन आने वाले समय के लिए आप सभी को मिलकर अपने आशीर्वाद को वोट के द्वारा ये यकीन दिलाना है कि झारखंड कभी झुकेगा नहीं।

- झामुमो के 51 वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं कल्पना
- कल्पना सोरेन ने संभाली हेमंत सोरेन की विरासत
- हेमंत ने मेरे कंधे पर हाथ रखकर कहा- घबराना नहीं, मैं अभी जिंदा हूं
- झारखंड कभी झुकेगा नहीं

न मनोबल तोड़ पाए न परास्त कर पाए

कल्पना ने कहा कि मेरे पति को षड्यंत्र के तहत जेल में भेज दिया गया हेमंत जी को जेल तो भेज दिया लेकिन यहां मौजूदा विधायकों, कार्यकताओं और आम समर्थकों का उत्साह देखकर लगता है कि मनोबल नहीं तोड़ पाए। परास्त नहीं कर पाए। हम मजबूती से खड़े हैं। आने वाले समय में इस मनोबल और उत्साह को वोट रूपी आशीर्वाद में बदलकर विपक्ष को यकीन दिलाना है कि झारखंड कभी नहीं झुकेगा। झारखंडी कभी नहीं झुकता।कल्पना सोरेन ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में किसे जनादेश मिला आप सब जानते हैं। झारखंडी सरकार बनी। जिस दिन से सरकार का गठन हुआ, विपक्ष चाल चलने लगा। इसे गिराने की साजिशें की जाने लगी। कल्पना सोरेन ने कहा कि षड्यंत्र में फंसाकर मेरे पति को जेल भेज दिया गया। मैं पूछना चाहती हूं कि उनका अपराध क्या था। केंद्र से बकाया 1।36 लाख करोड़ रुपये मांगना क्या अपराध था। ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देना क्या अपराध था।

तेलंगाना को पीएम ने 56 हजार करोड़ की दी सौगात, कहा-

देशवासियों के लिए छोड़ा था घर विपक्ष कहता है मेरा परिवार नहीं

AGENCY HYDERABAD : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तेलंगाना के आदिलाबाद में 56 हजार करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया। इसके बाद उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित किया। 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने परिवारवाद, कांग्रेस, बीआरएस और तेलंगाना के विकास पर बात की। पीएम ने कहा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे। इंडिया गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार है, जिसका कोई नहीं है वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत-मेरा परिवार है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की पुरानी बीआरएस सरकार और अभी कांग्रेस की सरकार पर भी निशाना साधा। कहा- टीआरएस तो बीआरएस बन गया, लेकिन उससे कुछ नहीं बदला। बीआरएस सरकार ने कई बड़े घोटाले किए। अब कांग्रेस की सरकार आई तो वो घोटालों की फाइल दबाकर बैठ गई।

तेलंगाना में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कोडरमा को पाल्यूशन कंट्रोल सिस्टम की सौगात

KODERMA : प्रधानमंत्री ने सोमवार को तेलंगाना के आदिलाबाद से कोडरमा थर्मल पावर प्लांट में लगे रेट्रोफिटिंग पॉल्यूशन कंट्रोल सिस्टम का ऑनलाइन उद्घाटन किया। रेट्रोफिटिंग पॉल्यूशन कंट्रोल सिस्टम के तहत फ्लू गैस डी सल्फराइजेशन प्लांट का एक यूनिट का आज से शुरूआत हो गई। पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर डी सल्फराइजेशन प्लांट की एक और यूनिट अगले तीन महीने में बनकर तैयार हो जाएगी।

चतरा में उतरी कर्णपुरा के दूसरे यूनिट का उद्घटन

CHATRA : एनटीपीसी के उत्तरी कर्णपुरा परियोजना के 660 मेगावाट वाले दूसरे यूनिट का सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के आदिलाबाद से आनलाइन उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया। उद्घाटन को लेकर परियोजना के उड़ान स्टेडियम परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में परियोजना के पदाधिकारियों के अलावा प्रखंड के जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

ये चुनावी सभा नहीं, तेलंगाना के विकास का उत्सव है : प्रधानमंत्री

पीएम ने कहा- जैसे ही मैंने करोड़ों रुपए की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, कुछ लोगों ने इसे 'चुनावी सभा' कहा है। मैं उन 'विश्लेषकों' को बताना चाहता हूं कि अभी चुनाव की घोषणा भी नहीं हुई है। यह 'चुनावी सभा' नहीं बल्कि तेलंगाना में 'विकास उत्सव' है। विकास परियोजनाओं को 'चुनावी' रणनीति बताने वालों को पिछले 15 दिनों का हिसाब देना चाहिए। पिछले 15 दिनों में हमने 2 आईआईटी, 1 आईआईआईटी, 3 आईआइएम, 1 आईआईएस और 5 एआईआईएमएस का उद्घाटन किया है। पिछले 15 दिनों में हमने किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना का उद्घाटन किया। 18,000 सहकारी समितियों को कम्प्यूटरीकृत किया गया। पीएम ने कहा- 2000 से अधिक रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इसके अलावा, पिछले 15 दिनों के दौरान ही तेल और गैस क्षेत्र के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं देश को समर्पित की गई हैं। इन 15 दिनों ने आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया है। अरे, चुनाव तो जब आयेगा, तब देखा जायेगा... मुझे तो देश को आगे बढ़ाना है।

2.5 साल के अंदर तैयार होगा डेयरी प्लांट : सीएम

PHOTON NEWS GIRIDIH : सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि गिरिडीह के योगीटांड़ में 50 हजार लीटर दूध प्रति दिन क्षमता वाले डेयरी प्लांट का शिलान्यास हो रहा है। यह डेयरी प्लांट दो से ढाई वर्ष के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। सीएम चंपाई सोरेन सोमवार को डेयरी प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच के अनुरूप आज हमारी सरकार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। वर्ष 2019 में हमारी सरकार को जनादेश मिला था। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी। सरकार बनने के साथ ही देश और दुनिया में कोरोना संक्रमण का साया रहा। पूरे देश में संपूर्ण लॉकडाउन हुआ। सभी गतिविधियां बंद हुई। सरकार ने दो वर्ष तक कोरोना के कहर को झेला और बेहतर मैनेजमेंट करते हुए राज्यवासियों को कोरोना संक्रमण से बचाने का कार्य किया।

300 बेड के अस्पताल का शिलान्यास आज

GODDA : मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन मंगलवार को जिला के महगामा अनुमंडल मुख्यालय जायेंगे। महगामा के महुवारा में ईसीएल द्वारा बनाए जाने वाले 300 बेड के अस्पताल का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा कई अन्य योजनाओं का भी शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीसी जीशान कमर, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, राजमहल परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक एएन नायक, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महगामा चंद्रशेखर आजाद के अलावा ईसीएल के पदाधिकारियों के द्वारा अस्पताल निर्माण स्थल कृषि केंद्र महुआरा का निरीक्षण किया।

पहले दो बेटियों को दिया जहर, फिर खुद किया सुसाइड

हजारीबाग में दिल दहला देनेवाली घटना, दोनों बेटियों की मौत, डेंटल डॉक्टर था राजकुमार

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : झारखंड के हजारीबाग शहर से सोमवार को दिल दहला देनेवाली घटना सामने आयी। शहर के रामनगर विष्णुपुरी मोहल्ले में डेंटल डॉक्टर राजकुमार ने अपनी दो बेटियों को जहर खिलाकर मार डाला। इतना ही नहीं, इसके बाद उस डॉक्टर ने हाथ की नस काटकर खुदकुशी कर ली। स्थानीय लोगों की मानें, तो करीब 12 बजे की घटना है। रामनगर विष्णुपुरी मोहल्ले के डेंटल डॉक्टर राजकुमार के घर के बाहर ताला लगा था और अंदर से बच्चियों के रोने की आवाज आ रही थी। इसके साथ ही वे बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रही थीं। इसके बाद पड़ोसी जुटे और घर का ताला तोड़कर देखा तो घर के अंदर का नजारा देखकर स्थानीय लोगों के होश उड़ गए। एक तरफ जहां दोनों बेटियां पड़ी थीं, वहीं डॉक्टर राजकुमार के हाथ की नस कटी हुई थी और खून निकल रहा था। तत्काल तीनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तीनों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अस्पताल के बाहर जुटी लोगों की भीड़।

घर के अंदर से आ रही थी बचाओ-बचाओ की आवाज

स्थानीय नेत्री कोमल कुमारी ने जानकारी दी कि घर के बाहर ताला बंद था और अंदर से बचाओ-बचाओ की आवाज आ रही थी। पड़ोसियों ने घर के अंदर से बच्चियों के रोने की आवाज सुनी और बाहर ताला बंद दिखा तो उन्हें शक हुआ। इसके बाद आसपास के लोग जुटे और ताला तोड़कर देखा तो डॉक्टर पिता और बच्चियां बेसुध पड़ी थीं। उन्हें आनन-फानन में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पूरे मामले की जानकारी नहीं मिल सकी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

गृह प्रवेश के लिए 6 घंटे की मिली कस्टडी पैरोल, तिहाड़ जेल में बंद हैं कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी

गैंगस्टर बनेगा दूल्हा, दुल्हन लेडी डॉन, पुलिसकर्मी बाराती

AGENCY REWARI : हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी शादी करने जा रहा है। इसके लिए दिल्ली की द्वारका कोर्ट से जठेड़ी को कस्टडी पैरोल मिली है। जठेड़ी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट का मेंबर है और दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वह 12 मार्च को जेल से बाहर आकर दिल्ली में शादी करेगा। उसके बाद 13 मार्च को सोनीपत में गृह प्रवेश के लिए उसे 6 घंटे की कस्टडी पैरोल दी गई है। वह लेडी डॉन के नाम से मशहूर मैडम मिंज उर्फ अनुराधा चौधरी से शादी करने जा रहा है। इस दौरान पुलिस के घेरे में रहेगा। इसमें पुलिस ही बाराती होंगे।

गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी।

लेडी डॉन मैडम मिंज उर्फ अनुराधा।

गैंगस्टर जठेड़ी की शादी का कार्ड हो रहा वायरल

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) दीपक वासन की कोर्ट ने अधिकारियों को 12 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच काला जठेड़ी को शादी के लिए जेल से हिरासत में लेने को कहा है। उसकी शादी को लेकर दिल्ली पुलिस सुरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था देखेगी। 13 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे गृह प्रवेश के लिए उसे सोनीपत जिले के जठेड़ी गांव में जाने की इजाजत दी गई है। गैंगस्टर जठेड़ी की शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर जमकर वाइरल भी हो रहा है।

एक दूल्हे ने चार दुल्हनों की मांग में भर दिया सिंदूर, लोग बोले- शादी का मजाक बना डाला

NEW DELHI : शादी को सात जन्मों का साथ कहा जाता है। कहते यह भी हैं कि प्यार एक बार होता है और शादी भी एक ही बार होती है। लेकिन कई बार ऐसा कुछ देखने और सुनने को मिल जाता है, जिससे यह सब कुछ एक मजाक मालूम पड़ता है। सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक दूल्हा चार लड़कियों की मांग में सिंदूर भरता हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो में चारों दुल्हनें एक साथ बैठी हुई दिखाई दे रही हैं। दूल्हा मुस्कुराते हुए चारों दुल्हनों की मांग में सिंदूर भरता है। जैसा कि वीडियो में दिखाई दे रहा है, यह सब किसी मंदिर जैसी जगह के अंदर हो रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सच में एक लड़का चार लड़कियों से शादी कर रहा है। इस पर कई यूजर्स बता रहे हैं कि दुल्हन का रूप धरे ये लड़कियां नहीं बल्कि किन्नर हैं। वायरल वीडियो में पहली और तीसरी दुल्हन को देखकर लोग हैरान हुए जा रहे हैं। वो लड़कियां नहीं, बल्कि लड़के लग रहे हैं। इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को शेयर करने वाले शख्स का नाम ब्रजेश है, जो खुद को एक्टर बता रहा है। इस वीडियो को 5 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है, वहीं हजारों कमेंट्स की बाढ़ भी आयी है।

एससी-एसटी एक्ट में ईडी को राहत, अफसरों के पीड़क कार्रवाई पर रोक

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज कराई गई शिकायत मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने यह राहत प्रदान की। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अफसरों के खिलाफ किसी भी पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। दिल्ली में हेमंत सोरेन के सरकारी आवास पर हुई छापेमारी और वहां से बीएमडब्ल्यू कार एवं 36 लाख रुपए जब्त किए जाने की ईडी की कार्रवाई के खिलाफ झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने रांची के एससी-एसटी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि उनकी अनुमति के बगैर ईडी के अधिकारियों ने उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर छापेमारी की।

लालू यादव के बयान के बाद नेताओं ने 'X' पर बदला BIO

खुद को बताया प्रधानमंत्री मोदी का परिवार

AGENCY NEW DELHI : रविवार को पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए राजद प्रमुख लालू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निजी हमला किया था। उन्होंने कहा था कि, 'मोदी क्या है? मोदी के पास तो परिवार ही नहीं है।' लालू यादव के इस बयान के बाद राजनीति गर्मा गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालू यादव के इस बयान का जवाब दिया। तेलंगाना में लालू यादव के इस बयान पर पलटवार किया। राजद प्रमुख लालू यादव की तरफ पीएम मोदी को लेकर किए गए निजी हमले के बाद भाजपा के बड़े नेताओं ने भी इसका जवाब देना शुरू कर दिया है। भाजपा नेताओं ने इसके लिए एक अलग तरीका अपनाया है। सभी अपने एक्स (पहले ट्विटर) का बायो बदलकर लालू यादव के बयान पर अपना जवाब दे रहे हैं। सभी नेताओं ने अपने बायो में 'मोदी का परिवार' लिखना शुरू कर दिया है।

यह तस्वीर गृह मंत्री अमित शाह के एक्स अकाउंट की है।

BRIEF NEWS

बाबा मंदिर में पारंपरिक और भव्य बारात निकलेगी

DEOGHAR : महाशिवरात्रि के अवसर पर आठ मार्च को बाबा मंदिर और शिव बारात समिति की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। जिला प्रशासन ने भी इस दिन भीड़ की संभावनाओं को देखते हुए तैयारी कर दी है। बाबा मंदिर में चली आ रही परंपरा के अनुसार ही कार्यक्रम किये जायेंगे। शिव बारात समिति की ओर से नगर स्टेडियम से भव्य बारात निकाली जायेगी, वहीं बाबा मंदिर में पारंपरिक बारात निकलेगी। महाशिवरात्रि की रात्रि की रात बाबा की श्रृंगार पूजा नहीं होगी। बाबा की चतुष्प्रहर पूजा के बाद जलार्पण शुरू हो जायेगा। जेल से आने वाला मुकुट बासुकिनाथ भेजा जायेगा। महाशिवरात्रि के दिन अहले सुबह तीन बजे पट खुलने के बाद पारंपरिक कांचा जल पूजा और सरदारी पूजा के बाद आम भक्तों के लिए कपाट खोल दिया जायेगा। जलार्पण रात के करीब साढ़े नौ बजे तक लगातार जारी रहेगा। इस दिन बाबा की श्रृंगार पूजा नहीं होगी। पौने दस बजे के करीब मंदिर के गर्भ को साफ कर पट बंद कर दिया जायेगा। उसके बाद बाबा मंदिर के प्रशासनिक भवन में मशाल जलाकर पारंपरिक बारात निकाली जायेगी।

पोषण सखी ने फिर उठाई नौकरी वापसी की मांग

KODERMA: आंगनबाड़ी केन्द्रों की पोषण सखी ने फिर से नौकरी वापसी की मांग पर संघर्ष तेज कर दिया है। सोमवार को पोषण सखी समन्वय समिति (सीटू) के बैनर तले समाहरणालय गेट पर दर्जनों पोषण सखियों ने प्रदर्शन व नारेबाजी कर पुनः नौकरी वापसी की मांग की। इस दौरान झारखंड सरकार होश में आओ, पोषण सखी को बहाल करना होगा आदि जोरदार नारे लगाए जा रहे थे। इस बीच मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त कार्यालय में दिया गया। इस अवसर पर पोषण सखी संघ की जिलाध्यक्ष गायत्री पासवान की अध्यक्षता में हुई सभा को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि पिछले दिनों कुपोषण मिटाओ अभियान के तहत झारखंड के छह जिलों चतरा, धनबाद, दुमका, गोड्डा, गिरिडीह और कोडरमा के आंगनबाड़ी केंद्रों मे 10388 पोषण सखी कार्यरत थी, जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा दिया जाने वाला केन्द्रीय फंड बंद कर दिए जाने के कारण एक झटके में दो वर्ष पूर्व झारखंड सरकार ने इन्हें काम से हटा दिया। नौकरी वापसी के लिए पोषण सखी लगातार गुहार लगा सड़क से न्यायालय तक संघर्ष कर रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

खिलाड़ियों को पढ़ाया मतदाता जागरूकता का पाठ

HAZARIBAGH : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्वीप कार्य योजना के तहत मतदाता जागरुकता को लेकर कई कार्यक्रम किए जा रहे है। इस क्रम में सोमवार को हजारीबाग हाई स्कूल हजारीबाग के मैदान में खो खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही खिलाड़ियों को मतदाता जागरूकता का पाठ पढ़ाया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। आयोजित खेल प्रतियोगिता में केजीबीवी पदमा विजेता रही, वहीं उप विजेता के रुप सीएम उत्कृष्ट बालिका उच्च विधालय रही। जबकि तृतीय स्थान पर केजीबीवी इचाक रहा। सांत्वना पुरस्कार इन्दिरा गांधी बालिका विद्यालय को दिया गया।

सड़क दुर्घटना में चौकीदार की मौत

LOHARDAGA : सदर थाना में कार्यरत चौकीदार विजय उरांव (35) की मौत सोमवार को सड़क दुर्घटना में हो गई। बताया जाता है कि चौकीदार विजय उरांव सदर थाना क्षेत्र के हरमू का रहने वाला था और और ड्यूटी के क्रम में नोटिस बांटने के लिए पतरा टोली जा रहा था। इसी क्रम में अज्ञात वाहन ने बिजली ऑफिस के पास धक्का मार दिया, जिससे चौकीदार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही 108 एंबुलेंस से तत्काल चौकीदार विजय उरांव को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ की आर्केस्ट्रा कलाकार के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

बिश्रामपुर थाना क्षेत्र की घटना, महिला एमआरएमसीएच में भर्ती

PHOTON NEWS PALAMU: पलामु झारखंड के दुमका जिले में एक मार्च की रात स्पेनिश महिला के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि पलामू में छत्तीसगढ़ की आर्केस्ट्रा कलाकार के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आया है। बताया जाता है कि घटना जिले के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र की है। महिला नर्तकी को बेहतर इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसके बयान के बाद सोमवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फरार है। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीन आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। दो को गिरफ्तार किया गया है। एक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

एमआरएमसीएच में भर्ती महिला • फोटोन न्यूज

गिरफ्तार आरोपियों में 29 वर्षीय अजय कुमार रवि उर्फ अजय कुमार उर्फ छक्का पिता लखन राम, ग्राम कुलिया, थाना पांडु एवं 26 दीवाना उर्फ बिंदेश्वरी कुमार, पिता मुंद्रिका राम, ग्राम उर्सला, थाना-रेहला शामिल हैं। पीड़िता को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसकी मेडिकल जांच करा दी गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बिश्रामपुर के गोलू नामक युवक ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर की रहने वाली महिला आर्केस्ट्रा कलाकार की बुकिंग शनिवार रात के लिए हैदरनगर इलाके के लिए की थी। हैदरनगर में कार्यक्रम नहीं होने पर महिला डांसर और उसकी बहन को लेकर गोलू रविवार की अहले सुबह बिश्रामपुर अपने घर ले आया था। यहां दोनों बहनों को अलग-अलग कमरों में रखा। इसी क्रम में 21 वर्षीय महिला आर्केस्ट्रा कलाकार को कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दिया। महिला कलाकार का आरोप है कि कोल्ड ड्रिंक में कुछ नशीला पदार्थ मिला हुआ था। हालांकि कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद भी वह होश में थी। इसी क्रम में गोलू और उसके साथ दो अन्य सार्थियों ने उसके साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। सुबह करीब 7 बजे उसने अपने पुरुष साथी (सिंगर) को घटना की जानकारी दी और उसे बिश्रामपुर बुलाया। इसके बाद वह अचेत पड़ गई। उसके पुरुष साथी ने उसकी बहन की मदद से महिला डांसर को अचेत अवस्था में लेकर इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया। यहां होश में आने के बाद महिला कलाकार ने घटना की पूरी जानकारी दी। चर्चा है कि आरोपी गोलू दुष्कर्म करने के बाद महिला कलाकार से मामले में कंप्रोमाइज करने के लिए एमआरएमसीएच पहुंचा था। महिला डांसर के अनुसार वह पिछले दो वर्ष से आर्केस्ट्रा में डांस करते आ रही है। उसका घर छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर इलाके में है, लेकिन वह पिछले एक वर्ष से डालटनगंज के जीएलए कॉलेज इलाके में किराये के मकान में रहती है और बुकिंग होने पर आर्केस्ट्रा में डांस करने जाया करती है। गोलू के लिए वह काम करती थी। गोलू आर्केस्ट्रा की बुकिंग लेता था और उसके बताए पते पर जाकर वह डांस किया करती थी। अचानक उसने इस घटना को अंजाम दिया। दोनों में भाई-बहन का रिश्ता बन गया था। इधर जानकारी मिली है कि दुष्कर्म की घटना की जानकारी गोलू की पत्नी को भी उसी समय लग गई थी। इसे लेकर पति-पत्नी के बीच काफी विवाद भी हुआ। मारपीट की भी नौबत बन गई। संभावना है कि इसके बाद गोलू मामले में समझौता करने के लिए अस्पताल तक पहुंचा था।

कांके प्रखंड सह अंचल कार्यालय में हो रहे व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर धरना

धरना प्रदर्शन करते लोग • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI: कांके प्रखंड सह अंचल कार्यालय में लगातार हो रहे व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा कांके मंडल, मेसरा मंडल व पिठोरिया मंडल के द्वारा प्रखंड कार्यालय में सोमवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान अबुआ आवास, दाखिल खारिज, ऑन लाइन सुधार को लेकर जमकर हल्लाबोल प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि राज्य के सभी बीडीओ व सीओ गरीबों का दोहन कर लोकतंत्र पर हमला बोल रहे है। गरीबों की आह इन्हें जेल की सलाखों के पीछे लेकर जायेगी। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल टाईगर ने कहा कि राज्य में अबुआ आवास व बालूघाट में व्यापक भ्रष्टाचार है। अबुवा आवास के नाम पर राज्य सरकार गरीब जनता को बेवकूफ बना रही है। इसका लाभ गरीबो को नही बल्कि झामुमो के कार्यकताओं को दिया जा रहा है। वहीं कांके अंचल सहित राज्य के हरेक अंचल में बिना चढ़ावा का कोई भी कार्य नही होता। पूरे राज्य में लॉ एंड ऑर्डर फेल है। अफसरशाही हावी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिप सदस्य सुषमा देवी,किरण देवी, रामलखन मुंडा, प्रभात भूषण, ठानो मुंडा,शनु महतो, शत्रुघन साहू, मुन्नी देवी, सरवन गोप, ने भी अपनी बात रखी।

महिलाओं ने धूमधाम से किया महाकाल का हल्दी-मेहंदी व श्रृंगार

महाकाल का हल्दी-मेहंदी व श्रृंगार करने के बाद जयघोष करतीं महिलाएं।

PHOTON NEWS RANCHI: सोमवार को श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के तत्वाधान में पहाड़ी मंदिर में सैकडों महिलाओं के द्वारा हल्दी कूट कर महाकाल का हल्दी - मेहंदी एवं ढोल-नगाड़े के धून पर झूमते सैकड़ो महिलाओं के गीत संगीन से पूरा राँची शिव मय हो गया । सभी ने एक दूसरे को रंग-गुलाल लगा कर एक दूसरे को बधाई दिया एवं धूमधाम से हल्दी-मेहंदी के रस्म को मनाया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष राजेश साहू, गगन कुमार, मेहुल प्रसाद, राजकुमार तलेजा, बादल सिंह, दीपक नंदा, भोलू, उर्मिला चौधरी, पूनम जयसवाल, अर्चना मिर्धा, बेबी गाड़ी, स्वपना चटर्जी, शुभाशीष चटर्जी, आकांक्षा वर्मा, अंशु तिवारी, नीना देवी, समीक्षा शर्मा, प्रियांजलि, अमन कुमार समेत कई महासमिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जल गया ट्रांसफॉर्मर शहर में आठ दिनों से जलापूर्ति नहीं

PHOTON NEWS GARHWA: गढ़वा शहर में बीते आठ दिनों से पेयजल की आपूर्ति बाधित है। शहर की एक बड़ी आबादी के बीच पेयजल को लेकर आठ दिनों से हाहाकार मचा है। लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। विदित हो कि गढ़वा शहर में पेयजल की आपूर्ति शहर से 10 किमी दूर कोयल नदी से बेलचंपा के पास बने वाटर टैंक से पाइपलाइन जलापूर्ति योजना से होती है। बताया गया कि पिछले 14 फरवरी को जिले में हुई ओलावृष्टि व वज्रपात से विद्युत ट्रांसफार्मर जल गया। तब से ही शहर को पानी नहीं मिल रहा है। शहर वासियों का कहना है कि वे ट्रांसफार्मर की मरम्मत करने अथवा नया ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए बिजली विभाग और नगर परिषद दोनों कार्यालयों में चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है।

शिक्षा देने के नाम पर जबरन वसूली बंद करे रांची विश्वविद्यालय : अभिषेक शुक्ला

पैसा उगाही मामले को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा मांग पत्र

राज्यपाल के नाम ज्ञापन की कॉपी दिखाते छात्र • फोटोन न्यूज

- शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करने के बजाय छात्र-छात्राओं की आर्थिक स्थिति खराब करने पर तुला है रांची विश्वविद्यालय
- रांची विश्वविद्यालय द्वारा मनमानी वसूली पर रोक लगाए राजभवन

PHOTON NEWS RANCHI: सोमवार को अखिल झारखंड छात्र संघ आजसू का प्रतिनिधिमंडल रांची विश्वविद्यालय में गिरते हुए शिक्षा स्तर एवं छात्र-छात्राओं से मनमानी तरीके से पैसे की उगाही को लेकर छात्र आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य भवन के सचिवालय में राज्यपाल सह कुलाधिपति के नाम पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए रांची विश्वविद्यालय के छात्र आजसू अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा की रांची विश्वविद्यालय शिक्षा के स्तर को सुधारने के बजाय विश्वविद्यालय प्रशासन मनमानी तरीके से छात्र-छात्राओं से पैसे वसूलने में लगी है जिसका जीता जागता उदाहरण पिछले नामांकन सत्र में छात्र-छात्राओं यूजी और पीजी की नामांकन संख्या में भारी कमी आना है। उन्होंने आगे कहा के जब से रांची विश्वविद्यालय का कार्य प्राइवेट एजेंसी एनसीसीएफ ने संभाला है तब से परीक्षा शुल्क को 600 से बढ़कर 800 कर दिया गया आखिर यह 200 की वृद्धि का फायदा किसे पहुंच रहा है। मेंटेनेंस स्कूल के नाम पर विश्वविद्यालय द्वारा हर एक सत्र में हर एक छात्रा से पैसे लिए जाते हैं लेकिन महाविद्यालय की स्थिति जस की तरह है मेंटेनेंस के नाम पर महाविद्यालय में सिर्फ खाना पूर्ति किया जा रहा है वही स्पोर्ट्स के नाम पर विश्वविद्यालय द्वारा ₹100 की

आचार संहिता उलंघन मामले में बरी हुआ टुन्नू

HAZARIBAGH : भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह लोक सभा चुनाव संचालन समिति जिला संयोजक टुन्नु गोप पर विगत वर्ष 2014 के लोक सभा के चुनाव में आचार संहिता के मामले में बड़कागांव में सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम वाद पर मुकदमा दायर हुआ था। मामला बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत साढ़ पंचायत के अंतर्गत सरकारी संपत्ति पर पोस्टर लगाना और झंडा लगाए जाने का आरोप था। उस वक्त तात्कालिक जिला अध्यक्ष टुन्नु गोप पर आचार संहिता के उलंघन का मामला दर्ज हुआ था, जो वर्ष 2014 से लंबित चल रहा था। न्यायिक दंडाधिकारी सृष्टि कुमारी हजारीबाग के न्यायालय से साक्ष्य के अभाव में सोमवार को दोष मुक्त किया गया। इस मामले को अधिवक्ता प्रमोद कुमार सिंह,राणा राहुल प्रताप और अजय कुमार ने बचाव पक्ष के अधिवक्ता के रूप में पक्ष रखा। यह जानकारी सांसद जयंत सिन्हा के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा ने दी है।

अनियंत्रित ट्रक ने चार युवकों को कुचला, तीन की गई जान

हंसडीहा थाना क्षेत्र की घटना, मृतकों की हुई पहचान

हादसे के बाद घटनास्थल में जुटी भीड़।

PHOTON NEWS DUMKA: दुमका हंसडीहा भागलपुर स्टेट हाइवे पर हंसडीहा थाना क्षेत्र के बनियारा गांव के समीप सोमवार करीब 11 बजे अनियंत्रित ट्रक ने चार युवकों को कुचलते हुए खेत में चली गई। घटना में दो युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।जबकि एक की मौत की पुष्टि स्वास्थ केंद्र में चिकित्सकों ने की है। मृतक की पहचान हंसडीहा थाना क्षेत्र मोजाहिद अंसारी ,गुलाम अंसारी (गुल्ली) और प्रभु मंडल के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक की पहचान तालझारी थाना क्षेत्र निवासी रमेश मंडल के रूप में हुई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने दुमका रिंग रोड को जाम कर दिया है। हालात को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस वालों की तैनाती की गई है।

देवघर : सात साइबर अपराधियों को पुलिस ने दबोचा, फर्जी अधिकारी बनकर करते थे ठगी

PHOTON NEWS DEOGHAR : झारखंड के देवघर जिले में साइबर थाने की पुलिस ने कुंडा थाना क्षेत्र के उजाला चौक के समीप सहित पाथरौल थाना क्षेत्र के चेतनारी व बुढ़ीकुरा गांव में और देवीपुर थाना क्षेत्र के खड़कुआं गांव में छापेमारी अभियान चलाया। बिजली विभाग के फर्जी पदाधिकारी बनकर ग्राहकों को झांसे में लेने के बाद ठगी करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से आठ मोबाइल फोन व 12 सिमकार्ड बरामद किये हैं। इनके पास से बरामद फोन व सिमकार्ड खंगालने पर विभिन्न राज्यों में हुए 22 क्राइम के लिंक मिले हैं। गिरफ्तार आरोपितों में सारठ के पथरड्डा ओपी क्षेत्र के बरदेही गांव निवासी आकाश कुमार सहित पाथरौल थाना क्षेत्र के चेतनारी गांव निवासी मो अमीरुल हसन,

अमीरुल अंसारी, पथरा गांव निवासी नुनुराम दास, बुढ़ीकुरा गांव निवासी पप्पू कुमार दास, जाहिद अंसारी व देवीपुर थाना क्षेत्र के खड़कुआं गांव निवासी कैलाश दास शामिल हैं। पुलिस मीडिया सेल के मुताबिक, आकाश को पुलिस ने कुंडा थानांतर्गत उजाला चौक के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार ली है। बताया कि, वे बिजली विभाग के फर्जी अधिकारी बनकर यूजर्स को झांसे में लेते हैं और एनीडेस्क, क्विक सपोर्ट जैसे मोबाइल स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड कराकर बैंक डिटेल्स प्राप्त करने के बाद ठगी करते हैं। साइबर अपराधी फोन-पे व पेटीएम का फर्जी कस्टमर केयर अधिकारी बनकर उपभोक्ताओं को कैशबैक का झांसा देकर फोन-पे गिफ्ट कार्ड क्रियेट कराकर डिटेल्स प्राप्त करने के बाद ठगी करते थे। विभिन्न बैंकों के अधिकारी बनकर एटीएम बंद होने व चालू कराने का झांसा देकर ठगी करते थे। इसके साथ ही फर्जी क्रेडिट कार्ड पदाधिकारी बनकर केवाइसी अपडेट का झांसा देकर उपभोक्ताओं के एकाउंट से ठगी कर लेते हैं। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने सभी को कोर्ट में पेश कराया व कोर्ट के निर्देश पर जेल भेज दिया गया।

कराटे प्रतियोगिता में गुडविल पब्लिक स्कूल का उम्दा प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI : इंस्टिट्यूट ऑफ शोतोकान कराटे यूनाइटेड रांची द्वारा एकदिवसीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन एस० वी० पब्लिक स्कूल धुर्वा में किया गया। जिसमें रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया' इस प्रतियोगिता में गुडविल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी भाग लेकर बेहतरीन कला का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। विभिन्न ग्रुप में 12 खिलाड़ियों में से सात बच्चों ने सात गोल्ड मेडल और 5 बच्चों ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कौशल नायक, अदीब राजा, चांद फरहान, अंश कुमार साहू, सैफ अंसारी, निक्की कुमारी और अलसीफा परवीन ने गोल्ड मेडल तथा हर्ष कुमार, मोतस्सीफ अंसारी, आरिफ अंसारी, अतिफा परवीन और अयान अंसारी ने सिल्वर मेडल जीता। विधालय के प्रधानाचार्य तौफीक राजा ने कराटे कोच एजाजुल हक सहित सभी खिलाडियों को उनके इस प्रयास और सफलता के लिए बधाई दी।

लोकसभा चुनाव 2024 : धनबाद सीट पर भाजपा और कांग्रेस का रहा है दबदबा

काफी हद तक दो राजनीतिक दलों तक ही रही सीमित

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद को भारत की कोयला राजधानी के नाम से भी जाना जाता है। धनबाद अपने अनोखे काले सोने के रंग के लिए जाना जाता है। देश में पहला आम चुनाव 1952 में हुआ था, लेकिन तब धनबाद लोकसभा सीट अस्तित्व में नहीं थी। धनबाद लोकसभा सीट का गठन 1957 में हुआ था। धनबाद की राजनीति काफी हद तक दो राजनीतिक दलों तक ही सीमित रही है। 1957 में धनबाद सीट पर हुए पहले लोकसभा चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार प्रभात चंद्र बोस ने इस सीट से जीत हासिल की थी। उन्हें कुल 48.5 फीसदी वोट मिले थे, जबकि

भाजपा ने 2019 में लगाई थी जीत की हैट्रिक

2014 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने इस सीट पर जीत हासिल की। भाजपा के पशुपतिनाथ सिंह ने फिर से सीट जीत ली। भाजपा को कुल 47.5 फीसदी वोट मिले, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अजय कुमार दुबे को 21.9 प्रतिशत वोट मिले थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में पशुपतिनाथ सिंह यहां से तीसरी बार चुनाव जीते और उन्हें कुल 66 फीसदी वोट मिले, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कीर्ति आजाद को 27.2 फीसदी वोट मिले। कीर्ति आजाद भाजपा में थे, जिन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी पार्टी में शामिल कर उन्हें अपने टिकट पर धनबाद से मैदान में उतारा था।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को 20.4 फीसदी वोट, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी को 19.4 फीसदी जबकि झारखंड पार्टी को 12.2 फीसदी वोट मिले थे। 1962 के चुनाव की बात करें तो 1962 में भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यहां जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार इस सीट पर कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बदल दिया और पीआर चक्रवर्ती को टिकट दिया था, जिन्होंने 36.3 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की थी। 1989 के लोकसभा चुनाव में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से एके रॉय को उम्मीदवार बनाया गया और उन्होंने 38 फीसदी वोट पाकर जीत हासिल की थी। इस बार भाजपा पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी। इस बार समरेश सिंह को भाजपा ने टिकट दिया था, जिन्हें 35.9 फीसदी वोट मिले थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 18.3 फीसदी वोट मिले थे। 1991 में हुए चुनाव में यहां से भारतीय जनता पार्टी की रीता वर्मा ने जीत हासिल की थी। रीता वर्मा को 43.4 फीसदी वोट मिले थे, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एके रॉय को 29 फीसदी वोट मिले थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को 10.3 फीसदी वोट मिले थे।

इलेक्ट्रिक पैनल में शॉट सर्किट के बाद गोदाम तक फैली आग

PHOTON NEWS DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) की डायलिसिस यूनिट के समीप इलेक्ट्रिक कंट्रोल पैनल में सबसे पहले शॉट सर्किट से आग लगी थी। लगभग पांच मिनट तक कंट्रोल पैनल धूं-धूं कर जलता रहा। बाद में कंट्रोल पैनल से निकली आग की लपटे डायलिसिस यूनिट के गोदाम तक पहुंच गयी। गोदाम में विभिन्न तरह के केमिकल मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैल गयी। एसएनएमएमसीएच में आग लगने की घटना के बाद रविवार को जांच के लिए डायलिसिस यूनिट पहुंची चिकित्सकों की टीम ने विभिन्न पहलुओं की जांच की। कमेटी में शामिल एसएनएमएमसीएच के पेडियाट्रिक विभाग के एचओडी डॉ अविनाश कुमार, सर्जरी विभाग के डॉ एसके चौरसिया व मेडिसिन विभाग के डॉ एलबी टुडू रविवार को डायलिसिस यूनिट पहुंचे थे। सर्वप्रथम जांच टीम ने पूरे डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण किया। इसके बाद यूनिट के बाहर स्थित इलेक्ट्रिक कंट्रोल पैनल व वायरिंग की बारीकी से जांच की। इस दौरान इलेक्ट्रिकल एक्सपर्ट को भी बुलाया गया था। सोमवार को जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सह प्रभारी अधीक्षक डॉ ज्योति रंजन प्रसाद को सौंपेगी। बता दें कि शुक्रवार की रात एसएनएमएमसीएच के डायलिसिस यूनिट के गोदाम में भीषण आग लग गयी थी।

Weather
26.0° Highest Temperature
16.0° Minimum Temperature
Sunrise Tomorrow 06.06
Sunset Today 17.54
CITY
Daily THE PHOTON NEWS सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Tuesday, 05 March 2024

रांची में दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत गुस्साए लोगों ने हिनू चौक किया जाम

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में दीवार गिरने से दो बच्चे उसके नीचे दब गए। दोनों बच्चों की मौत हो गई। इससे गुस्साये लोगों ने हिनू चौक को जाम कर दिया है। घटना सोमवार (4 मार्च 2024) की सुबह यूको बैंक के पास हुई है। मृतकों के लिए 25-25 लाख रुपए मुआवजा और घायल को 10 लाख रुपए देने की मांग की जा रही है। अरगोड़ा के अंचल अधिकारी, रांची के सिटी एसपी और हटिया के विधायक घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

बताया जा रहा है कि दीवार ढहने की घटना एक कंस्ट्रक्शन साइट पर हुई है। यहां एक भवन का निर्माण हो रहा था। रविवार (3 मार्च 2024) की रात को बारिश होने की वजह से अचाक निर्माणाधीन दीवार ढह गई। इसके नीचे दो बच्चे दब गए। दोनों बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम वहां पहुंची। राहत एवं बचाव का कार्य जारी है। दो अबोध बच्चों की मौत से गुस्साये स्थानीय लोगों ने हिनू चौक को जाम कर दिया।

घटना के बाद जुटी स्थानीय लोगों की भीड़। • फोटोन न्यूज

हटिया विधायक, अरगोड़ा के सीओ और सिटी एसपी पहुंचे: मृतक बच्चों के नाम सुमन (5) और चाहत कुमारी हैं। सुमन गुमला का रहने वाला है। लीलावती नाम की एक महिला भी घायल हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद अरगोड़ा के अंचल अधिकारी, रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता और हटिया के विधायक नवीन कुमार जायसवाल घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग : मृतकों के निकट परिजनों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की जा रही है, जबकि घायल को 10 लाख रुपए देने की मांग की जा रही है। बताया जा रहा है कि अपार्टमेंट बनाने के लिए नींव खोदी गई थी। इसी के पास में गिरिधारी इंटरप्राइजेज की दीवार थी, जो बारिश की वजह से ढह गई। इस हादसे में दो बच्चों की मौत के बाद हिनू के लोग उत्तेजित हो गए और उन्होंने रोड को जाम कर दिया। मुआवजे की मांग कर रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक रोड जाम है। अपार्टमेंट का निर्माण करा रहे बिल्डर का नाम गुड्डू मिश्रा है, जबकि ठेकेदार का नाम महेश सिंह है।

सृष्टि हॉस्पिटल के पास हुआ हादसा, मजदूरों के बच्चे दबे

सोमवार को करीब 10 बजे डोरंडा थाना क्षेत्र में सृष्टि हॉस्पिटल के पास बन रहे अपार्टमेंट के निकट स्थित एक दीवार ढह गई। इसमें अपार्टमेंट में काम कर रहे मजदूरों के दो बच्चे की दबकर मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। मृतक बच्चों में एक की उम्र 5 साल और दूसरे की उम्र ढाई से तीन साल के बीच है।

नायक ने घटना स्थल का किया दौरा, 10-10 लाख रुपया मुआवजा व नौकरी की मांग

RANCHI : रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के हीनू इलाके में दीवार गिरने से 2 आदिवासी मजदूरों के बच्चों की मौत होने पर संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी झारखंड, छत्तीसगढ विजय शंकर नायक ने उक्त स्थल का 10 बजे दौरा किया और दोनो बच्चो के पिता दोनो आदिवासी मजदूरो शिवा महली एंव अजय लोहरा से भेंट कर उनसे जानकारी प्राप्त किया और घटना की जानकारी ली तथा पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि उनके साथ न्याय किया जाएगा। उन्होंने सरकार से एवं बिल्डर जहां काम कर रहे थे उससे मांग किया कि पीड़ित परिवार के बच्चों को 10-10 लाख रुपया मुआवजा दिया ही जाना चाहिए और उनके आश्रित परिवारों को नौकरी दिया जाए ताकि उनके साथ हृदय विदारक हुई घटना में उन्हें न्याय मिल सके। नायक ने आदिवासी के हिमायती मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मांग किया है कि इस घटना को वे व्यक्तिगत रूप से इसकी जांच कराये और बिल्डर पर 302 आदतन हत्या करने के जुर्म में प्राथमिकी दर्ज किया जाय।

BRIEF NEWS

आदित्य रंजन राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक के पद पर नियुक्त

RANCHI : झारखंड के पशुपालन निदेशक के पद पर पदस्थापित आदित्य रंजन को स्थानांतरित करते हुए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक (सर्व शिक्षा अभियान) के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ आदित्य रंजन अगले आदेश तक निदेशक मध्याह्न भोजन प्राधिकार झारखंड तथा निदेशक झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रांची के पद पर अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया है। पूर्व निदेशक किरण कुमारी पासी को पशुपालन निदेशक रांची के पद पर नियुक्त किया गया है।

तैयार हो रहा है विकास और रामपुर में ओवरब्रिज बनाने के लिए डीपीआर

RANCHI : रामपुर और विकास में ओवरब्रिज बनाने के लिए डीपीआर तैयार कराया जा रहा है। एनएचएआइ के अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्थानों पर फ्लाइओवर निर्माण के लिए कंसल्टेंट को जिम्मेवारी दी गयी है। यह प्रयास हो रहा है कि जल्द ही इसका डीपीआर बन जाये। हालांकि, अब लोकसभा चुनाव के बाद ही इस पर अग्रतर कार्रवाई हो सकेगी। एनएच 33 में रांची बाइपास में विकास से रामपुर तक की फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है, लगभग 98 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। यह प्रयास हो रहा है कि इस माह के अंत तक इसे चालू कर दिया जाये। इस रोड के काम के साथ ही इंजीनियरों ने सुझाव दिया था कि एनएच 33 में रिंग रोड काठीटांड़ से विकास तक जो जुड़ रहा है उसे रांची बाइपास से जोड़ने के लिए एक फ्लाइओवर बनना चाहिए। क्योंकि, एनएच 33 रांची-रामगढ़ रोड के क्रास होने की वजह से रिंग रोड व रांची बाइपास को ब्रिज से जोड़ना जरूरी है। वहीं, रामपुर में भी एनएच 33 ओर रिंग रोड से जोड़ने के लिए एक ब्रिज की आवश्यकता है। ऐसे में एनएचएआइ जल्द इसके निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कराके मंजूरी देगा।

एचईसी के महाप्रबंधक दीपक दुबे ने दिया इस्तीफा

RANCHI : हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के महाप्रबंधक दीपक दुबे ने इस्तीफा दे दिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रबंधन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। हालांकि इस्तीफे के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है। इस मामले पर दीपक दुबे से संपर्क करने की कोशिश की गई, हालांकि उनसे संपर्क नहीं हो सका।

नये टैरिफ से जेबीवीएनएल के राजस्व वसूली में प्रति महीने 58 करोड़ की होगी वृद्धि

RANCHI : झारखंड सरकार ने राज्यवासियों को 125 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की है। हालांकि इस पर जेबीवीएनएल की ओर से आदेश जारी किया जाना बाकी है। वहीं, दूसरी तरफ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने राज्य में नयी बिजली दरें घोषित कर दी हैं। जिसके तहत पांच पैसे से लेकर 75 पैसे तक की वृद्धि अलग-अलग श्रेणियों में की गयी है। झारखंड बिजली वितरण के आकलन के अनुसार 125 यूनिट फ्री बिजली से राज्य के लगभग 29 लाख 50 हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। जिनमें अधिकांश संख्या ग्रामीण उपभोक्ताओं की होगी। व्यवस्था घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी। जबकि 29 लाख उपभोक्ताओं को इससे किसी तरह का लाभ नहीं मिलेगा। निगम के पास वर्तमान में कुल 58 लाख 41 हजार बिजली उपभोक्ता हैं। वंचित 29 लाख उपभोक्ताओं को 125 यूनिट फ्री बिजली का लाभ नहीं मिलेगा।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची में झमाझम बारिश, एक दिन में 9.8 डिग्री तक गिरा अधिकतम तापमान

झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी रांची समेत कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। इससे पहले एक दिन की बारिश से अधिकतम तापमान धड़ाम हो गया। मौसम विभाग ने सोमवार (4 मार्च) को तात्कालिक चेतावनी जारी कर कहा है कि राजधानी रांची समेत आधा दर्जन जिलों में गरज के साथ बारिश होगी। वज्रपात होने की भी आशंका मौसम विभाग ने जताई है। तात्कालिक चेतावनी में कहा गया है कि राजधानी रांची के अलावा बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग और रामगढ़ जिले में हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर वर्षा के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है। मौसम केंद्र ने कहा है कि इस दौरान बादल भी गरजेंगे। इससे पहले रविवार की देर रात भी रांची में झमाझम बारिश हुई थी, जिसकी वजह से उच्चतम तापमान में भारी गिरावट आई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में 9.8 डिग्री सेंटीग्रेड तक की गिरावट दर्ज की गई है। उच्चतम तापमान में सबसे ज्यादा गिरावट पलामू में दर्ज की गई है। यहां 9.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। झारखंड की राजधानी रांची में भी तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यहां का अधिकतम तापमान 24 घंटे के दौरान 6.8 डिग्री सेंटीग्रेड तक कम हो गया। वहीं, पूर्वी सिंहभूम के जिला मुख्यालय जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 4.2 डिग्री घट गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एकबार फिर उजागर हुई शिबू सोरेन परिवार की सच्चाई : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने वोट के बदले रिश्वत मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस केस में शिकायतकर्ता में वे भी शामिल रहे हैं और आज के फैसले से शिबू सोरेन परिवार की सच्चाई फिर एकबार उजागर हुई है।

बाबूलाल मरांडी सोमवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए शिबू सोरेन परिवार पर हमला बोला। मरांडी ने कहा कि यह फैसला कई मिथक को तोड़ने वाला है। चाहे सदन हो या कहीं और यदि मामला आपराधिक है तो आपराधिक ही माना जायेगा। कोई पैसा लेकर सवाल पूछे या वोट दे सभी अपराध हैं।

मीडिया को जानकारी देते बाबूलाल मरांडी। • फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन परिवार ने इस मामले में इतिहास रचा है। एमएलए, एमपी बनकर शिबू सोरेन परिवार ने पैसा लूटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का राजनीतिक उद्देश्य है केवल पैसा कमाना और लूटना। इनकी राजनीति जनता के लिए नहीं बल्कि परिवार के स्वार्थ की पूर्ति के लिए है। उन्होंने कहा कि यह परिवार पहले पैसा, जमीन, खान खनिज लूटता है और फिर पकड़े जाने पर उसे वापस करने का नाटक करता है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने पहले मुख्यमंत्री रहते अपने नाम खदान आवंटित किया फिर उसे रद्द कर दिया। 8.5 एकड़ जमीन मामले में भी बातें जब उजागर हुईं तो आनन-फानन में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए जमीन की मूल रैयत को वापस करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ लोग चिल्ला कर कह रहे यह जमीन हेमंत सोरेन की है और मनी लॉन्ड्रिंग तो यही होता है जिसमें बेनामी संपत्ति अर्जित की जाती है। उन्होंने कहा कि चोरी जब पकड़ी जायेगी तभी सजा मिलती है। समय बीत जाने से अपराध कम नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन परिवार पहली दफा नहीं बल्कि कई बार राज्यसभा चुनाव में पैसे की वसूली का रिकॉर्ड बना चुका है।

NIA जांच में खुलासा, पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा माओवादी विचारधारा प्रचार में था शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में खुलासा हुआ है कि पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा भाकपा माओवादी विचारधारा के प्रचार और प्रसार में शामिल था। इसके लिए वह अपने क्षेत्र में कैडरों को प्रेरित और भर्ती भी कर रहा था। इस काम के लिए प्रमोद मिश्रा धन भी जुटा रहा था और पुराने नक्सली कैडरों की बैठकें आयोजित कर रहा था। प्रमोद मिश्रा का सहयोगी सब जोनल कमिटी का सदस्य अनिल यादव ईंट भट्ठा मालिकों और ठेकेदारों से लेवी के माध्यम से धन जुटाने में सक्रिय रूप से शामिल था। वह सक्रिय रूप से संगठन की विचारधारा को बढ़ावा दे रहे थे और शांति और सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने के इरादे से गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। इस मामले में एनआईए ने प्रमोद मिश्रा समेत दो और नक्सलियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है।

झारखंड-बिहार बॉर्डर पर माओवादियों को कर रहा था मजबूत

प्रमोद मिश्रा मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिला के रफीगंज थाना क्षेत्र के कासमा गांव का रहने वाला है। वह लंबे समय तक सारंडा में कार्यरत रहा है। गिरफ्तारी से पहले वह झारखंड-बिहार सीमा पर छकरबंधा में माओवादियों को मजबूत करने में जुटा था। प्रमोद मिश्रा को नक्सली संगठन में वर्ष 2004 में केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। वर्ष 2007 में पोलित ब्यूरो सदस्य बनाया गया था। वह 11 मई, 2008 को धनबाद जिला के विनोद नगर से गिरफ्तार हुआ था। उसे न्यायालय ने सबूत के अभाव में वर्ष 2017 में रिहा कर दिया था। इसके बाद से ही वह क्षेत्र में फिर सक्रिय हो गया था। उसे पुलिस पर हमला व कई नरसंहार का मास्टरमाइंड माना जाता है।

एसएसपी ने जिले के सभी एसपी, डीएसपी व थाना प्रभारियों के साथ की समीक्षा बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिले में लगातार अपराध के बढ़ते ग्राफ को अंकुश लगाने के उद्देश्य से रविवार को रांची एसएसपी अनीश गुप्ता ने जिले के सभी एसपी डीएसपी और सभी थानों के थाना प्रभारियों को अपने मुख्यालय में बुलाकर अपराध अनुसंधान पर एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान एसएसपी अनीश गुप्ता ने बैठक में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को कई दिशा-निर्देश भी जारी किए। बैठक में सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, और जिले के सभी डीएसपी और थाना प्रभारी शामिल हुए। बैठक के दौरान रांची एसएसपी अनीश गुप्ता ने जिले के सभी थाना प्रभारियों और डीएसपी को साफ निर्देश दिया है कि 3 महीने के अंदर 2013 और उससे पहले की सभी पेंडिंग केसों की कार्ययोजना बना कर उसकी निष्पादन त्वरित कर उसकी एक रिपोर्ट तैयार कर एसएसपी कार्यालय में सौपे, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों पर नक्सली गतिविधियों और सक्रिय दस्ताओं का एक रिपोर्ट पुलिस विभाग द्वारा तैयार की गई है जिसकी सत्यापन कर उस क्षेत्र के थाना प्रभारियों और सहयोगी थाना क्षेत्रों को एक कमिटी गठन कर छापामारी करने का निर्देश भी दिया गया है।

थाना प्रभारियों संग बैठक करते एसएसपी अनीश गुप्ता। • फोटोन न्यूज

राज्यभर में चला मतदाता सूची में नाम जांचने का अभियान

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने आई एम वेरिफाइड वोटर अभियान का शुभारंभ राजधानी के एक स्कूल में सोमवार को कार्यक्रम के दौरान किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जांचने के लिए जागरूक करना है। इसके तहत सभी जिलों के बूथों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही मतदाताओं को बताया जा रहा है कि वे वोटर हेल्पलाईन ऐप, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय झारखण्ड की वेबसाईट एवं भारत निर्वाचन आयोग के वोटर पोर्टल पर जाकर भी अपना नाम देखकर सत्यापित कर सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का स्वागत करतीं छात्रा। • फोटोन न्यूज

रांची में अभियान के शुभारंभ के अवसर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान करना हम सबका अधिकार और कर्तव्य है। मतदाता वोटर आईडी की अनुपलब्धता में 12 अन्य वैकल्पिक दस्तावेज दिखाकर भी वोट कर सकते है। किंतु जो सबसे जरूरी अनिवार्यता है, वह है मतदाता सूची में नाम होना। अगर वोटर लिस्ट में किसी का नाम नहीं है तो वह मत देने के अधिकार से वंचित हो जाता है। उन्होंने कहा कि अभी भी समय है, लोग अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक कर लें, अगर किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति है तो उसे दूर करवा लें ताकि मतदान के दिन कोई दिक्कत नहीं हो।

सभी जिलों में चलाया गया सोशल मीडिया अभियान : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के आदेश के आलोक में राज्य के सभी जिलों में सोशल मीडिया अभियान चलाया गया, जिसमें हजारों मतदाताओं ने अपना नाम मतदाता सूची में देखकर सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की सूचना पोस्ट की कि उन्होंने अपने नाम का सत्यापन कर लिया है।

रांची के जलस्रोतों के अतिक्रमण व बड़ा तालाब की साफ-सफाई पर हाईकोर्ट ने निगम से किया सवाल, पूछा-

गर्मी में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए क्या है प्लान?

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के जलस्रोतों के अतिक्रमण एवं रांची शहर के बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने रांची नगर निगम से मौखिक पूछा कि गर्मी में रांची में लोगों को पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए क्या प्लान है? कोर्ट ने कहा कि अवैध डीप बोरिंग पर नियंत्रण किया जाये, ऐसा करते पकड़े जाने वालों पर जुमार्ना भी लगाया जाए। अवैध डीप बोरिंग करने वाले वाहन को भी जब्त करें।

कोर्ट ने पूछा कि गर्मी में बोरवेल सूख जा रहे हैं, इसे दुरुस्त रखने के लिए रांची नगर निगम की क्या प्लानिंग है, अपार्टमेंट एवं भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग पर अबतक क्या कदम उठाए गये? अवैध बोरिंग रोकने के लिए रांची नगर निगम की क्या योजना है? मामले की सुनवाई अगले सोमवार को निर्धारित करते हुए इन बिंदुओं पर रांची नगर निगम से स्पष्ट जवाब मांगा है।

कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक पूछा कि राजधानी के जल स्रोतों जैसे कांके डैम, हटिया डैम एवं गेतलसूद डैम के कैचमेंट इलाके में जो अतिक्रमण है उसे हटाने के लिए क्या किया गया? इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने के लिए सरकार की ओर से फंड दिया गया है। सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से कैचमेंट एरिया के आसपास अतिक्रमण की जानकारी ली जायेगी। इस पर कोर्ट ने कहा कि ऐसा करने में तीन से चार माह का समय लग जायेगा तब तक गर्मी खत्म हो जायेगी। कोर्ट ने कि कहा कि गर्मी में पानी की समस्या पर कोर्ट लगातार मॉनिटरिंग करेगा।

रांची के जल स्रोतों यथा कांके डैम, हटिया डैम एवं रुक्का डैम की जमीन का अतिक्रमण किये जाने के मामले में भी कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें कई सुनवाइयों में कोर्ट ने राज्य सरकार को कई दिशा निर्देश दिये थे।

टीपीसी कमांडर भीखन गंझू को मिली बेल

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में हार्डकोर नक्सली भीखन गंझू की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने उसे जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की अदालत में भीखन गंझू की जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। यह मामला हत्या, आर्म्स एक्ट और 17 (सीएलए) क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट से जुड़ा हुआ है। बता दें कि रांची पुलिस ने वर्ष 2022 में पंडरा इलाके से 10 लाख के इनामी नक्सली भीखन गंझू को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है। भीखन उग्रवादी समूह टीपीसी का कमांडर है। पिपरवार के अशोका, टंडवा के मगध-आम्रपाली परियोजना में टेरर फंडिंग के केस में भी भीखन गंझू आरोपी है। जिस मामले में अदालत ने भीखन को बेल दी है, उसमें आईपीसी की धारा 120बी, 147, 148, 149, 302, 307, 201, आर्म्स एक्ट की धारा 27, क्रिमिनल ला एमेंडमेंट एक्ट की धारा 17 और अनलॉफुल एक्ट प्रिवेंशन एक्ट की धारा 16,20 और 23 के तहत अभियुक्त बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने विदेशी महिला से सामूहिक दुष्कर्म मामले में लिया स्वतः संज्ञान

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने दुमका में विदेशी महिला टूरिस्ट से गैंगरेप मामले को गंभीरता से लिया है। दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र में बीते दिनों स्पेनिश बोलने वाली (ब्राजील निवासी) महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष मामले को संज्ञान में लाया गया। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी एवं एसपी दुमका से रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई सात मार्च को होगी। इस मामले में पुलिस ने अब तक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। महिला अपने पति के साथ दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र स्थित कुरुमाहाट पहुंची थी। दंपति पाकिस्तान से बांग्लादेश फिर बंगाल के रास्ते नेपाल जाने के क्रम में दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुंजी गांव में टेंट लगाकर रुके थे। इसी दौरान घटना को अंजाम दिया गया।

हेमंत द्वारा ईडी के समन की अवहेलना मामले में सीजेएम कोर्ट ने लिया संज्ञान

PHOTON NEWS RANCHI : समन का अवहेलना करने मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी की शिकायतवाद पर सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है। अब हेमंत सोरेन के खिलाफ इस मामले में मुकदमा चलेगा। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन द्वारा ईडी के समन की अवहेलना मामले में सीजेएम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 174 के तहत संज्ञान लिया है। मामले में कोर्ट ने समन जारी करने का भी निर्देश दिया है। समन जारी होने के बाद अगली तिथि में हेमंत सोरेन को कोर्ट के समक्ष हाजिर होना होगा। अगली सुनवाई 3 अप्रैल को होगी। पूर्व में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। बता दें कि इस संबंध में ईडी की ओर से शिकायतवाद संख्या 3952/2024 सीजेएम कोर्ट में दाखिल की गई है। शिकायतवाद में शिकायतकर्ता ईडी की ओर से बताया गया है कि हेमंत को ईडी ने जमीन घोटाला मामले में 10 समन किया था, जिसमें से मात्र दो समन पर ही हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे। यह ईडी के समन की अवहेलना है। हेमंत ईडी के समक्ष 20 जनवरी को 8 वा समन एवं 31 जनवरी को दसवां समन में हेमंत उपस्थित हुए थे।

निशिकांत दुबे की पीआईएल पर हाईकोर्ट में सुनवाई, ऊर्जा सचिव हुए उपस्थित

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में देवघर स्थित एम्स अस्पताल में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ऊर्जा विभाग के सचिव कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए। अदालत ने उन्हें एफिडेविट के माध्यम से यह बताने का निर्देश दिया कि एम्स में बिजली,पानी और अग्निशामक वाहन की निर्बाध व्यवस्था के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए एक सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की है। इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आनंद सेन की बेंच में हुई। इस मामले में सांसद निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय पक्ष रख रहे हैं।

BRIEF NEWS

18वें बीजू पटनायक मेमोरियल ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

ROURKELA : 18वें अखिल भारतीय बीजू पटनायक मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट राउरकेला सोमवार को शुरू हुआ। इस फुटबॉल प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 8 टीमों ने हिस्सा लिया है। जमशेदपुर, चेन्नई, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, ओडिशा आदि जगहों से खिलाड़ी आकर स्टेडियम पहुंच चुके हैं। राउरकेला स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सोमवार को बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ,विशिष्ट अतिथि पद्मश्री दीलिप तिर्की, रघुनाथपल्ली विधायक सुब्रत तराई भी सामिल हुए। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष मिहिर रॉय ने की।

प्रशांत सेठी ने अस्पताल का किया दौरा, जानी स्थिति

ROURKELA : रघुनाथपल्ली विधायक प्रत्याशी प्रशांत सेठी ने हर दिन की तरह सोमवार को राउरकेला सरकारी अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान डॉक्टरों और मरीजों से बाचतीत की। स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी मरीजों से ली।

पांच गांजा तस्करों को 12 साल की सजा और एक लाख का जुर्माना

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ एडीजे कोर्ट ने गांजा के पांच तस्करों को 12 साल की कठोर कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर 6 माह की कैद का आदेश दिया गया है। मार्च 2022 में जब एक मारुति कार में 4 क्विंटल से अधिक गांजा ले जाया जा रहा था, तो राजगांगपुर पुलिस ने कार को जब्त कर लिया और 5 तस्करों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। सोमवार को मामले की सुनवाई के बाद माननीय अदालत ने नशा तस्कर को कड़ी सजा सुनाई है। बताया गया है कि ये सभी तस्कर उत्तर प्रदेश के हैं।

जमशेदपुर के सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन शकील खान का निधन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन शकील अनवर खान का सोमवार को निधन हो गया। मानगो के आजादनगर स्थित रोड-8 निवासी शकील खान की उम्र 54 वर्ष थी। वे अपने पीछे दो बेटे व दो बेटी छोड़ गए हैं। वे शांति समिति सहित कई संगठन से जुड़े हुए थे। उनके निधन पर खालिद इकबाल, रेयाज शरीफ, सनाउल्लाह अंसारी, मुख्तार खान, तारिक आलम आदि ने शोक संवेदना जताई है।

ओडिशा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा का हुआ समाप्त

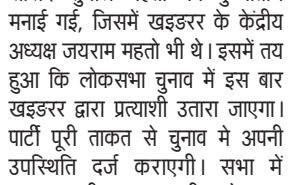

ROURKELA : ओडिशा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होकर आज 4 मार्च को समाप्त हो गई। सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला शहर के विभिन्न सरकारी स्कूलों में सोमवार को परीक्षा के बाद विद्यार्थियों ने होली खेल कर जश्न मनाए। उदित नगर राजकीय उच्च विद्यालय के सामने एलआईसी रिजर्व स्कूल के विद्यार्थियों ने रंग-गुलाल लगने के साथ विद्यार्थियों ने एक दूसरे को विदाई दी। उदितनगर सरकारी उच्च विद्यालय में शहर के विभिन्न स्कूलों से भी छात्र छात्राएं परीक्षा देने आये थे। इसी तरह, डेलीमार्केट टाउन हाई स्कूल, राउरकेला, रेलवे स्टेशन के पास हाई स्कूल, स्मार्ट-सिटी राउरकेला और स्टील सिटी के कई सरकारी हाई स्कूलों में मैट्रिक परीक्षा के लिए छात्रों की भीड़ देखी गई। परीक्षा संपन्न होने से छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह रहा।

जमशेदपुर से उम्मीदवार उतारेगी जयराम महतो की पार्टी

ROURKELA : साकची स्थित आमबगान मैदान में सोमवार को झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की जमशेदपुर महानगर टीम द्वारा पूर्व सांसद सुनील महतो की पुण्यतिथि मनाई गई, जिसमें खइडर के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो भी थे। इसमें तय हुआ कि लोकसभा चुनाव में इस बार खइडर द्वारा प्रत्याशी उतारा जाएगा। पार्टी पूरी ताकत से चुनाव मे अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। सभा में खइडर की महानगर टीम से तपन महतो, मंटु महतो, सौरभ दास, अधिवक्ता मानिक चंद महतो, शंकर भगत, दिनेश महतो आदि सक्रिय रहे।

मानगो फायरिंग मामले का आरोपी हाइवे से गिरफ्तार

अपने साथी के साथ किसी बड़ी घटना को देने जा रहा था अंजाम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत आजादनगर रोड नंबर आठ में हवाई फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी बड़ा साजिद उर्फ मो फैजान कुरैशी उर्फ बड़ा खेसखेस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बड़ा साजिद की गिरफ्तारी पुलिस ने पारडीह चौक के पास से उस वक्त की जब वह कपाली की ओर से अपने एक साथी के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने आ रहा था। पुलिस ने साजिद के पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा गोली बरामद किया है। वहीं पुलिस को देख साजिद का साथी मौके से फरार हो गया। सोमवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मामले की जानकारी दी।

घटना की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल। ● फोटोन न्यूज

एसएसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक बाइक पर सवार होकर दो युवक किसी घटना को अंजाम देने के लिए घूम रहे है। सूचना पर पुलिस ने एक टीम का गठन कर नाकेबंदी की। इसी दौरान बाइक सवार युवक पुलिस को देख भागने लगे पर पुलिस ने एक युवक को धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम बड़ा साजिद बताया। तलाशी के क्रम में उसके पास से एक देसी कट्टा और एक गोली बरामद की गई।

हत्याकांड मामले में जेल से जमानत पर है बाहर

एसएसपी ने बताया कि साजिद कपाली में हुए एक हत्याकांड मामले में हाल ही में जेल से जमानत पर बाहर आया है। बीते दिनों आपसी विवाद में उसने आजादनगर रोड नंबर आठ में फायरिंग की थी तब से वह फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जमशेदपुर महानगर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने चारों प्रखंड कार्यालय पर जमकर बोला हल्ला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भाजपा, जमशेदपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जमशेदपुर, पोटका, बोड़ाम एवं पटमदा प्रखंड कार्यालय पर विरोध-प्रदर्शन कर जमकर हल्ला बोला। करनडीह स्थित जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि झारखंड की झामुमो कांग्रेस व राजद गठबंधन सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, जेएसएससी प्रश्न पत्र लीक एवं नियुक्ति घोटाला, वादाखिलाफी, अराजकता, तुष्टीकरण, महिला उत्पीड़न, ध्वस्त विधि व्यवस्था और खनिज संपदाओं की खुली लूट, बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे मुद्दे को लेकर सूबे की मुख्य विपक्षी दल भाजपा राज्य की गठबंधन सरकार के खिलाफ लगातार हमलावर है। विरोध प्रदर्शन में जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, प्रदेश मंत्री सह लोकसभा चुनाव संचालन समिति के संयोजक नंदजी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्षगण समेत समेत कई वरीय नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

आक्रोश-प्रदर्शन को पूर्व जिलाध्यक्ष अभय सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, बिनोद सिंह व गुंजन यादव ने भी संबोधित किया। इस दौरान राजन सिंह, जटाशंकर पांडेय, संजीव कुमार, संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, संजीव सिंह, राकेश सिंह, अनिल मोदी, नीलू मछुआ, मंजीत सिंह, विजय तिवारी, राजीव सिंह, प्रेम झा, ज्ञान प्रकाश, धर्मेंद्र प्रसाद, अमित अग्रवाल, बिनानंद सिरका सहित जमशेदपुर महानगर के सभी 22 मंडल के अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन का 13वां शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार की शाम ब्राह्मणी क्लब में आयोजित किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में कृष्ण बाहन और टाटा मोटर्स के सीईओ देबाशीष रॉय, विशेष अतिथि के रूप में, राउरकेला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष दीलिप महापात्र और राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महासचिव प्रभात टिबरवाल उपस्थित थे।

वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को विशेष अतिथियों ने शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले पदाधिकारियों में वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में विजय प्रधान, उपाध्यक्ष के रूप में जय बहादुर सिंह, महासचिव के रूप में विशरंजन बेउरिया, सह-संपादक के रूप में विजय चौधरी, सह-संपादक के रूप में सतीश याधव और कोषाध्यक्ष के रूप में रामचंद्र मॉल शामिल थे। वेदव्यास ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के नवनियुक्त कर्मियों ने कार्य को सुचारु रूप से चलाने की शपथ ली। इस कार्यक्रम के अवसर पर राजगांगपुर ट्रक ओनर्स एसोसिएशन व राउरकेला ट्रॉलर एसोसिएशन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने 432 महिलाओं में बांटे वृद्धावस्था पेंशन के सर्टिफिकेट

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने रविवार को 432 महिलाओं में वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृति सर्टिफिकेट बांटे। कदमा स्थित कार्यालय में रविवार को मंत्री ने जिन महिलाओं को प्रमाणपत्र बांटे, वे कदमा, सोनारी, बिष्टुपुर, साकची व मानगो की रहने वाली 50 वर्ष से अधिक आयु की थीं। मंत्री ने कहा कि अब इन लाभुकों को पेंशन मिलना प्रारंभ हो जाएगा। इस दौरान मंत्री ने इन महिलाओं को एक-एक स्वच्छता बाल्टी भी दी। उनसे कहा कि आप अपने घर का कचरा इधर-उधर ना फेंक इसी बाल्टी में फेंकें और जब कोई कचरा लेने के लिए आए तो उसको दे दें। कूड़ादान जाना हो तो इसी बाल्टी को लेकर जाकर कचरा को कूड़ादन में फेंकें, ताकि हमारा शहर साफ सुथरा बना रहे।

महिलाओं को स्वच्छता बाल्टी व सर्टिफिकेट देते मंत्री बन्ना गुप्ता। ● फोटोन न्यूज

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कई भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में कराया शामिल

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित डिमना चौक में रविवार को आयोजित समारोह में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कई भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में शामिल कराया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा में किए जा रहे विकास कार्य से प्रभावित होकर भाजपा के सदस्य नारायण श्रीवास्तव एवं चंदन सिंह के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा है। बन्ना गुप्ता ने सभी युवाओं को फूल माला पहनाकर कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे अब युवाओं की रुझान कांग्रेस पार्टी की तरफ बढ़ता जा रहा है। इन युवाओं के शामिल होने से कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। इस दौरान मानगो प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष ईश्वर सिंह, उत्तम मंडल, नीतीश पोद्दार, अखिलेश सिंह, बलवंत सिंह, बलजीत सिंह सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वेंकटेश्वर स्वामी बालाजी मंदिर के वार्षिक उत्सव का समापन

कार्यक्रम में नृत्य करतीं महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला हवाई अड्डे के पास स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी बालाजी मंदिर की 29वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मंदिर समिति द्वारा पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। मंदिर समिति द्वारा समापन समारोह के अवसर पर प्रसाद वितरण हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित प्रसाद ग्रहण करने मंदिर पहुंचे।

कार्यक्रम 28 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित हुआ। 28 फरवरी को कार्यक्रम का कलश स्थापना उद्घाटन और शाम शोभा यात्रा निकाली गई।29 फरवरी को सुदर्शन होम हुआ,1 मार्च को लक्ष्मी स्वर्ण पूजा अर्चना किया गया, 2 मार्च को वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा अर्चना की और 3 मार्च को राम पता शेखम सुदर्शन होम के साथ 4 मार्च को पूणार्हुति, सुन्दरकाण्ड पारायण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसी के साथ मंदिर कमिटी द्वारा भण्डारा दिया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आते ही विधायक सरयू राय ने मंत्री बन्ना गुप्ता को घेरा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों के विशेषाधिकार को परिभाषित करते हुए सोमवार को निर्णय दिया कि पैसा लेकर प्रश्न पूछना, पैसा लेकर भाषण देना ओर पैसा लेकर सदन के भीतर वोट देना भ्रष्टाचार है और ऐसा करने वाले सांसदों, विधायकों पर मुकदमा चलेगा।

इस निर्णय पर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है कि इस आधार पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर कार्रवाई होनी चाहिए। सरयू राय ने लिखा है कि मैंने विधानसभा में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री से एक सवाल पूछा था कि जमशेदपुर की एक महिला चिकित्सक रेणुका चौधरी ने कई वर्षों तक सेवा से अनुपस्थित रहने के बावजूद वेतन लिया और अनुपस्थिति की अवधि

सरयू राय की फाइल फोटो।

में फर्जी हस्ताक्षर उपस्थिति पंजिका में किया। एक बार दिनांक 19.08.2013 को तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव के आदेश पर तीन सदस्यीय समिति ने जांच किया तो पाया कि ये आरोप सही हैं और चूंकि आरोपी चिकित्सक तब तक अवकाश ग्रहण कर चुकी थीं, इसलिए उनके वेतन की पूरी कटौती करने का आदेश पारित हुआ था।

परंतु जब विधायक सरयू राय ने विधानसभा के वर्तमान बजट सत्र में और इसके पूर्व रांची विधानसभा के विधायक सीपी सिंह ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में संबंधित प्रश्न उठाया तो सरकार ने उत्तर दिया कि उस समय की उपस्थिति पंजिका जिला यक्ष्मा कार्यालय, जमशेदपुर से गायब हो गई है और जिस लिपिक (संजय तिवारी) की अभिरक्षा में उपस्थिति पंजिका थी, उसने आत्महत्या कर ली है।

यानी जिस उपस्थिति पंजिका के आधार पर वर्ष 2016 में स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय समिति ने पाया कि डॉ. रेणुका चौधरी ने उपस्थिति पंजिका पर फर्जी हस्ताक्षर किया है और जिस पंजिका के बारे में एक आरटीआई कार्यकर्ता को विभाग ने उत्तर दिया कि वह उपस्थिति पंजिका गायब नहीं हुई है, वहीं किसी और आरटीआई कार्यकर्ता को विभाग ने लिखित तौर पर बताया कि ह्यमांगे गए दस्तावेजों की प्रति खोजी गई, जिसमें उक्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं है।

दूसरी ओर विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने उत्तर दिया कि वह उपस्थिति पंजिका गायब है और आरोपी चिकित्सक पर कार्रवाई करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने पूर्वी सिंहभूम जिला के सिविल सर्जन के ऊपर ही सही तथ्य नहीं बताने के लिए प्रपत्र ह्यकह्न गठित कर विभागीय कार्यवाही आरंभ कर दिया है।

सरयू राय ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखा है कि यदि सभा व्यवस्थित होती तो इस प्रश्न के उत्तर पर वाद-विवाद होता तो वे इस बारे में कतिपय सवाल पूछते, परंतु सभा की कार्यवाही बाधित हो गई, इसलिए सरकार के गलत उत्तर को वे परिभाषित नहीं कर सके। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि वे विधानसभा में गलत उत्तर देने वालों के खिलाफ सदन की अवमानना की कार्रवाई करें।

ऑटोमोबाइल का स्कूल खोलेगा एक्सएलआरआई दिल्ली-एनसीआर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में, 1949 में स्थापित भारत के सबसे पुराने बी-स्कूल एक्सएलआरआई ने 'इंडियन स्कूल फॉर डिजाइन ऑफ ऑटोमोबाइल्स' (आईएनडीईए) की स्थापना की घोषणा की है, जो भारत में ऑटोमोबाइल डिजाइन के लिए अपनी तरह का पहला समर्पित फिनिशिंग स्कूल है। एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र और ऑटोमोबाइल उद्योग विशेषज्ञ अविक चट्टोपाध्याय के सहयोग से यह स्कूल चलेगा।

आईएनडीईए के तीन स्तंभ होंगे, जिसमें अंतर्ज्ञान और औद्योगिक ज्ञान का संतुलन, समृद्ध उद्योग इंटरफेस और वैश्विक विचार और अनुप्रयोग का प्रदर्शन। आईएनडीईए का लक्ष्य दुनिया के कुछ अग्रणी और सबसे सम्मानित डिजाइनरों को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में स्कूल में लाना है।

इस पर डॉ. फादर केएस कासिमिर (निदेशक, एक्सएलआरआई दिल्ली-एनसीआर कैंपस) ने कहा कि एक्सएलआरआई दृढ़ता से अधिक से अधिक अच्छे के लिए में विश्वास करता है और हम प्रबंधन शिक्षा क्षेत्र और बड़े पैमाने पर समुदाय को आकार देने में व्यापक सामान्य अच्छे के लिए काम करते हैं। हमें डिजाइन हब बनने की भारत की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता पर जोर देने और उस दिन का लक्ष्य रखने की तीव्र आवश्यकता महसूस हुई जब दुनिया भर के लोग भारत में 'डिजाइन' हुई कार! खरीदना चाहते हैं। 'इंडियन स्कूल फॉर डिजाइन ऑफ ऑटोमोबाइल्स' के साथ हमारा प्रयास उन कुशल डिजाइनरों के लिए अंतर को पाटना है जो प्रबंधन और ग्राहक प्राथमिकताओं की बारीकियों को भी समझते हैं और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग के लिए पूर्ण पेशेवर तैयार करते हैं।

जमशेदपुर में तीसरी बार होने जा रहा मेधा डेयरी के प्लांट का शिलान्यास

सीएम चम्पाई सोरेन सात मार्च को करेंगे भूमिपूजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर सहित पूर्वी सिंहभूम जिले में दूध और दुग्ध उत्पाद की खपत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। इसे देखते हुए पहली बार झारखंड मिल्क फेडरेशन ने 2009-10 में पहली बार जमशेदपुर में मेधा डेयरी का प्लांट खोलने की योजना को स्वीकृति प्रदान की थी। डिमना चौक से सटे मानगो के बालीगुमा में इस प्लांट का अब तीसरी बार शिलान्यास होने जा रहा है, जिसका भूमिपूजन मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन सात मार्च को करेंगे। इससे पहले इसी प्लांट का इसी स्थान पर 2010 में तत्कालीन कृषि मंत्री मथुरा महतो और 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शिलान्यास व भूमिपूजन किया था।

टाटा-रांची राष्ट्रीय उच्चपथ (एनएच-33) से सटे बालीगुमा में आठ एकड़ जमीन पर मुख्यमंत्री के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। पूरे मैदान में घास व झाड़ियों की कटाई कर दी गई है। 2016 में इसकी चारदीवारी बनी थी, उसका रंगरोगन किया जा रहा है। शिलापट के लिए पक्की दीवार का निर्माण किया जा रहा है। जब मथुरा महतो ने शिलान्यास किया था, तो चारदीवारी भी नहीं बनी थी। 2020 में इस भूखंड पर शेड बनाया गया था, जिसमें रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी से दूध, दही, लस्सी, पनीर आदि लाकर रखे जाते हैं। इसका वितरण शहर व आसपास में किया जाता है।

पाउडर या मिलावटी दूध पी रहे अधिकतर लोग

फिलहाल सुधा डेयरी 1.5 लाख लीटर दूध का उत्पादन करती है, जबकि अनुमान के अनुसार सरायकेला-खरसावां जिला के चौका स्थितअमूल द्वारा लगभग 30 हजार लीटर, मेधा से करीब 10 हजार लीटर और आइटीसी के आशीर्वाद ब्रांड से लगभग 5 हजार लीटर दूध की आपूर्ति प्रतिदिन जमशेदपुर व आसपास में हो रही है। दूध कारोबारियों की मानें तो लगभग एक लाख लीटर दूध खटालों से आता है, जबकि अधिकतर लोग किसी न किसी रूप में पाउडर या मिलावटी दूध पी रहे हैं। आजकल ऐसे लोग भी कम नहीं हैं, जो दूध को सफेद जहर मानकर पीते ही नहीं हैं।

लगभग छह लाख लीटर दूध की आवश्यकता

फिलहाल जमशेदपुर व पूर्वी सिंहभूम जिला सहित आसपास में लगभग 6 लाख लीटर दूध की प्रतिदिन आवश्यकता है। जमशेदपुर डेयरी के विपणन प्रभारी देवव्रत कुंडू बताते हैं कि एक अनुमान के मुताबिक एक व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 200 ग्राम दूध की आवश्यकता होती है। हालांकि सभी लोग रोज दूध नहीं पीते हैं, लेकिन अन्य लोग दही, पनीर, लस्सी, छाछ, घी, पेड़ा आदि का उपयोग करते ही हैं। वह भी इसी दूध से बनता है। अभी तो पूर्वी सिंहभूम जिले में मतदाताओं की संख्या ही लगभग 18 लाख हो गई है, तो कुल जनसंख्या 26 लाख से ज्यादा ही होगी। प्रति व्यक्ति 200 ग्राम के हिसाब से प्रतिदिन छह लाख लीटर दूध की खपत ज्यादा नहीं है।

25 हजार से बढ़कर 50 हजार लीटर हुई क्षमता

झारखंड सरकार ने 2009-10 के बजट में जब इस प्लांट को स्वीकृति प्रदान की थी, तब इसकी उत्पादन क्षमता 25 हजार लीटर रखी गई थी। इसके बाद जब रघुवर दास ने 2016 में इसका शिलान्यास किया, तो इसकी दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 50 हजार लीटर कर दिया गया था। अब देखने वाली बात होगी कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन जब सात मार्च को इस प्लांट का भूमिपूजन करेंगे, तो इसकी उत्पादन क्षमता में कितनी वृद्धि की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2018-19 में भी जमशेदपुर व गिरिडीह में मेधा डेयरी प्लांट खोलने के लिए 75.34 करोड़ रुपये का बजट पारित हुआ था।

बीआईटी मेसरा के छात्रों ने NML में सीखा कचरा प्रबंधन का तरीका

बीआईटी मेसरा के छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) में सोमवार को बीआईटी मेसरा, रांची के 40 छात्रों सहित फैकल्टी प्रो. पवन कुमार तिवारी और प्रो. मधु प्रिया ने सीएसआईआर-एनएमएल के विभिन्न प्रभागों का भ्रमण किया। इसमें मुख्यतः क्रिप लैब, अर्बन ओर रीसाइक्लिंग सेंटर, मैग्नेटिक मैटेरियल्स लैब इत्यादि में कचरा प्रबंधन का तरीका जाना व सीखा। अर्बन ओर रीसाइक्लिंग सेंटर में भ्रमण के दौरान छात्रों को मुख्य वैज्ञानिक डॉ मनीष कुमार झा ने बताया कि किस प्रकार इलेक्ट्रॉनिक कचरे से पुनःचक्रण करके कोबाल्ट, लिथियम, कॉपर, मैंगनीज और निकेल जैसी धातुओं का उत्पादन किया जा सकता है। वह भी पर्यावरण और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचाए बिना। डॉ मनीष कुमार झा ने कहा कि ह्हाल के दिनों में एनएमएल ने कई स्वदेशी तकनीक भारतीय कंपनियों को हस्तांतरित की हैं। भविष्य में हम भारत को ई-कचरा मुक्त समाज बनाने के लिए और अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी स्थानांतरित करेंगे।

आमिर सुबहानी को बिहार सरकार ने दी बड़ी जिम्मेदारी

बिहार। सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को बिहार सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। बिहार सरकार ने उन्हें विद्युत विनियामक आयोग का अध्यक्ष बनाया है। बिहार के राज्यपाल के आदेश से सरकार के प्रधान सचिव की ओर चिट्ठी जारी की गई है। कहा गया है कि आमिर सुबहानी को बिहार विनियामक आयोग के पद पर नियुक्त किया जाता है। उनकी सैलरी दो लाख 25 हजार रुपये होगी। बिहार के किशनगंज जिले के बहादुरगंज नगरपालिका

क्षेत्र के वार्ड नंबर -17 में रविवार को बारहडांगा में खेल के दौरान शौचालय की टंकी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। मासूम बच्चों की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। खेल-खेल में शौचालय की टंकी का ढक्कन टूट गया और तीनों बच्चे उसमें गिर गए। बच्चे घर में नहीं पहुंचे तो अभिभावकों ने खोजबीन शुरू की। खोजबीन के दौरान पता चला कि शौचालय की टंकी का ढक्कन टूटा हुआ है और बच्चे टंकी में गिरे हुए थे। तीनों की मौत हो गई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। भाजपा ने शनिवार शाम को लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में 195 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया था। इसी लिस्ट में भाजपा ने भोजपुरी स्टार पवन सिंह को बंगाल की आसनसोल सीट से उम्मीदवार बनाया था। अब पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर आसनसोल से चुनाव न लड़ने के फैसले की जानकारी दी। बेतिया में एक अनियंत्रित ट्रक ने सात लोगों को रौंद दिया। इसमें घटनास्थल पर एक युवक की मौत हो गई। वहीं छह लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र के कैथवलिया लौरिया मुख्य पथ स्थित उत्तर वाहिनी पुल के समीप की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। सभी घायलों को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया में भर्ती किया गया है। इनका इलाज चल रहा है। पटना के गांधी मैदान महागठबंधन के कार्यकताओं और समर्थकों की भीड़ उमड़ चुकी है। छोटी-छोटी टुकड़ियों में सभी स्थल पहुंच रहा है।

संक्षिप्त डायरी

चालक को नहीं दिखी पुल की रेलिंग कार हादसे में परिवार के तीन की मौत

बिहार। मोतिहारी में भीषण सड़क हादसे में परिवार के लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। सभी लोग चेन्नई की फ्लाइट पकड़ने के लिए पटना एयरपोर्ट आ रहे थे। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बैरिया देवी माई स्थान के पास एक बड़ा हादसा हुआ हुआ है। कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकराते हुए उसपर चढ़ गई। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने घायलों के शव को अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं मरने वालों की लाश को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि पूर्वी चंपारण के रक्सौल वार्ड नंबर 11 निवासी पत्रकार शंकर गणेश अपने पिता श्रवण मस्करा (70), मां प्रेमा (65), अपनी पत्नी अंजू मस्करा के साथ चेनई की फ्लाइट पकड़ने पटना एयरपोर्ट आ रहे थे। इसी बीच सुबह के करीब चार बजे मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बैरिया देवी माई स्थान के पास नहर पुल की रेलिंग से उनकी कार टकरा गई। हादसे में पत्रकार गणेश के माता-पिता और पत्नी की मौत हो गई। वहीं गणेश और उनके ड्राइवर डब्बू गंभीर रूप से घायल हैं। दोनो का निजी नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है।

जन्मदिन की पार्टी के दौरान कैमरामैन को मारी गोली हुई मौत

बिहार। घटना के संबंध में मृतक सुशील सहनी के बड़े भाई रविन्द्र सहनी ने बताया कि राकेश सहनी की बेटी का जन्मदिन था, जिसमें सुशील को वीडियोग्राफी करने के लिए बुलाया गया था। कार्यक्रम के बाद बैट्री डिस्चार्ज हो जाने पर वह अपने घर आ गया था, लेकिन राकेश सहनी ने सुशील को फोन करके बुलाया और पहले तो उसके साथ मारपीट की, फिर राकेश अपने दो तीन मित्रों के साथ मिलकर सुशील के मुंह में पिस्टल घुसाकर गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। बता दें कि आरोपी इतने पर ही नहीं रुके, उन सभी ने मिलकर गाड़ी में लादकर मृतक को डीएमसीएच इमरजेंसी के पास लेकर आए और बाहर छोड़कर सभी भाग गए। रविन्द्र सहनी ने इस घटना में राकेश सहनी के अलावा भी तीन चार लोगों के संलिप्त होने की बात कही है। हालांकि मृतक के भाई के द्वारा बताए गए लोगों में एक व्यक्ति जो वाहन का चालक था, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पोकलेन के नीचे दबकर दिहाड़ी मजदूर की मौत

बिहार। के सीतामढ़ी के रीगा में पोखर खुदाई के दौरान एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के खरसान गांव की है। जहां पोखर के लिए मिट्टी खुदाई का कार्य चल रहा था। पोखर की खुदाई पोकलेन से कराई जा रही थी। जहां मजदूर कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक पोकलेन पलट गया और पास में काम कर रहे मजदूर की उससे दबकर दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मजदूर 500 रुपये की दिहाड़ी पर काम करने के लिए आए थे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान जिले के सुप्पी प्रखंड के जमला परसा गांव निवासी मुकेश कुमार यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं, उक्त घटना की सूचना पर स्थानीय रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची है। रेस्क्यू टीम को बुलाया जा रहा है, जो मजदूर को बाहर निकाल सके। मौके पर पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता सरोज कुमार यादव ने पीड़ित परिवार को सरकार से मुआवजा राशि दिलाने का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार, मुकेश अपने परिवार के भरण पोषण के लिए मजदूरी करता था। शनिवार को मुकेश अपने गांव के बगल में खरसान गांव में काम करने आया था। जहां एक पोखर की खुदाई चल रही थी। सुबह से ही पोकलेन से पोखर की खुदाई की जा रही थी। पोकलेन से करीब 10 फिट की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी ढह गई

ढक्कन टूटने से तीन बच्चियां शौचालय की टंकी में गिरीं

बिहार। के किशनगंज में रविवार को शौचालय की टंकी में गिरने से तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चियां खेल रही थीं कि टंकी का ढक्कन टूट गया, जिससे तीनों बच्चियां टंकी में गिर गईं। मरने वाली बच्चियों में दो सगी बहनें और एक पड़ोसी की बच्ची शामिल हैं। घटना जिले के बहादुरगंज नगर के बाराडांगा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, बाराडांगा गांव में तीन बच्चियां घर के बाहर ही खेल रही थीं। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं आईं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान बच्चियों के शव टंकी में मिलने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में तीनों के शव निकाले। वहीं, किशनगंज एसडीपीओ गौतम कुमार, बहादुरगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन, नव कार्यपालक पदाधिकारी मो. रहमान, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि वसीकुर रहमान अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रशासन मामले की जांच में जुट गया। मृत बच्चियों की पहचान बाराडंगा निवासी अजमल आलम की बेटी छोटी परवीन (10) और अकबर आलम की दो बेटियां आयत परवीन (7) और सीमा परवीन (4) के रूप में हुई है। पुलिस तीनों बच्चियों के शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, बच्चों के शव मिलने के बाद से परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। बच्चियों की मौत की खबर से पूरे गांव में मातम का माहौल है। बहादुरगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने बताया कि घटना पुलिस और एसडीपीओ भी पहुंचे। शौचालय का ढक्कन टूटकर गिरने से बच्चियों की मौत होने का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

राहुल गांधी बोले- चीन-पाक हमसे बेहतर

बिहार। की राजधानी पटना के गांधी मैदान में चल रही महागठबंधन की जन-विश्वास महारैली के दौरान युवाओं की बड़ी तादाद देखकर कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी ने अग्निवीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सेना में दो तरह के सैनिक हो गए हैं। अग्निवीर ऐसे सैनिक होंगे, जो शहीद होकर भी उसका दर्जा नहीं हासिल कर सकेंगे। न जीते जी सुविधा मिलेगी और न शहीद होने पर सम्मान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इन अग्निवीरों को छह महीने की ट्रेनिंग देकर चीन-पाकिस्तान की मजबूत सेना के सामने भेज रही है। राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में नफरत क्यों फैल रही है? इस देश में नफरत की जगह नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण अन्याय है। युवाओं, किसानों, गरीबों के खिलाफ अन्याय है। मोद जी केवल दो तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं। उनके लाखों करोड़ों रुपये के कर्ज माफ कर दिए गए। किसानों के कर्ज क्यों नहीं माफ किए जा रहे हैं? एक उद्योगपति के हाथ में हिन्दुस्तान के बंदरगाह, रेलवे, रक्षा को पकड़ा दिया है। हिन्दुस्तान में पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और आदिवासियों की आबादी 73 प्रतिशत है। अब देखिए 73 प्रतिशत में हिन्दुस्तान की बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालइए, इसमें से एक भी आदमी इस वर्ग का आपको नहीं मिलेगा।

पीएम मोदी की अगली रैली में भतीजे को बुलाना ही होगा

बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे इंतजार के बाद दो मार्च को बिहार आए। औरंगाबाद और बेगूसराय में बड़ी जनसभा की। इसमें भारतीय जनता पार्टी के दिग्गजों के अलावा जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर के प्रमुख व पूव मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के प्रमुख व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस आदि नजर आए, लेकिन दो घटक दलों के दिग्गज की गैरमौजूदगी से चिंता दिख रही है। भाजपा अब पीएम मोदी के छह मार्च को संभावित बेतिया दौरे के दौरान उन दो घटकों पर फोकस करेगी, खासकर पशुपति पारस के भतीजे और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और जमुई के सांसद चिराग पासवान। खुद को लंबे समय तक पीएम मोदी का हनुमान कहने वाले चिराग पासवान शनिवार को बिहार में नहीं थे। वह दिल्ली में बताए गए। पीएम मोदी बिहार को इतनी बड़ी सौगात देने आए तो केंद्रीय मंत्री के रूप में पशुपति कुमार पारस और बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सबसे मजबूत साथी जदयू के अध्यक्ष व सीएम के रूप में नीतीश कुमार का रहना लाजिमी था। लेकिन, यही तीन वजहें मानी जा रही हैं चिराग पासवान की गैरहाजिरी के। लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के अनुसार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत चिराग पासवान दिल्ली में थे, इसलिए पीएम मोदी की जनसभा में नहीं गए। वैसे, राजनीतिक समझ रखने वाले इसके पीछे दो कारण मंच पर मौजूद 'चाचा' को मान रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के नाते पारस था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सम्राट चौधरी पर कसा तंज

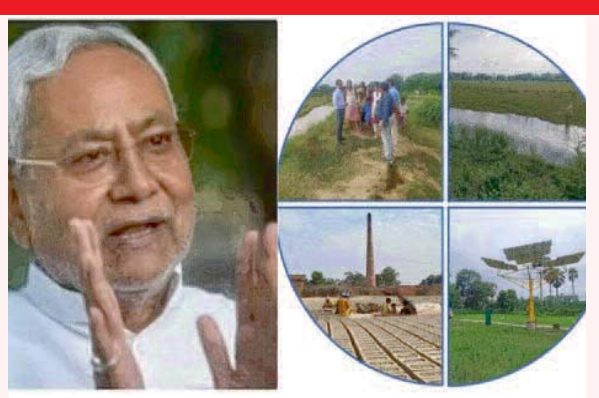

बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में दो जनसभाएं की। औरंगाबाद और बेगूसराय में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने परिवारवाद के मुद्दे पर लालू परिवार और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला था। महागठबंधन की महारैली से पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि परिवारवाद की बात पीएम मोदी राजद के लिए नहीं कह रहे थे, बल्कि उनके बगल में बैठे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए कह रहे थे। इसमें कोई चिंता की बात नहीं है। सबसे ज्यादा परिवारवाद भाजपा में ही है। जनता भी यह बात जनती है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर भी हमला बोला। कहा कि कम से कम इस बाद मुख्यमंत्री अपनी बात पर कायम रहें। वह पाला नहीं बदलें, हम सबकी यही कामना है। दरअसल, औरंगाबाद और बेगूसराय में सीएम नीतीश ने कहा था कि हम बीच में इधर-उधर चले गए थे, अब एनडीए में हमेशा के लिए आ गए हैं। अब हम कहीं नहीं जाएंगे। भाजपा के साथ ही रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि साथियों बिहार ने दशकों तक परिवारवाद का नुकसान देखा है। परिवारवाद का दंश झेला है। परिवारवाद और सामाजिक न्याय यह एक-दूसरे के घोर विरोधी हैं। दूसरी तरफ राजद और कांग्रेस की घोर परिवारवादी कुरीति है। राजद और कांग्रेस के लोग अपने परिवारवाद और भ्रष्टाचार को उचित ठहराने के लिए दलित, वंचित और पिछड़ों को ढाल बनाते हैं। यह सामाजिक न्याय नहीं। बल्कि समाज के साथ विश्वासघात है। वरना क्या कारण है कि सिर्फ एक ही परिवार का सशक्तिकरण हुआ और समाज के बाकी परिवार पीछे रह गए। जमीनों को कब्जा किया गया, यह भी देश ने देखा है।

सीवान में उड़नखटोले से गई बारात

बिहार। के सीवान में हेलीकॉप्टर से बारात ले जाने का मामला सामने आया है। हेलीकॉप्टर से बारात ले जाने की चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल, हर पिता चाहता है कि वह अपने बच्चे को ज्यादा से ज्यादा प्यार दुलार दे। साथ ही अपने बच्चों की शादी धूमधाम से करे, ताकि वह पल यादगार बन सके। एक ऐसा ही मामला सीवान से आया है, जहां पिता को इच्छा थी कि मेरे बेटे की शादी में हेलीकॉप्टर से बारात जाए और उसमें दुल्हन लाए, ठीक वैसा ही हुआ। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला जिले के मैरवा थाना क्षेत्र के रहने वाले बड़े व्यवसायी अरूण कुमार गुप्ता के बेटे प्रकाश गुप्ता की है। प्रकाश की शादी का प्रोग्राम बन रहा था। इसी बीच प्रकाश गुप्ता के पिता जोधपुर के उमेद पैलेस रिसॉर्ट में पहुंचे, जो उन्हें काफी पसंद आया। यह रिसॉर्ट शाही शादी के लिए भी जाना जाता है। लेकिन उसमें काफी महंगा चार्ज लगने की वजह से उन्होंने फैसला किया कि गांव में ही उमेद पैलेस भवन की तरह पंडाल बनवाएंगे। अरूण कुमार गुप्ता ने किया भी ऐसा ही।

लालू-तेजस्वी यादव के खिलाफ भाजपा ने थाने में की शिकायत

बिहार। महागठबंधन की महारैली के बाद राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती है। भाजपा ने दोनों नेताओं के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी की। इस मामले को गंभीरता से लें और उचित कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है। भाजपा के युवा प्रदेश प्रवक्ता कृष्णा सिंह ऊर्फ कल्लू ने पटना के गांधी मैदान थाने में राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने लिखित शिकायत दी है। आवेदन के उन्होंने कहा कि लालू यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी की मां को लेकर टिप्पणी की। इतना ही नहीं लालू प्रसाद ने हिन्दू आस्था के खिलाफ टिप्पणी की। लालू के इस बयान से 135 करोड़ देश की जनता के ऊपर ठेस पहुंची है। वही तेजस्वी यादव द्वारा स्वर्ण समाज के लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई। इसलिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के ऊपर प्राथमिक दर्ज करें और उचित कार्रवाई करें।

सीएम नीतीश कल करेंगे क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का उद्घाटन सौ करोड़ की परियोजनाओं की करेंगे शुरूआत

बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को पटना में बिहार क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे। जहां वे यह देश के किसी भी राज्य द्वारा विकसित की गई पहली ऐसी दीर्घकालिक रणनीति होगी। उक्त अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग से 100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे। उसमें पटना में भारत और एशिया का पहला डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य के सभी 543 ब्लॉक कार्यालयों में स्थापित वायु गुणवत्ता निगरानी सेंसर के लिए एक एकीकृत डैशबोर्ड का भी अनावरण करेंगे। इस अवसर पर पूर्णिया और भागलपुर में बीएसपीसीबी के क्षेत्रीय कार्यालयों का उद्घाटन भी होगा। डब्ल्यूआरआई इंडिया, यूएनईपी और शक्ति सस्टेनेबल ऊर्जा फाउंडेशन के सहयोग से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित सम्मेलन में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के माननीय मंत्री प्रेम कुमार भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के संयुक्त सचिव, सुजीत कुमार बाजपेयी और असम के मुख्य सचिव रविशंकर प्रसाद सहित केंद्र और राज्य सरकारों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे। कॉन्क्लेव में बिहार सरकार के शीर्ष अधिकारियों में निवर्तमान मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, अपर मुख्य सचिव (राजस्व और भूमि सुधार विभाग) ब्रजेश मेहरोत्रा ही वक्ताओं की सूची में शामिल हैं, जिन्हें राज्य सरकार ने नए मुख्य सचिव के रूप में तैनात किया है। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी अपने विचार साझा करने वाले हैं, जिनमें विवेक कुमार सिंह, प्रत्यय अमृत, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन), संदीप पौंड्रिक, अपर मुख्य सचिव (उद्योग), अरविंद कुमार चौधरी, प्रधान सचिव (वित्त), संजीव हंस, प्रधान सचिव (ऊर्जा), संतोष कुमार मल्ल, प्रधान सचिव (शहरी विकास एवं आवास) और अन्य लोगों के अलावा इरढउ्इ के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला भी शामिल हैं। कॉन्क्लेव के महत्व को लेकर, सचिव (ऊ्ङ्मएञ्छउ) बंदना प्रेयषी ने कहा कि बिहार क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का आकलन करना, जोखिमों की पहचान करना और इसके शमन के लिए रणनीति विकसित करना और बिहार को टिकाऊ जलवायु, लचीले विकास और कम कार्बन वाले राज्य की ओर ले जाना है। कॉन्क्लेव को पूरक करते हुए, बिहार क्लाइमेट एक्शन एक्सपो जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से नवीन समाधान, प्रौद्योगिकियों और पहलों का प्रदर्शन भी करेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, आईआईटी-पटना, तरु मित्र, नालंदा विश्वविद्यालय और बिहार कृषि विश्वविद्यालय सहित प्रसिद्ध संगठन हरित प्रथाओं और तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे।

इतिहास गढ़ रहीं महिला खिलाड़ी

अपने देश में महिला प्रीमियर लीग, यानी डब्ल्यूपीएल का आगाज हो चुका है। दुनिया भर में महिला खेलों का विकास बदस्तूर जारी है। इसे पिछले साल एक नई ऊर्जा मिली थी। दरअसल, साल 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लंबे अंतराल के बाद दो टेस्ट खेले। इंग्लैंड में द हंड्रेड वीमेंस कॉम्पिटिशन (क्रिकेट प्रतियोगिता) के दूसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। टूर डी फ्रांस फेमिनिन (साइकिल प्रतियोगिता) एक रोमांचक श्रृंखला साबित हुई। फॉर्मूला वन ने महिला ड्राइवरों के लिए फीडर प्रोग्राम की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने संयुक्त रूप से फीफा महिला विश्व कप का आयोजन किया। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम की गोलकीपर मैरी इयरप्स ने क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड और गोल्फर रोरी मैक्लरॉय जैसे खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर का खिताब जीता, वहीं द गार्जियन के फुटबॉलर ऑफ द ईयर के लिए स्पेनिश खिलाड़ी जेनी हमोसी को नामित किया गया। जाहिर है, खेलों में महिलाओं की दुनिया लगातार निखर रही है, पर सुधार की गति उम्मीद से धीमी है। अब डब्ल्यूपीएल में ही 10 टीमें हैं, पर पांच टीमों के साथ इसे शुरू किया गया। बेशक, बीसीसीआई ने फिल्मी सितारों के प्रदर्शन से इसके उद्घाटन समारोह को आकर्षक बना दिया, पर कोलकाता नाइट राइडर्स (जिसके मालिक शाहरुख खान हैं) जैसी बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास अब भी डब्ल्यूपीएल टीम नहीं है। इसी तरह, महिला और पुरुष, दोनों क्रिकेट खिलाड़ियों को समान वेतन जरूर मिलता है, लेकिन महिलाएं शायद ही टेस्ट क्रिकेट खेलती हैं। फ्री हिट : द स्टोरी ऑफ वीमेंस क्रिकेट इन इंडिया की लेखिका सुप्रिता दास कहती हैं, इन सबके अलावा परदे के पीछे कई अन्य मसले भी हैं और टीम व बैकरूम स्टाफ के चयन-प्रक्रिया भी उलझी हुई है। आईपीएल और आईएसएल के साथ काम करने वाले मार्केटिंग प्रोफेशनल मानते हैं कि प्रायोजकों को महिलाओं के खेल में निवेश करने के लिए मनाना आज भी काफी मुश्किल होता है। उनमें यह पूर्वाग्रह भी है कि महिलाओं के खेल की गुणवत्ता कमजोर होती है, जो सच नहीं है। हालांकि, सवाल सिर्फ प्रायोजकों का नहीं है, पेशेवर रूप से खेलने में सक्षम बनने के लिए महिला खिलाड़ियों को खुद कई चुनौतियों से टकराना पड़ता है। विकसित देशों से लेकर विकासशील दुनिया तक, जिम्नास्टिक से लेकर कुश्ती तक, बीच वॉलीबॉल से लेकर फुटबॉल तक, तमाम जगहों पर महिला खिलाड़ियों को जूझना पड़ता है। सरकारी निकायों व खेल संस्थाओं द्वारा उन्हें हतोत्साहित किया जाता है। और, यह सब तब हो रहा है, जब महिलाओं के खेल अविश्वसनीय रूप से मुख्यधारा में आने लगे हैं। भारत की सात ओलंपिक पदक विजेता महिलाओं में एक साक्षी मलिक ने अपने व अन्य पहलवानों के साथ भारतीय कुश्ती महासंघ के मुखिया बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए कई दिनों तक विरोध-प्रदर्शन किया। उधर, अमेरिका में लगातार कई ओलंपिक पदक जीतने वाली सिमोन बाइल्स सहित कई युवा जिमनास्टों के साथ टीम के डॉक्टर ने वर्षों तक दुर्व्यवहार किया।

रहस्य का खुलासा

जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित व समन्वित परियोजना, जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट ने यह एलान किया कि उसने 10,000 भारतीय जीनोम का अनुक्रमण (सीक्वेंसिंग) पूरा कर लिया है। इसका मतलब यह है कि एक संदर्भ भारतीय मानव जीनोम तैयार करने के उद्देश्य से 10,000 व्यक्तियों से हासिल संपूर्ण जीनोम का विश्लेषण किया गया। जीनोम, वह डीएनए ब्लूप्रिंट है जो मानव शरीर का निर्माण और रखरखाव करता है। भारत ने 2006 में पहली बार मानव जीनोम का अनुक्रमण किया था। एक तरह से, ताजा कवायद सभी राजनीतिक इकाइयों तथा प्रमुख भौगोलिक एवं स्थलाकृतिक विशेषताओं के साथ भारत के पहले विस्तृत मानचित्र के निर्माण के समान तथा कहीं और तैयार किए गए उस वैश्विक मानचित्र के उलट है, जिसमें भारत कई देशों में से एक और जो बारीक विवरण से रहित है। क्या 10,000 व्यक्ति एक अरब से अधिक आबादी वाले देश के प्रतिनिधि हैं? यकीनन नहीं। लेकिन फिलहाल के लिए, यही सबसे बेहतर है और यह एक महत्वपूर्ण नमूना (टेम्पलेट) सामने रखता है, जिसके आधार पर कई और तरह की जानकरियां हासिल की जा सकती हैं। इसका सबसे तात्कालिक इस्तेमाल बीमारियों से लड़ने में हो सकता है। वर्ष 2009 में, एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग के हिस्से के रूप में, भारत के आनुवंशिकीविदों ने यह पता लगाया था कि एक प्रोटीन, एमवाईबीपीसी3 (कार्डियक मायोसिन बाइंडिंग प्रोटीन सी) में एक असामान्यता का संबंध हृदयगति के रूकने के उच्च जोखिम से है। यह आनुवंशिक वेरिएंट भारतीय वंश के लगभग चार फीसदी लोगों में मौजूद है - यह उम्मीद से अधिक तादाद है, खासकर इस हकीकत के मद्देनजर कि यह समस्याग्रस्त वेरिएंट दुर्लभ है। भारत में लगभग 4,500 आबादी समूह हैं और इस उपमहाद्वीप में सगोत्र विवाह के जरिए जाति के आधार पर व्यवस्थित होने के इतिहास से यह पता चलता है कि दुर्लभ आनुवंशिक बदलाव, जिनमें से कई हानिकारक हैं और जिन्हें आमतौर पर विकास के क्रम में खत्म हो जाना चाहिए था, अभी भी बने हुए हैं। जब ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट ने 2003 में लगभग तीन बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से अपना संदर्भ मानव जीनोम प्रकाशित किया, तो यह मानवता के एक साहसी-नई-दुनिया के उस वादे से लैस था, जिसने एक बीमारी और वैयक्तिकृत चिकित्सा के भविष्य के लिए प्रत्येक विकृत जीन की मैपिंग करते हुए आखिरकार जीनोम के रहस्यों का खुलासा किया।

आयुर्वेद को आलोचना नहीं, शोध की जरूरत

ANALYSIS

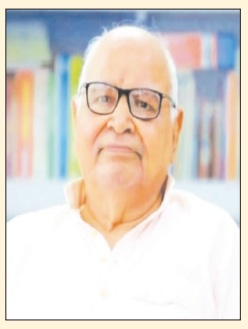

हृदयनारायण दीक्षित

**भारत में अनेक चिकित्सा पद्धतियां हैं। आयुर्वेद आचार आधारित प्राचीन आयुर्विज्ञान है और एलोपैथी उपचार आधारित चिकित्सा विज्ञान। होम्योपैथी यूनानी सिद्धा आदि पद्धतियां भी हैं। स्वस्थ जीवन के लिए सब उपयोगी हैं। लेकिन यहां योगगुरु रामदेव पर आयुर्वेद से भिन्न चिकित्सा प्रणाली की आलोचना के आरोप हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गलत बताया है। कोर्ट ने पहले भी इसे गलत बताया था। शरीर रहस्यपूर्ण संरचना है। इसकी आतंरिक गतिविधि का बड़ा भाग जान लिया गया है। चिकित्सा विज्ञानियों को इसका श्रेय है। आयुर्वेद का जन्म लगभग 4000 वर्ष ई.पूर्व ऋग्वेद के रचनाकाल में हुआ और विकास अथर्ववेद (3000 ई.-2000 ई.पूर्व) में। मैकडनल और कीथ ने 'वैदिक इंडेक्स' में लिखा है, "भारतीयों की रुचि शरीर रचना सम्बधी प्रश्नों की ओर बहुत पहले से थी। अथर्ववेद में अनेक अंगों के विवरण हैं और यह गणना सुव्यवस्थित है।" अथर्वेद आयुर्वेद का वेद है। इन लेखकों ने आयुर्वेद के दो आचार्यों चरक व सुश्रुत का उल्लेख किया है। अथर्ववेद में सैकड़ों रोगों व औषधियों का उल्लेख है। यूरोप में एलोपैथी का विकास 17वीं सदी के आसपास हुआ। एचएस मेन ने लिखा है, "भारतीयों ने चिकित्सा शास्त्र का विकास स्वतंत्र रूप से किया। पाणिनि के व्याकरण में विशेष रोगों के नाम है। मालूम होता है कि चिकित्सा शास्त्र का विकास उनके पहले 300 ई. पूर्व हो चुका था। अरब चिकित्सा प्रणाली की आधार शिला संस्कृत ग्रंथों के अनुवादों पर रखी गई। यूरोपीय चिकित्सा शास्त्र का आधार 17वीं सदी तक अरब चिकित्सा शास्त्र ही था।" एलोपैथी सुव्यवस्थित आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। कहा जाता है कि इस चिकित्सा का नाम (1810 ई.) जर्मन चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनीमैन ने एलोपैथी रखा था। इसका अर्थ भिन्न मार्ग है। इसे पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान/आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी कहते हैं। इसका चिकित्सातंत्र बड़ा है और शोध का दायरा भी। इसने करोड़ों लोगों को पुनर्जीवन दिया है। सर्जरी, रेडिएशन, सीटी स्कैन, एमआरआई सहित तमाम घटक विस्मयकारी हैं। कारोना महामारी के दौरान जीवन की परवाह त्यागते हुए उपचार करने वाले वैज्ञानिक, चिकित्सक व पैरा मेडिकल स्टाफ प्रशंसनीय रहे हैं। आयुर्वेद आयु का विज्ञान है। यह चिकित्सा विज्ञान होने के साथ स्वस्थ रहने की जीवनशैली भी है। चरक संहिता आयुर्वेद का प्रतिष्ठित ग्रंथ है। संहिता की शुरूआत जीवन सूत्रों से होती है। बताते हैं, "यहां बताए गए स्वस्थव्रत का पालन करने वाले 100 वर्ष की स्वस्थ आयु पाते हैं। आरोग्य सुख है और रोग दुख। दुख का कारण रोग है।"" फिर रोगों का कारण बताते हैं, "इन्द्रिय विषयों का अतियोग, अयोग और मिथ्यायोग ही रोगों के कारण हैं।" रोगों से बचने के लिए जीवनशैली पर जोर है। यह प्राकृतिक होनी चाहिए। कोरोना महामारी के समय रोग निरोधक शक्ति की चर्चा थी। चिकित्सा विज्ञान में इसकी प्रभावी दवा नहीं है। आयुर्वेद में गिलोय सहित अनेक औषधियां रोग निरोधक शक्ति बढ़ाने वाली कही जाती थीं। महामारी की अवधि में ऐसी औषाधियों की मांग बढ़ी। अश्वगंधा, जटामांसी, गुग्गुल जैसी औषधियों का प्रयोग बढ़ा। चाय की जगह काढ़ा शिष्टाचार बना। चरक संहिता में सैकड़ों रोगों के उपचार हैं। अवसाद की भी औषधि है। अथर्ववेद के ऋषि ज्वर उत्ताप पर भी सजग थे। कहते हैं, "कुछ ज्वर एक दिन छोड़कर, कुछ दो दिन बाद आते हैं। ज्वर अपने साथ परिवार भी लाता है। यह अपने भाई कफ के साथ आता है। खांसी इसकी बहन है। राजयक्ष्मा भतीजा है। इनकी औषधियां हैं।" कोरोना के समय रोगी को समाज से अलग रखा जाता था। अथर्ववेद (2.9) में कहते हैं, "रोग के कारण समाज से अलग रहे ये व्यक्ति पुनः जनसपर्क में जाए।" आयुर्वेद में शरीर की रोग निरोधक क्षमता बढ़ाने की औषधियां हैं। माना जाता है कि इस क्षमता को बढ़ाकर रोगों को रोका जा सकता है। एलोपैथी में शरीर का तापमान बढ़ने पर पैरासीटामाल दी जाती है। एन्टीबायटिक भी देते हैं। इन औषधियों का बुरा प्रभाव होता है। एसीटाइल सैलिसिलिक एसिड रक्त को तरल बनाने की दवा बताई जाती है। चिकित्सक इसे हार्ट अटैक से बचने की दवा भी बताते हैं। इसके प्रयोग के भी खतरे हैं। आयुर्वेद में रक्त तरलता की औषधियां हैं। आधुनिक चिकित्सा में साइड इफेक्ट बड़ी समस्या है। पर ऐसी छोटी बातों से कोई पद्धति हेय या श्रेय नहीं हो जाती। रोग मुक्ति के लिए औषधियों की उपयोगिता है। स्टरायड खतरनाक दवा है। संभवतः इसका प्रभावी विकल्प नहीं है। ऐसे मामलों में शोध की आवश्यकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में निरंतर शोध चलते हैं। अभी भी चल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन संसूचित रहता है। पहले वैज्ञानिक शोध और फिर किन्हीं जीवों पर प्रभाव का आकलन। फिर मनुष्यों पर दवा के प्रभाव का आकलन। यह अच्छी बात है। लगातार शोध से चिकित्सा विज्ञान समृद्ध होता है। लेकिन आयुर्वेद में शोध की आत्मनिर्भर व्यवस्था नहीं है। यूं भारत में आयुर्वेद का सम्मान बढ़ा है। ज्ञान विज्ञान क्षेत्रीय नहीं होते। वे शोध सिद्धि के बाद सार्वजनिक संपदा बन जाते हैं। आयुर्वेद आयु का वेद है। इसमें भोजन, पाचन, श्वसन, चिंतन, तनाव, स्मृति और निद्रा भी स्वस्थ रहने के विषय हैं। आयुर्वेद का प्रभाव भी अंतरराष्ट्रीय हो चुका है लेकिन इसमें भी शोध की आवश्यकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद सहित अन्य चिकित्सा प्रणालियों में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। सबका उद्देश्य मानवता का स्वास्थ्य है। सभी पद्धतियों को परस्पर ज्ञान का आदान-प्रदान करना चाहिए। योग गुरु सहित किसी भी महानुभाव को इस या उस चिकित्सा प्रणाली की आलोचना का कोई अधिकार नहीं है। ज्ञान अपना-पराया नहीं होता। सभी पद्धतियों का लक्ष्य एक है। सबकी अपनी विशेषता है। सभी विज्ञान हैं। लेकिन सीमा भी है। डाइबिटीज से विश्व का बड़ा भाग पीड़ित है। इस रोग को समाप्त करने की दवा नहीं है। पारकिंसन (कम्पन रोग) की भी दवा नहीं है।

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

बिहारी क्रिकेटर कब खेलेंगे टीम इंडिया से?

मौजूदा भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बिहार के दो नव युवा खिलाड़ी आकाशदीप और मुकेश कुमार ने शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। पर यह बिहार का दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि दोनों खिलाड़ी बिहार की टीम से नहीं खेलते। यह दोनों खेलते हैं बंगाल की टीम से रणजी ट्रॉफी में। इसकी वजह यह है कि बिहार में क्रिकेट मैनेजमेंट तार-तार हो चुका है। आकाशदीप का संबंध बिहार के रोहतास जिले से है। आकाशदीप ने रांची टेस्ट मैच में अपनी सधी हुई गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड टीम के तीन खिलाड़ियों को आउट करके सनसनी मचा दी थी। उनके दादा निशान सिंह स्वाधीनता सेनानी थे। अब आकाशदीप 7 मार्च से शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए हिमाचल प्रदेश जाएंगे और भारतीय क्रिकेट टेस्ट टीम का हिस्सा बनेंगे। उनकी तरह ही मुकेश कुमार भी हैं। बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित काकड़कुंड गांव के रहने वाले मुकेश कुमार का चयन टीम इंडिया में वेस्टइंडीज टूर के लिए किया गया था। मुकेश कुमार भी तेज गेंदबाज हैं। मुकेश आईपीएल में भी धमाकेदार प्रदर्शन कर चुके हैं। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा थे। मुकेश कुमार दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं। इसके साथ ही, वह बायें हाथ के बल्लेबाज भी हैं। इस तरह दोनों ही खिलाड़ी भोजपुरिया हैं कमुकेश के पिता कोलकाता में टैक्सी चलाते थे। साल 2019 में उनकी मृत्यु हो गई थी। तब मुकेश ने बंगाल में ही खेलते-खेलते कई लोगों से संपर्क बनाया और अपने मेहनत के बल पर नई पहचान बनाई। अफसोस कि बिहार में क्रिकेट का मैनेजमेंट बहुत बुरी स्थिति में है। इसलिए बिहार के प्रतिभाशली खिलाड़ी अन्य टीमों का रुख करते हैं। पिछले महीने पटना में बिहार और मुंबई की टीमों के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच हुआ तो बिहार की दो टीमें मैदान में आ गईं। पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में खेले गए रणजी ट्रॉफी के एलिट ग्रुप बी मुकाबले में मुंबई की टीम ने बिहार को एक पारी और 51 रन से हराया। पर यह खबर नहीं थी। खबर यह थी कि मुंबई की टीम जिस स्टेडियम में मैच खेल रही थी उसकी हालत बेहद खराब थी। वहां पर दर्शकों के लिए बैठने तक की जगह नहीं थी। मैच को देखने के लिए रोज हजारों दर्शकों को भारी कठिनाई में मैच देखना पड़ा। जब देश में एक से बढ़कर एक बहुत सारे स्टेडियम बन चुके हैं, तब सारे बिहार में एक भी कायदे का स्टेडियम नहीं है। यह कोई बहुत अच्छी बात नहीं मानी जा सकती। इस बीच, ईशान किशन तो बीते कई सालों से भारतीय टीम में हैं। लेकिन वे भी झारखंड के लिए खेलते हैं। उन्हें 2016 में अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत की टीम का कप्तान बनाया गया था। ईशान 2018 से इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा हैं। ईशान का जन्म बिहार के नवादा जिला में हुआ था। उनके जन्म के बाद उनका परिवार पटना शिफ्ट हो गया था। उन्हें भी झारखंड शिफ्ट होना पड़ा क्यों बिहार में क्रिकेट का कोई इंफ्रास्टक्चर नहीं है। क्रिकेट प्रेमियों को याद होगा कि संयुक्त बिहार के दौर में दिल्ली की टीम के कई बड़े खिलाड़ी बिहार से खेलने के लिए दिल्ली को छोड़ देते थे। इस लिहाज से रमेश सक्सेना का नाम सबसे पहले जेहन में आता है। उन्होंने एक टेस्ट मैच भी खेला। रमेश सक्सेना ने 1960-61 में अपना पहला प्रथम श्रेणी का मैच खेला था। उन्होंने 1966-67 में दिल्ली को अलविदा कह कर बिहार का रुख कर लिया था। रमेश सक्सेना के अलावा हरि गिडवाणी भी दिल्ली के बाद बिहार चले गए थे। उन्होंने लंबे समय तक बिहार की नुमाइंदगी की। यह दोनों क्लासिक बल्लेबाज थे। हरि गिडवाणी की पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में मिठाई की एक बहुत मशहूर दुकान भी है। बिहार को क्रिकेट ही नहीं बल्कि सभी खेलों में अपने जौहर दिखाने होंगे। बिहार सरकार को भी राज्य में खेलों के विकास के लिए इनवेस्ट करना होगा। सारे बिहार के समाज को सोचना होगा कि वे खेलों के संसार में किसी मुकाम पर क्यों नहीं पहुंच सके? आपको सारे बिहार में हॉकी के एक-दो एस्ट्रो टर्फ से ज्यादा हॉकी मैदान नहीं मिलेंगे। राष्ट्रीय नायक दादा ध्यान चंद के देश में इस तरह के राज्य भी हैं जहां पर एस्ट्रो टर्फ के मैदान न के बराबर ही हैं। सारे बिहार में दो-तीन भी स्वीमिंग पूल मिल जाएं तो बड़ी बात होगी। हां, सेना और अर्ध सैनिक बलों के कुछ स्वीमिंग पूल जरूर हैं। पर वे तो सबके लिए नहीं होते। अब बताएं कि बिहार से कैसे खिलाड़ी निकलेंगे। उन्हें न्यूनतम सुविधाएं तो मिलनी ही चाहिए। बिहार में खेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने को लेकर कोई बात भी नहीं होती। बिहार को अपने पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से ही कुछ प्रेरणा ले लेनी चाहिए। अब योगी सरकार के कालखंड में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी क्रिकेट और अन्य खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने लगे हैं। वहां खेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर उचित ध्यान दिया जा रहा है। सफल खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों के साथ-साथ अच्छे तरीके से पुरस्कृत भी किया जा रहा है। पिछले एशियाई में भाग लेने वाली भारत की टोली में उत्तर प्रदेश से 36 खिलाड़ी थे। एशियाई खेलों में उत्तर प्रदेश के एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों के बाद सभी राज्य के खेलों से जुड़ी एसोसिएशन और कोच कसकर मेहनत करने लगे हैं। राज्य सरकार खेलों को गति देने को लेकर कितनी गंभीर है इसका अंदाजा इस तथ्य से लग सकता है कि अब गांवों के स्कूलों में भी कोचिंग की व्यवस्था शुरू हो गई है। जिन खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में पदक जीते थे, उनकी झोलियां भर गईं हैं इनामों से। बिहार ज्ञान का प्रदेश है।

Social Media Corner

सच के हक में...

तेलंगाना के विकास पथ के लिए आज का दिन बहुत खास है। रुपये के कार्य 56,000 करोड़ की परियोजनाओं का या तो उद्घाटन किया गया या फिर उनका शिलान्यास किया गया। मैं तेलंगाना के लोगों को बधाई देता हूं!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

गिरिडीह के योगीटांड़ में 50,000 लीटर प्रति दिन की क्षमता वाले मेधा डेयरी प्लांट का शिलान्यास किया। इस डेयरी प्लांट से क्षेत्र के किसानों एवं पशुपालकों को आय का एक अतिरिक्त साधन मिलेगा, जिस से क्षेत्र में खुशहाली आयेगी।

(सीएम चंपाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

भ्रष्टाचार, कुशासन, अत्याचार और वंशवाद के अंत का संकल्प लेकर सेवा,सुशासन और विकास को अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले भारत के कुशल नेतृत्वकर्ता तथा यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी का अपार स्नेह एवं मित्र रूपी संबोधन पाकर मानवसेवा की मेरी दृढ़ इच्छा को और अधिक बल मिला है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

विलुप्त होने से पहले इन्हें बचा लो!

जब हम वन्यजीव या वाइल्डलाइफ जैसे शब्द सुनते हैं तो अमूमन हमारे दिमाग में सबसे पहले जंगल और वहां रहने वाले शेर, चीता, भालू जैसे बड़े जानवरों का ख्याल आता है। दरअसल वन्यजीव उन सभी जीवों को कहा जाता है जिन्हें मनुष्य ने पालतू न बनाया गया हो। वन्यजीवों में न केवल जानवर बल्कि वह सभी पेड़-पौधे, कीड़े-मकोड़े, कवक और सूक्ष्म जीव भी आते हैं जो अपने प्राकृतिक वातावरण में बिना मनुष्य के दखल के रहते हैं। वन्यजीव पृथ्वी के हर महाद्वीप और लगभग सभी देशों में पाए जाते हैं। ये हमारी प्राकृतिक धरोहर का एक बहुत अहम हिस्सा हैं, क्योंकिपृथ्वी में पाए जाने वाले हर पारितंत्र यानी इको सिस्टम जैसे वन, रेगिस्तान, घास भूमि, मैदान, पर्वत, समुद्री क्षेत्र में इनकी अच्छी खासी संख्या देखी जा सकती है। पर्यावरण को संतुलित करने में वन्यजीव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन्य जीवन प्रकृति की विभिन्न प्रक्रिया को स्थिरता प्रदान करता है। प्रत्येक जीवित वस्तु आपस में जुड़ी हुई है। यदि केवल एक जीव भी खतरे में पड़ जाता है या विलुप्त हो जाता है, तो इसका पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ता है। यह खाद्य श्रृंखला यानी फूड चेन को भी बाधित करता है, जिससे पर्यावरण में सदमे की लहर फैल जाती है। इसीलिए इनका संरक्षण बेहद अहम हो जाता है। इस दिशा में विश्व के बहुत सारे सरकारी, गैर-सरकारी संगठन निरंतर प्रयासरत हैं। यह संगठन अपने तमाम कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को इनके संरक्षण के प्रति जागरूक भी करते हैं। ऐसे ही बड़े प्रयास के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर, 2013 को 68वें सेशन में हर साल तीन मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाने की घोषणा की थी। तीन मार्च की तिथि को इसलिए निर्धारित किया गया, क्योंकि तीन मार्च, 1973 में इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्सेर्वटिव ऑफ नेचर के 80 सदस्यों ने सीआईटीईएस (साइट्स) समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। साइट्स जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन सरकारों के बीच अहम अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा न हो। इस साल इसका विषय है लोगों और ग्रह को जोड़नाः वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज। विश्व वन्यजीव दिवस का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना और उन्हें जानवरों और पेड़ पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। भारत में भी इस दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। 1972 में वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट नामक सख्त कानून पारित किया गया। नेशनल पार्क, वन्यजीव अभयारण्य, टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व जैसे बहुत से संरक्षित क्षेत्र भी घोषित किए गए। समय-समय पर इनकी गणना भी की जाती है। इनकी संख्या बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफैंट, प्रोजेक्ट राइनो, प्रोजेक्ट स्नो लैपर्ड, प्रोजेक्ट वल्चर आदि शुरू किए गए। वन्यजीव और प्रकृति बड़े पैमाने पर भावनात्मक और सामाजिक कारणों से मनुष्य से जुड़े हुए हैं। वन्य जीवन के महत्व को पारिस्थितिक, आर्थिक और खोजपूर्ण महत्व के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण आदि के रूप में वगीकृत किया जा सकता है। एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए विविधता आवश्यक होती है। उदाहरण के लिए पौधों पर विचार करें। पौधों की विस्तृत विविधता का अर्थ है अधिक उत्पादकता और बेहतर स्वास्थ्य। यदि पौधों की प्रजातियां कम होंगी तो उन्हें प्रभावित करने वाली बीमारी तेजी से और अधिक प्रभावी ढंग से फैलती है। अधिक विविधता का अर्थ है बेहतर प्रतिरोध। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा वन्यजीव और प्रकृति में माध्यम से आता है।

साख का संकट

धन शोधन के खिलाफ कानून की संरचना ऐसी है कि संघीय सिद्धांतों के संभावित उल्लंघन के बारे में पेचीदा सवाल सामने आने ही हैं। ऐसा ही एक सवाल तमिलनाडु में उठा है, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि क्या राज्य में अवैध बालू खनन भ्रष्टाचार के चलते है और क्या इससे हासिल धन का शोधन किया जा रहा है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) ईडी को विभिन्न राज्यों में पुलिस द्वारा पंजीकृत अपराधों के धन शोधन के पहलू की जांच करने की इजाजत देता है। या तो अनुमति से अधिक या बिना किसी अनुमति के निकासी के जरिए, बेलगाम अवैध बालू खनन तमिलनाडु में काफी आम है। ईडी द्वारा जारी समन के पालन के लिए जिला कलेक्टर बाध्य हैं, ऐसा फैसला देकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय कानूनों के तहत जांच में सहयोग के लिए तमिलनाडु के कर्तव्य को रेखांकित किया है। हालांकि, इसका मतलब यह जरूरी होना नहीं है कि, अनियंत्रित खनन के नतीजतन सरकारी खजाने को संभावित नुकसान के आकलन का ईडी का प्रयास उसके अधिकार-क्षेत्र में है। शीर्ष अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसने पहले कलेक्टरों को जारी समन स्थगित कर दिये थे। राज्य सरकार और संबंधित जिला कलेक्टरों ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा राज्य की शक्तियों को हथियाने और समनों की वैधता के खिलाफ रिट याचिकाएं दायर की थीं। शीर्ष अदालत ने अब इन याचिकाओं को पूरी तरह गलत समझ वाला बताया है और कहा है कि हाईकोर्ट का आदेश कानून की बिल्कुल गलत समझ के चलते था। उसने जांच के लिए जरूरी कोई रिकॉर्ड पेश करने या सबूत देने के लिए किसी भी व्यक्ति को तलब करने की ईडी की शक्ति से जुड़ी पीएमएलए की धारा 50 का हवाला दिया है। उसने इस बात का जिक्र किया कि जांच तमिलनाडु में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्टों पर आधारित है और उन मामलों में कुछ धाराएं पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

केंद्र सरकार ने यूएई, बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज निर्यात की दी अनुमति

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज कर निर्यात करने अनुमति प्रदान कर दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में एक अधिसूचना जारी की है। बांग्लादेश को जहां 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी, वहीं यूएई को 14,400 टन प्याज का निर्यात किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही 3,600 टन की सीमा के साथ 14,400 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की इकाई है जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंड को देखती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में कहा गया है कि इसका तौर-तरीका एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श में तय करेगा। हालांकि, प्याज के निर्यात पर अभी प्रतिबंध है लेकिन सरकार कुछ मित्र देशों को एक निश्चित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति देती है। इस निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों से मिले अनुरोधों के आधार पर दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा

दिया था। इससे पहले केंद्र ने अक्टूबर, 2023 में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजार में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर स्टॉक के प्याज की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था। कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार पहले भी कई कदम उठा चुकी है।

भारत का पुरानी कारों का बाजार 10 साल में 100 अरब डॉलर का होगा: कार्स24

मुंबई ।

भारत का पुरानी कारों का बाजार अगले 10 साल में 100 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंच जाएगा। कार्स24 के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह राय जताई है। अधिकारी ने कहा कि हमारे आंतरिक अध्ययन के अनुसार भारत का पुरानी कारों का बाजार सालाना 15 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा।

यह 2023 के 25 अरब डॉलर से बढ़कर 2034 तक 100 अरब डॉलर का हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी कारों के बाजार को कई कारकों से मजबूती मिलेगी। इनमें शहरीकरण और बढ़ता मध्यम वर्ग जैसे कारक शामिल हैं। इससे ग्राहकों की प्राथमिकता में बदलाव आ रहा है और सस्ते परिवहन समाधान की मांग बढ़ रही है। जब कार्स24 ने आठ साल पहले अपनी यात्रा शुरू की थी, तब पुरानी कारों के बाजार का आकार लगभग 10-15 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है, पिछले तीन-चार साल में विभिन्न प्रकार की कारों के आने से इस बाजार में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की तुलना में भारत में कारों के स्वामित्व का स्तर काफी कम है। अमेरिका, चीन और यूरोप में 80 से 90 प्रतिशत आबादी के पास कार है। वहीं भारत में सिर्फ आठ प्रतिशत आबादी के पास ही अपना चार-पहिया वाहन है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। पुरानी कारों का बाजार बढ़ने की एक और वजह यह है कि युवा आबादी आज पांच-छह साल में अपनी कार बदल देती है। दो दशक पहले लोग 10-12 साल तक अपनी कार नहीं बदलते थे।

ई-दोपहिया में भारी छूट के बाद भी बिक्री ने नहीं पकड़ी रफ्तार

– फरवरी में 79,139 वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो जनवरी में 79,214 से कुछ कम है

नई दिल्ली ।

पिछले दो महीने में इले क्ट्रिक वाहनों में सभी मॉडलों पर भारी छूट के बावजूद पिछले माह दर माह बिक्री स्थिर बनी हुई है। वाहन के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक वाहन पंजीकरण संख्या 79,139 तक पहुंच गई, जो जनवरी में 79,214 से कुछ कम है। फरवरी में केवल सात कंपनियों की पंजीकरण संख्या ही 1,000 से अधिक तक पहुंच पाई। प्रमुख चार इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला, टीवीएस, बजाज और एथर की बाजार में 86.45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। बाजार में टिके रहने के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनियों के बीच संघर्ष अब भी जारी है। टोर्क, रिवोल्ट और अल्ट्रावॉयलेट सामूहिक रूप से महीने में केवल 649 वाहनों का ही पंजीकरण करा पाने में सफल रहीं और उनमें से अधिकांश पंजीकरण रिवोल्ट के रहे। ओला ने आईपीओ के जरिये 5,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास आवेदन किया है। वह अपने सभी मॉडलों पर खासी छूट की पेशकश और 79,999 रुपये से शुरू होने वाला सस्ता मॉडल पेश करके बिक्री बढ़ाने पर जोर दे रही है। उसने कीमतों में भी 25,000 रुपये तक की कमी की है। इन फैसलों से ओला को शीर्ष स्थान पर बने रहने और प्रतिस्पर्धा में काफी आगे रहने में मदद मिली है।फरवरी में उसका वाहन पंजीकरण 33,316 तक पहुंच गया जो उसका अब तक का सर्वाधिक स्तर है। लेकिन जनवरी की तुलना में केवल तीन प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इसके बावजूद वह इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार के 42 प्रतिशत हिस्से पर बरकरार है। पहले से मौजूद कंपनियों बजाज और टीवीएस की संयुक्त हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। एथर ने भी अपनी कीमतें कम की है लेकिन इससे उसकी बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई है। जनवरी की तुलना में फरवरी में बिक्री कम हो गई।

पिछले साल छत पर स्थापित सौर क्षमता 6.25 फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई ।

बीते साल 2023 में छतों पर स्थापित सौर बिजली (रूफटॉप सोलर) क्षमता 6.25 प्रतिशत बढ़कर 1.7 गीगावाट हो गई है। एक अमेरिकी शोध कंपनी की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थापना लागत में कमी जैसे कारकों की वजह से छतों पर स्थापित सौर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में छतों पर स्थापित सौर क्षमता में वृद्धि 1.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में छतों पर 406 मेगावाट सौर बिजली क्षमता जोड़ी गई। 2022 की अंतिम तिमाही में जोड़ी गई 483 मेगावाट क्षमता से यह आंकड़ा 15.9 प्रतिशत कम है। दिसंबर, 2023 के अंत में छतों पर स्थापित सौर क्षमता कुल मिलाकर 10.5 गीगावाट तक पहुंच गई। वर्ष 2023 में रूफटॉप सोलर में प्रमुख योगदान आवासीय क्षमता का रहा। हालांकि वृद्धि मामूली थी क्योंकि कई कमर्शियल और इंडस्ट्रियल उपभोक्ता अपने पूंजी

निवेश को कम करने के लिए मॉड्यूल की कीमतों के स्थिर होने का इंतजार कर रहे थे। बीते साल छतों पर स्थापित कुल सौर क्षमता में आवासीय खंड का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक रहा। इसके बाद कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर का हिस्सा आता है।

सिंधिया ने स्टेनलेस स्टील क्षेत्र में देश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ली।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को हरियाणा के हिसार स्थित जिंदल स्टेनलेस में इस क्षेत्र में देश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का वर्चुअल उद्घाटन किया।इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह परियोजना स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए दुनिया का पहला ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र और रूफटॉप तथा फ्लोटिंग सोलर यूनिट्स वाला दुनिया का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र है। इस अत्याधुनिक संयंत्र का लक्ष्य हर साल कार्बन उत्सर्जन में 2,700 टन की कमी लाकर दो दशकों में 54 हजार टन कार्बन फुटप्रिंट कम करना है। मंत्री ने हरित एवं टिकाऊ भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, एक सरकार के रूप में हम 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कंपनियों, नागरिकों और राज्य सरकारों को हरित विकास तथा हरित रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परियोजना न केवल सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है बल्कि जिम्मेदार औद्योगिक प्रथाओं की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए मूल्यवान रोजगार के अवसर भी पैदा करती है। मंत्री ने अन्य उद्योग हितधारकों से उत्साहपूर्वक स्वच्छ प्रौद्योगिकियाँ अपनाने, हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में देश की परिवर्तनकारी यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने और एक कर्तव्यनिष्ठ औद्योगिक परिदृश्य को बढ़ावा देने का आग्रह किया। सिंधिया ने मजबूत राष्ट्रीय हरित नीतियों को शुरू करने के लिए सरकार के कदमों का उल्लेख किया, जिसमें हरित इस्पात उत्पादन के प्रत्येक पहलू के लिए कार्य बिंदुओं की पहचान करने के लिए 13 टास्क फोर्स की स्थापना और घरेलू स्तर पर उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता बढ़ाने के लिए स्टील स्क्रैप रीसाइक्लिंग नीति का कार्यान्वयन शामिल है। मंत्री ने इस्पात क्षेत्र में देश की प्रगति, एक शुद्ध आयातक से एक शुद्ध निर्यातक बनने और कच्चे इस्पात का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बनने के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला।

आरबीआई रद्द कर सकती है पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस

नई दिल्ली । पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर्स में पिछले एक महीने से लगातार उतार-चढ़ाव चल रहा है। सोमवार को कारोबार खुलने के बाद एक बार` फिर पेटीएम के शेयरों में गिरावट देखी गई। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि आरबीआई पेटीएम की बैंकिंग विंग पीपीबीएल का लाइसेंस रद्द कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के बैंकिंग लाइसेंस को रद्द करने जैसा अप्रत्याशित कदम उठा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि केंद्रीय बैंक पीपीबीएल के महत्वपूर्ण कामों की देखरेख के लिए एक एडमिनिस्ट्रेटर (प्रशासक) भी नियुक्त कर सकती है। कारोबार की शुरुआत में वन97 कम्यु निकेशंस के शेयर में 409.68 अंक गिरकर कारोबार देखा गया। शेयरों में 393.70 का लोअर सर्किट लगा हुआ है। बता दें कि शुक्रवार 1 मार्च के कारोबारी सत्र में पेटीएम के शेयर 424.05 रुपए पर खुलकर 425.45 रुपए पर बंद हुए थे।

सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में 1,008 लक्जरी फ्लैट बेचे

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में अपनी नई आवासीय परियोजना में 1,008 लक्जरी फ्लैट 3,600 करोड़ रुपये से अधिक में बेच` दिए हैं। सिग्नेचर ग्लोबल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अब चालू वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 4,500 करोड़ रुपये के शुरुआती अनुमान के मुकाबले आसानी से 7,200 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा` कि हमने द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुग्राम के सेक्टर 37डी में एक नई आवासीय परियोजना शुरू की है। हमने वहां सभी 1,008 आवासीय इकाइयां 3,600 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी हैं। कंपनी को इस नई 16.5 एकड़ की परियोजना डीई लक्स-डीएक्सपी में ग्राहकों से 5,400 ईओआई रुचि पत्र (ईओआई) मिले थे। उन्होंने कहा कि तीन से चार करोड़ रुपये कीमत वाले प्रीमियम घरों की भारी मांग है। गुरुग्राम के बाजार में ज्यादातर प्रीमियम परियोजनाओं में फ्लैट का भाव सात करोड़ रुपये से अधिक है। लगभग 35 प्रतिशत फ्लैट की बुकिंग अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और कॉरपोरेट जगत के बड़े अधिकारियों द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि कंपनी इस नई आवासीय परियोजना में डिलिवरी 2028 में शुरू करेगी।

टेलीकॉम नेटवर्क के फर्जीवाड़े पर लगाम लगाएगा नया पोर्टल

नई दिल्ली । साइबर क्राइम पर लगाम लगाने की कोशिश में सरकार समय-समय पर जरूरी कदम उठाती है। सरकार अब टेलीकॉम नेटवर्क पर होने वाले फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने के लिए संचार साथी पोर्टल पर चक्षु लॉन्च करने वाली है। टेलीकॉम नेटवर्क में हो रहे फर्जीवाड़े की सीधी शिकायत ग्राहक यहां कर पाएंगे। इस पोर्टल लॉन्च के बाद अगर आपके पास कोई संदेहजनक कॉल या मैसेज आते हैं तो आप इस पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। गूगल से आईटी मंत्री की मुलाकात सोमवार शाम 5 बजे चक्षु लांच के बाद हो सकती है। इस बैठक में सभी 10 एप के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। स्टार्टअप्स के इकोसिस्टम को सरकार से सभी जरूरी सुरक्षा का भरोसा है। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, जिन्होंने शनिवार को विवादास्पद मुद्दे में हस्तक्षेप किया, ने सोमवार को दोनों पक्षों के साथ एक बैठक निर्धारित की है। वैष्णव ने कहा कि हम स्टार्टअप इकोसिस्टम का समर्थन करना जारी रखेंगे। ऐप डेवलपर्स और गूगल टीमें मिलेंगी और अपने दृष्टिकोण बताएंगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 73,872.29 के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा

निफ़्टी 22,405.60 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आयी है। आज बीएसई सेंसेक्स 73,872 अंक के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.09 फीसदी करीब 66.14 अंक की बढ़त के साथ ही 73,872.29 के सर्वोच्च स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 15 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 15 के ही शेयर नुकसान में रहे। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.12 अंक तकरीबन 27.20 फीसदी बढ़कर 22,405.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ़्टी की 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 25 के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 3.50 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 2.49 फीसदी टूटकर बंद हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, इन्फोसिस, आईटीसी, टीसीएस, एचसीएल टेक , विप्रो के शेयर टूटे हैं।

वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से` मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। निफ्टी 65.90 अंक की बढ़त के साथ 22,404.65 पर और सेंसेक्स 112.63 अंक की तेजी के साथ 73,838.44 पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपन में सेंसेक्स 101.12 अंक ऊपर 73,907.27 पर और निफ्टी 25.60 अंक ऊपर 22,404.00 पर दिख रहा था। गिफ्ट निफ्टी रिकॉर्ड 22500 के पार पहुंच गयाहै। इससे पहले शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग डे को सेंसेक्स 60 अंकों की मजबूती के साथ 73,806 पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई और अमेरिकी वायदा बाजारों में मिलेजुला कारोबार हुआ।बांड यील्ड 4.2 फीसदी के नीचे बरकरार है। वहीं नवंबर 2021 के बाद नैस्डेक ने अमेरिनया रिकॉर्ड बनाया है। एसएंडपी 500 पहली बार 5100 के पार पहुंचा है।

परिधान रिटेल फर्मों में मांग में नरमी से दबाव

- कई रिटेल कंपनियों ने एक अंक की ग्रोथ दर्ज की

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023 की लगातार चौथी तिमाही में परिधान रिटेल क्षेत्र ने सुस्त प्रदर्शन दर्ज किया है। त्योहारी और शादियों के सीजन के बावजूद कई रिटेल कंपनियों ने एक अंक की वृद्धि या स्टोर बिक्री में गिरावट दर्ज की। पहले से ही सुस्त मांग परिवेश को तिमाही के दौरान बढ़ती मुद्रास्फीति और श्राद्ध ने और बिगाड़ दिया। जहां रिटेल दिग्गजों की राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर 20-25 प्रतिशत रही, वहीं इसे नए स्टोर खुलने से बड़ी मदद मिली। सूचीबद्ध कंपनियों में ट्रेंट इन सबसे काफी अलग रही और उसने स्टोरों की संख्या बढ़ाकर 50 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व वृद्धि दर्ज की। आईआईएफएल रिसर्च का मानना है कि उनके कवरेज वाली कंपनियों के लिए समेकित बिक्री 12 प्रतिशत तक रही, जबकि एक साल पहले की अवधियों के मुकाबले जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाहियों की तुलना में वृद्धि 7 प्रतिशत रही। ब्रोकरेज के विश्लेषकों का कहना है कि कुल मांग रुझान सुस्त बना हुआ है और सभी कंपनियों के प्रबंधन ने अल्पावधि के लिए मजबूत अनुमान नहीं जताए हैं।

मूडीज ने भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ा कर 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले 2024 में रे टिंग एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। वर्ष 2023 में भारत के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से कहीं बेहतर रहे हैं, जिससे मूडीज ने वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया है। जी20 में भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत रही है। ऐसे में पूरे 2023 के साल में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने सोमवार को कहा कि सरकार के पूंजीगत व्यय और मजबूत विनिर्माण गतिविधियों ने 2023 में वृद्धि के मोर्चे पर सार्थक नतीजे दिए हैं। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियां अब कम रह गई हैं, जिसकी वजह से भारत आसानी से छह से सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। मूडीज ने अपने वैश्विक वृहद आर्थिक परिदृश्य-2024 में कहा` कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 2023 में उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के कारण हमने 2024 के लिए अपना वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है।

भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मूडीज ने कहा कि 2025 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उच्च-आवृत्ति के संकेतकों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की सितंबर और दिसंबर तिमाही की मजबूत रफ्तार 2024 की मार्च तिमाही में जारी है।

सरकार ने तंजानिया को गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने तंजानिया को 30,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल और जिबूती और गिनी बिसाऊ को 80,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से यह निर्यात किया जाएगा। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगी है, लेकिन सरकार अनुरोध के आधार पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों के लिए निर्यात की अनुमति देती है। तंजानिया एक पूर्वी अफ्रीकी देश है, जबकि जिबूती अफ्रीकी महाद्वीप के उत्तर-पूर्वी तट पर है। गिनी-बिसाऊ पश्चिम अफ्रीका का देश है। अधिसूचना के अनुसार जिबूती को 30,000 टन और गिनी बिसाऊ को 50,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड बढ़त के साथ 83.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त देखी गई। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 80.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, वहीं ब्रेंट क्रूड 83.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 96 पैसे और डीजल में 92 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 67 और डीजल 65 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। दूसरी ओर बिहार में पेट्रोल 28 पैसे और डीजल 26 पैसे सस्ता हो गया है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और ओडिशा में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी दिख रही है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.78 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

यूं छुड़ाएं बच्चे का अंगूठा चूसना

बच्चों का अंगूठा चूसना एक स्वाभाविक प्रवृति है, लेकिन शिशु जब बड़ा होने लगे, तो उसकी इस प्रवृत्ति पर नजर रखना बहुत जरूरी है अन्यथा वे किशोरावस्था आने तक अंगूठा चूसते रहते हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा यह प्रवृत्ति छोड़े, तो आजमाइए ये टिप्स -

- बच्चे को किसी तरह का कोई तनाव न हो, इस बात का ध्यान रखें।
- शैशव अवस्था में शिशु को गोद में बिठाकर लाड़ प्यार करें।
- अपने शिशु को स्तनपान कराने में कोताही न बरतें। उसका स्तनपान धीरे-धीरे छुड़ाएं।
- बच्चे की उपेक्षा न करें और न ही उसमें किसी तरह का भय पनपने दें।
- बच्चे में सुरक्षा की भावना पैदा करें।
- मारें-पीटें नहीं और न ही उसके हाथ बांधें।
- यदि उसके मित्र अंगूठा चूसने वाले हैं, तो उनके साथ खेलने न दें।
- उसकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और जरूरी मांगों को पूरा करें।
- बच्चे की बातों को अनसुनी न करें अपितु धैर्यपूर्वक और सहानुभूति से सुनें।
- यदि बच्चे में कोई हीन भावना व्याप्त हो तो उसे दूर कर उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं।
- बच्चे को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और उसे व्यस्त रखें।
- उसे इस बात का अहसास कराएं कि अब वह बड़ा हो रहा है और बड़े बच्चे अंगूठा नहीं चूसते।
- यदि दिनभर में उसने अंगूठा नहीं चूसा, तो इसके लिए उसे शाबाशी दें।
- जब बच्चा अंगूठा चूस रहा हो तो, उसे आइना दिखाएं कि कितना भद्दा लग रहा है वह।

घर के इन हिस्सों में बना सकते हैं ऑफिस

अपने घर के किसी एक खास हिस्से को ऑफिस में कन्वर्ट कर सकती हैं। सबसे पहले आपको देखना होगा कि घर में खाली स्थान कौन सा है। ऐसी जगह जो काम में नहीं आ रही। अगर आपका ऑफिस वर्क कुछ ही घंटों का है तो आप अपने स्टडी और लिविंग स्पेस में भी पार्टिशन कर सकती हैं। यदि आपका काम ज्यादा समय का है तो आपको घर में ही एक अलग स्थान की तलाश करनी होगी। आप अपने स्टोर रूम, गैरेज, घर के बेसमैंट या एक्स्ट्रा बॉलकनी को रैनोवेट करवा कर उसे ऑफिस की तरह यूज कर सकती हैं।

फर्नीचर हो कम्फर्टेबल

घर में खोले जाने वाले ऑफिस का फर्नीचर कम जगह घेरने वाला और कम्फर्टेबल होना चाहिए। अपनी ऑफिस टेबल के लिए कांपैक्ट साइज के कंप्यूटर, की-बोर्ड और स्मार्ट चेयर का चुनाव करें। ऑफिस में सामान व्यवस्थित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा अलमारियां और कैबिनेट होने चाहिएं। थोड़ी सी जगह खाली भी रहे, इस बात का खास ध्यान रखें। ऑफिस बनाने के लिए आपको एक ऐसे कमरे का चुनाव करना होगा, जहां आप डिस्टर्ब न हों। आप खुद को घर से अलग महसूस कर सकें और घर में होने वाली आवाजें आपके काम में दखल न डालें।

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

अपने गुणों से न रहें बेखबर

चांदनी ने बचपन से ही इंटीरियर डैकोरेटर बनने का ख्वाब देखा था और उसने अपना ख्वाब पूरा भी किया। आज वह अपने छोटे से शहर में नंबर एक इंटीरियर डिजाइनर मानी जाती है, परंतु उसे इस बात का दुख है कि फैमिली के प्रतिबंध के कारण वह किसी बड़े शहर में अपनी पहचान नहीं बना सकी, जहां उसकी काबिलियत एक बड़े स्तर पर पहचानी जाती या नामी इंटीरियर्स की तरह उसके चर्चे भी समाचारपत्रों और मैगजीन इत्यादि में होते, जबकि उसके साथियों को वह मुकाम हासिल है। रचना साधारण रूप-रंग की है, परंतु अपनी लिखी कविताओं से वह दोस्तों और रिश्तेदारों में काफी प्रसिद्ध है। अपने साधारण रूप-रंग से उत्पन्न हुई कुंठा से उसने अपनी ही प्रतिभा को एक दायरे में सीमित कर लिया है। यहां तक कि वह किसी मुशायरे में बुलाने पर भी नहीं जाती कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे। जब लोग उसकी कविताओं की प्रशंसा करते हैं, तो उसे लगता है कि वह उसकी साधारण रंगत का मजाक उड़ा रहे हैं और वह अपने में और ज्यादा सिमट जाती है।

शिकवा है ये झूठा

चांदनी और रचना दो उदाहरण हैं ऐसी लड़कियों की जो अपने करियर या पर्सनैलिटी को लेकर किसी न किसी हीन भावना में घिरी रहती हैं। ऐसी अनेक युवतियां हैं, जिन्हें जिंदगी से इस बात की शिकायत रहती है कि उनके हिस्से में सबसे ज्यादा परेशानियां और दुख आए हैं। वह कुछ और हो सकती थी, परंतु जिंदगी ने उन्हें वह मौका ही नहीं दिया।

अपने अवगुण आते नजर

किसी दूसरे की तो बात ही छोड़ो, इन्हें अपने में अवगुण इतने ज्यादा नजर आने लगते हैं कि इनके साए सोच पर गहराने लगते हैं, क्योंकि अपने वे गुण जो इन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, इन्हें नजर नहीं आ पाते। जब यह सोच अपनी पैठ बना ले कि हमारा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, तो आप अपनी बात दूसरों के सामने कैसे रख पाएंगे या फिर नए आइडियाज कैसे आ पाएंगे। दूसरों की अपेक्षा अपनी ही आलोचना आपका मनोबल तो गिराती है और इससे प्रभावित होने लगते हैं हमारे आस-पास के लोग। इसके लिए जरूरी है कि वे शिकवे जो जिंदगी से लेकर अपने आप तक से हम किए बैठे हैं उन्हें दरकिनार कर अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को पहचानें तथा उन्हें नए नजरिए से लोगों के सामने रखें। एक छोटे शहर में रहते हुए लोगों को इंटीरियर डैकोरेशन के महत्व से अवगत कराना अपने-आप में बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बड़े शहरों के लोग तो पहले से ही इसे जानते हैं। या फिर रूप-रंग पर साहित्य का मुलम्मा जब चढ़ता है तो वह व्यक्तित्व को पहले से कहीं ज्यादा निखार देता है।

पहचानें खुद को

अपनी खूबियों को पहचानें और यह सोचें कि सीमित साधनों में भी आप क्या कर सकती हैं। फिर भी आपको स्वयं में कोई कमी नजर आए तो हीन भावना का शिकार बनने की अपेक्षा अपना ध्यान खुद को अपडेट करने की तरफ लगा दें और अपने प्रोफैशन और रुचि के लिए नए-नए तरीके खोजें।

महत्वाकांक्षा की लगाम न खींचें

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

सफलता के मायने

बैंक बैलेंस और बड़ा-सा बंगला सफल होने की निशानी नहीं है बल्कि जिस प्रोफैशन में आप आई हैं, उसमें धीरे-धीरे बढ़ते हुए नाम कमा लेना ही सफलता के मायने हैं, क्योंकि इसने आपकी पर्सनैलिटी और आपके नाम को एक पहचान दी है। किसी भी करियर में सफल होने के लिए आप उससे जुड़ी नई जानकारियां हासिल करती रहें और यदि किसी कारणवश आप अपने प्रोफैशन से जुड़ी उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाईं तो अब एक बार फिर से उसके लिए प्रयास करें, ताकि आपकी उन्नति के रास्ते बन सकें। दुनिया में महान व्यक्ति वही माना जाता है जो विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। अपनी सोच को पॉजीटिव बनाएं।

महके गुणों की खुशबू

यदि नकारात्मक टिप्पणी करने वाले लोग हैं, तो ऐसे लोग भी हैं जो आपकी खामियों के साथ खूबियों की भी तारीफ करना जानते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करें जो जीवन के प्रति पॉजीटिव अप्रोच रखते हों, क्योंकि उनका साथ आपको भी आशावादी बनाएगा।

सहेज लें मीठे पल

कभी किसी की कोई बात आपके मन को छू जाए, कोई प्रशंसा के मधुर बोल बोल जाए, कभी बड़ों का सहज ही आशीर्वाद मिल जाए या कोई उम्मीद से परे थैंक यू बोल जाए तो इन्हें डायरी में नोट कर लें। अपनी उपलब्धियां, यादें, रिश्तों की महक, जीवन के सुख-दुख और पेरैंट्स की डांट और प्रशंसा सब लिखें। जब जीवन में निराशा या कोई असफलता परेशान करे तो उसे पढ़ लें आपके होंठों पर मुस्कान ही नहीं आएगी, बल्कि कुछ कर दिखाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

विंटर में खाएं रोस्टेड आलू

सामग्री - छोटे आलू - 250 ग्राम उबले हुए, तेल - 2 टेबल-स्पून, तंदूरी मसाला - 1-1 टी-स्पून, चाट मसाला और लाल मिर्च पाऊडर, आधे नींबू का रस, स्वादानुसार नमक, गार्निशिंग के लिए हरा धनिया और प्याज के रिंग्स

विधि - तंदूरी मसाला, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर, तेल, नींबू का रस, काली मिर्च पाऊडर और नमक को मिला कर इसमें आलू को 4-6 घंटे के लिए मेरिनेट करें, फिर चिकनाई लगी सींक पर लगाकर ग्रिल कर लें। हरा धनिया व प्याज के रिंग्स से गार्निशिंग करके गर्म-गर्म सर्व करें।

बच्चों को सिखाएं इज्जत करना

बच्चे अपने से बड़ों की बातों का बहुत जल्दी अनुकरण करते हैं। अगर आप झूठ बोलेंगे, घर में अपने से बड़ों का आदर नहीं करेंगे या लड़ाई-झगड़ा करते हुए अपशब्दों का प्रयोग करेंगे तो आपको ऐसा करते देख आपका बच्चा भी वही सीखने लगेगा। उदाहरणत- यदि आप अपने पेरैंट्स से ठीक व्यवहार नहीं करते तो कल आपका बच्चा भी आपके साथ वही सब कुछ करेगा। कुछ माता-पिता की यह भी आदत होती है कि वे तकरीबन हर छोटी से छोटी बात में भी अपने बच्चे का नुक्स निकालते रहते हैं, उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं जो गलत है।

अगर आप सच में अपने बच्चों से इज्जत चाहते हैं तो उनकी सोच, भावनाओं, उनकी बातों और इच्छाओं का ख्याल रखना जरूरी है ताकि वे भी आपको समझ सकें। अक्सर ऐसा होता है कि पेरैंट्स अपने बच्चों की परीक्षा या किसी कॉम्पीटीशन के रिजल्ट को लेकर काफी उत्सुक होते हैं। जब वही परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं आता तो वे उन्हें बुरा-भला सुनाने लगते हैं। उनकी दूसरे बच्चों से तुलना भी शुरू कर देते हैं कि फलां का बेटा फर्स्ट आया है, हमने तुम्हें किस चीज की कमी रखी थी जो तुम कोई डिवीजन नहीं ला पाए।

आप बच्चों को डांटने की बजाय उनमें एक नया जोश जगाएं कि कोई बात नहीं, अगली परीक्षा में तुम जरूर अव्वल आओगे। इस प्यार भरे प्रोत्साहन से बच्चे पर जादू-सा असर होता है। अत- बच्चों में आपसी तुलना करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों में अच्छे संस्कारों का प्रसार करें क्योंकि संस्कार ही हमारी परम्पराओं को अभिव्यक्त करते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, सब में अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार की सीख दी जाती है।

उनमें कटुता और हिंसा जैसे विचार न पनपने दें। प्राय- जब बच्चे के करियर की बात आती है तो पेरैंट्स उसे अपनी पसंद का विषय चुनने की स्वतंत्रता अवश्य दें परन्तु उसका साथ देते हुए उस विषय से संबंधित वर्तमान-भविष्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उसे बताएं जो करियर उसने चुना है उसमें भविष्य की क्या संभावनाएं हैं। हर मां-बाप यही सोचते हैं कि पढ़ना बहुत जरूरी है चाहे उनके बच्चे की रुचि डांस या कला में हो। अक्सर ऐसा सुनने को मिलता है कि जब देखो डांस करते रहते हो या ड्राइंग करते रहते हो, पढ़ाई कब करोगे? इससे अशांत होकर बच्चे किसी तरफ भी अपना मन नहीं लगा पाते और पेरैंट्स के प्रति वितृष्णा से भर जाते हैं। अत- उनकी रुचियों को जागृत करें व उस क्षेत्र में उन्हें आगे बढ़ने के लिए पूरा सहयोग दें जिसमें उनकी रुचि हो। कुछ पेरैंट्स की यह आदत होती है कि बच्चों को हमेशा डांटते-फटकारते रहते हैं और उनके कामों में नुक्स भी निकालते रहते हैं। इससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और हमेशा कटे-कटे से रहते हैं।

ऐसे में उनकी अच्छाइयों को आगे लाते हुए प्रोत्साहित करें। बच्चों को जब भी डांटें, उसकी कोई ठोस वजह जरूर हो ताकि बच्चा भी समझ जाए कि वाकई उसकी गलती पर उसे डांट पड़ी है। सबसे गंभीर समस्या जो अक्सर परिवारों में देखने को मिलती है वह है बच्चों के माता-पिता घर में अपने बुजुर्गों का आदर और सेवा नहीं करते व उनके बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। कई तो अपने बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम तक का रास्ता भी दिखा देते हैं।

जब बच्चे अपने घर में यह सब होता देखते हैं तो उनके कोमल मन पर इन बातों का बुरा प्रभाव पड़ता है। अपने माता-पिता की देखा-देखी में वे भी तमीज का दायरा तोडने लगते हैं। बात-बात पर ऊंचा बोलना, हरेक के आगे जवाब देना, मुंहफट और उग्र व्यवहार उनके व्यक्तित्व पर बिगड़ैल बच्चे का ठप्पा लगा देता है। ऐसे में पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों के प्रति उदार रवैया अपनाएं और उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें। अगर पेरैंट्स उपरोक्त बातों पर काबू पा लें और बच्चों के लालन-पालन में धैर्य और शांति रखेंगे तो हर काम सकारात्मक रूप से अच्छा होगा। बच्चों पर आपकी इन अच्छाइयों का प्रभाव यह होगा कि वे समझदार तो बनेंगे ही साथ में माता-पिता के रूप में आपको सम्मान पूरा देंगे।

अनंत अंबानी के प्री वेडिंग में जामनगर एयरपोर्ट के सभी रिकार्ड टूटे, दो दिन में 160 विमान उतरे

जामनगर । देश के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट के प्री वेडिंग फंक्शन के चलते जामनगर एयरपोर्ट के सभी रिकार्ड टूट गए। दो दिन के भीतर जामनगर एयरपोर्ट पर 160 विमान उतरे। आमतौर पर जामनगर हवाई अड्डे पर प्रति दिन 3 विमानों का आगमन और 3 विमानों का प्रस्थान होता है। परंतु अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री वेडिंग पार्टी के कारण जामनगर एयरपोर्ट का एक नया रिकार्ड बना है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट का प्री वेडिंग फंक्शन पिछले काफी समय से दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ था। तीन दिन का प्री वेडिंग कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। जिसमें देश-विदेश की मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री-वेडिंग के लिए भारत और विदेश से आमंत्रित मेहमानों को जामनगर लाने और वापस ले जाने के लिए कई विमान लगाए गए थे। समारोह में शामिल होने के लिए देश-विदेश के विभिन्न शहरों से यहां आए वीआईपी मेहमानों को जामनगर ले जाने के लिए शटल सेवा लगाई गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग में शामिल होने के लिए मेहमानों के लिए करीब 20 विमानों का इंतजाम किया था। इसके अलावा अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग पार्टी के कारण 26 फरवरी से जामनगर एयरपोर्ट पर भारी हवाई यातायात रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 26 फरवरी से 3 मार्च तक 4,500 यात्रियों को एयरपोर्ट से आते-जाते देखा गया। इसी प्रकार 26 फरवरी से आज तक 350 घरेलू और 86 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित की गई हैं। 164 अंतरराष्ट्रीय यात्री विमान आए हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने हवाई अड्डे को 26 फरवरी से 6 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार जामनगर हवाईअड्डे से आमतौर पर 3 निर्धारित उड़ानों का आगमन और 3 उड़ानें प्रस्थान होता है। हालांकि अनंत अंबानी और राधिका के प्री-वेडिंग फंक्शन के कारण 1 मार्च से 3 मार्च के बीच 160 उड़ानें उड़ान भरी और उतरीं, जिनमें 30 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। गौरतलब है कि अरबपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे के विशेष समारोह में बिल गेट्स, मार्क जुकरबर्ग, रिहाना, इवांका ट्रंप और कई पूर्व प्रधानमंत्रियों जैसी हस्तियां आई थीं। इसके अलावा देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री वेडिंग पार्टी में शिरकत की थी।

हिमाचल : स्पीति घाटी में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए पर्यटक ; बर्फबारी और बारिश से 650 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी में फंसे 81 पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। भारी बर्फबारी होने से सड़कें बंद होने के कारण पर्यटक फंस गए थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, राज्य में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण कई जगह हिमस्खलन और भूस्खलन हुए। जिसके कारण पांच राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 650 से अधिक सड़कें सोमवार को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहीं। पुलिस ने एक बयान में कहा, लाहौल-स्पीति जिले की स्पीति घाटी में फंसे 81 पर्यटकों को रविवार रात सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और विभिन्न होटलों और होमस्टे में ठहराया गया। बयान में कहा गया है कि इस आदिवासी बहुल जिले में लगभग 290 सड़कें अवरुद्ध हैं और कई इलाकों में पिछले दो दिनों से बिजली नहीं है। लाहौल-स्पीति में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि रविवार को लाहौल-स्पीति में जसरत गांव के पास हिमस्खलन से दारा झरने पर असर पड़ा चिनाब नदी का प्रवाह बाधित हो गया तथा आसपास के इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया। उन्होंने जोबरंग, रापी, जसरत, तरंद और थरोट के आसपास के गांवों के निवासियों को सतर्क रहने और आपात स्थिति में निकटतम पुलिस चौकी को सूचित करने की सलाह दी है। इस बीच, राज्य भर में शीतलहर की स्थिति जारी रही।

केरल में छात्र की मौत का मामला : रिमांड रिपोर्ट में निर्वस्त्र करने, तार से पिटायी करने का दावा

वायनाड (केरल)। वायनाड में केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय वर्ष के एक छात्र की हाल में हुई मौत से जुड़े एक संदिग्ध की रिमांड रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि पीड़ित को निर्वस्त्र किया गया था और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की गयी थी। पुलिस ने 20 वर्षीय सिद्धार्थन जे.एस. की मौत के मामले में सभी 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सिद्धार्थन 18 फरवरी को अपने छात्रावास के बाथरूम में फंदे से लटके मिले थे। अदालत से आरोपियों को जमानत न देने का अनुरोध करते हुए पुलिस द्वारा रविवार को सौंपी गयी रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धार्थन की पिटायी करने में एक बेल्ट और केबल की तार का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता और केरल रैगिंग निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धार्थन के सहपाठियों और वरिष्ठों ने उस पर कॉलेज की एक छात्रा से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए छात्रावास के अंदर एक पंचायत बैठायी थी। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी ने अपने घर के लिए निकल चुके सिद्धार्थन को छात्रावास के एक 'अलिखित कानून' का इस्तेमाल कर अपने 'दुर्व्यवहार' से संबंधित मामले में समझौता कराने के लिए वापस कॉलेज बुलाया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'उसका अंतर्वस्त्र उतरवाया गया और आरोपियों ने उसकी पिटायी की। उनमें से कुछ ने बेल्ट और केबल की तार का इस्तेमाल किया।' इसमें कहा गया है कि उससे 16 फरवरी की रात नौ बजे मारपीट शुरू की गयी और देर रात दो बजे तक उसका उत्पीड़न जारी रहा। पुलिस ने अदालत से आरोपियों को जमानत न देने का अनुरोध किया क्योंकि मृतक छात्र के माता-पिता ने यह दावा करते हुए पूर्ण जांच की मांग की है कि उनके बेटे ने आत्महत्या नहीं की होगी। मृतक छात्र के माता-पिता ने दावा किया कि उसके कुछ सहपाठियों ने उन्हें बताया कि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कुछ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उसकी पीट-पीटकर हत्या की है।

दो स्कूलों को दी बम से उड़ाने की धमकी, छात्र व कर्मचारी दहशत में

चैन्नई । तमिलनाडु के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों के हाथपैर फूल गए हैं। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कोयंबटूर में पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल और कांचीपुरम जिले के एक निजी स्कूल का नाम शामिल है। जहां पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल को रविवार रात को एक ईमेल मिला, वहीं दूसरे स्कूल को सोमवार सुबह एक फर्जी कॉल आई थी। हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता तुरंत पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल पहुंचा और जांच शुरू कर दी। लेकिन अधिकारी कोई विस्फोटक ढूंढने में असफल रहे। पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल के बनाए गए एक वीडियो में पुलिस कर्मियों को लोगों से पूछताछ करते हुए भी दिखाया गया है, जबकि खाली स्कूल बसें परिसर में आवाजाही कर रही हैं। पु?लिस ने अभी यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि मेल किसने भेजा और फर्जी कॉल किसने की। चूंकि स्कूलों में इस समय 11वीं कक्षा के छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं, इसलिए पुलिस ने स्कूलों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की है। धमकी के चलते दोनों ही स्कूलों में बिना गहन जांच के किसी को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

टीटी ने चलती ट्रेन से महिला को दिया धक्का, रीढ़ की हड्डी टूटी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में चलती ट्रेन से टीटी ने एक महिला को धक्का दे दिया। गिरने से महिला की रीढ़ की हड्डी टूट गई है, जबकि शरीर के कई दिस्सों में फ्रेक्चर आया है। फिलहाल घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी टीटी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार एक महिला गलती से झेलम एक्सप्रेस के एसी कोच में चढ़ गई। इस पर महिला को टीटी ने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। फिलहाल, जीआरपी पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ टीटीई के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। महिला अस्पताल में भर्ती है। उसकी पहचान फरीदाबाद की रहने वाली भावना के तौर पर हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ऐतिहासिक फैसला, महुआ मोइत्रा और बागी विधायकों पर आया संकट

बिहार में आरजेडी नेताओं को हो सकती दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि सांसदों और विधायकों को सदन में वोट डालने या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन से छूट नहीं होती है। सीजेआई की अगुवाई वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनाए गए 1998 के फैसले को सर्वसम्मति से पलट दिया है। पांच न्यायाशीधों की पीठ के फैसले के तहत सांसदों और विधायकों को सदन में वोट डालने या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन से छूट दी गई थी।

सीजेआई ने फैसला सुनाकर कहा कि रिश्वतखोरी के मामलों में संसदीय विशेषाधिकारों के तहत संरक्षण प्राप्त नहीं है। 1998 के फैसले की व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 के विपरीत है। अनुच्छेद 105 और 194 संसद और विधानसभाओं में सांसदों और विधायकों की शक्तियों एवं विशेषाधिकारों से संबंधित हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने पीठ के लिए फैसले का मुख्य भाग पढ़कर कहा कि रिश्वतखोरी के मामलों में इन अनुच्छेदों के तहत छूट नहीं है, क्योंकि यह सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट करती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हिमाचाल और बिहार पर असर

- हिमाचल पुलिस अपनी जांच में ये पाती है कि बागी विधायकों ने रिश्वत लेकर क्रॉस वोटिंग की तब उन पर कार्रवाई हो सकेगी है।

- इतना ही नहीं बिहार में फ्लोर टेस्ट में नीतीश कुमार की सरकार बच गई लेकिन जदयू विधायक सुधांशु शेखर ने अब आरजेडी नेताओं पर हॉर्स ट्रेडिंग के मामले में केस दर्ज कराया है। शेखर का आरोप है कि जदयू के विधायकों को तोड़ने के लिए 10-10 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया था। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर मुकदमा चल सकेगा। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने अगर रिश्वत लेकर सवाल पूछा तब आपराधिक कार्रवाई हो सकती है।

गहलोत ने मोदी सरकार से दोनों कार्यकाल के वादों का मांगा हिसाब

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र की मोदी सरकार पर अगली सरकार के सौ दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा के नाम पर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसे पहले उसके वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब देना चाहिए। श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हाल में बैठक कर चुनाव होने से पूर्व ही अगली सरकार के 100 दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है लेकिन पिछले दोनों चुनावों के घोषणा पत्रों की घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट आज तक नहीं दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पहले अपने वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब दे क्योंकि 2014 में सौ दिन में विदेश से कालाधन वापस लाने एवं दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष जैसे जुमलों को जनता अभी भूली नहीं हैं। श्री गहलोत ने कहा कि देश के युवाओं को भावनात्मक मुद्दों से भ्रमित होने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों, तथ्यों एवं चिंताओं को जान कर एवं सोच समझकर ही अपने बेहतर भविष्य के लिए वोट करना चाहिए।

मैजिकल ट्रीटमेंट को असम सरकार ने किया बैन, ईसाई समुदाय नाराज

-गैर-वैज्ञानिक हीलिंग प्रैक्टिस को क्राइम किया घोषित, प्रार्थना भी आई लपेटे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब मैजिकल ट्रीटमेंट को असम सरकार ने बैन कर दिया है। इससे ईसाई समुदाय नाराज हो रहा है। क्योंकि इस बिल से प्रार्थना से इलाज भी लपेटे में आ गया है। बता दें कि पूर्वोत्तर राज्य असम में एक के बाद एक कई बड़े फैसले हो रहे हैं। कुछ समय पहले ही वहां की कैबिनेट ने स्वदेशी मुस्लिम आबादी के सामाजिक-आर्थिक सर्वे को मंजूरी दी। इससे उन मुस्लिमों को ज्यादा सुविधाएं मिल सकेंगी, जो असम के मूल निवासी हैं, जबकि बांग्लाभाषी समुदाय अलग छंट जाएगा। इस बात पर विरोध थमा भी नहीं था, कि हिमंत सरकार ने एक और बिल पारित कर दिया। असम हीलिंग (प्रिवेंशन ऑफ एविल) प्रैक्टिसेस बिल एक तरह से जादू-टोने और झाड़-फूंक से इलाज पर रोक लगाता है। लेकिन सवाल ये है कि इसपर कोई समुदाय क्यों खुद को निशाने पर आया महसूस कर रहा है। स्टेट में धर्मांतरण की शिकायतों के साथ ही उसका विरोध करने वाले

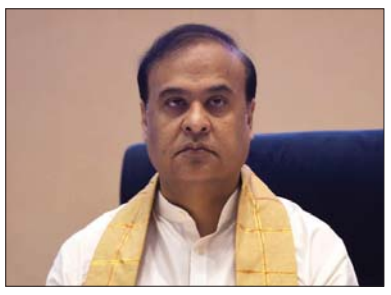

दल भी बढ़े।

पिछले महीने एक हिंदू समूह कुटुंब सुरक्षा परिषद ने स्थानीय मिशनरी स्कूलों से कहा कि वे अपने कैंपस से क्रिश्चियन प्रतीक हटा लें। एक और ग्रुप ने कई शहरों में कैंपेन चलाया, जिसमें स्कूलों से एंटी-भारत गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग है। संगठनों का कहना है कि स्कूलों का इस्तेमाल धार्मिक चीजों के लिए हो रहा है। इस गहमागहमी के बीच सोमवार, 26 फरवरी को वहां की विधानसभा में एक बिल पारित हो गया। कथित तौर पर ये ईसाई कम्युनिटी को टारगेट करने वाला है। हीलिंग प्रैक्टिसेस बिल में कहा गया है कि ये मासूम और भोले-भाले लोगों का शोषण करने के लिए बनी गैर-वैज्ञानिक हीलिंग प्रैक्टिस को क्राइम घोषित करता है।

इधर असम क्रिश्चियन फोरम नामक संगठन ने कहा कि ईसाइयों में मैजिकल हीलिंग जैसा कोई शब्द नहीं। यहां प्रेयर के जरिए इलाज होता है, जैसा दूसरे धर्मों में भी है। अगर कोई बीमार शख्स हमारे पास आए तो उसके लिए सामूहिक रूप से प्रार्थना की जाती है। ये जादू नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में ऐसा किया जाता है। क्रिश्चियन्स ही नहीं, कई धर्मों में प्रार्थना से इलाज की बात होती है। इसे फेथ हीलिंग भी कहते हैं। इसमें किसी बीमारी को ठीक करने के लिए व्यक्तिगत तौर पर या ग्रुप में दुआएं की जाती हैं। यही वजह है कि चंगाई सभाएं भी संदेह के घेरे में आने वाली हैं।

नितिन गडकरी का नाम बीजेपी की लिस्ट में नहीं दिखा तो उद्धव ठाकरे भड़के

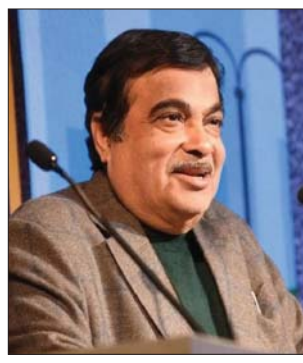

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी ने पहली लिस्ट से नितिन गडकरी को बाहर कर दिया तो शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे भड़क गए हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि हम मोदी, शाह को तो जानते तक नहीं हैं। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची जारी होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम लिस्ट में नहीं होने पर जमकर नाराजगी जाहिर की है।

गौरतलब है कि भाजपा ने शनिवार को 195 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। इसके बाद रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान ठाकरे ने कहा ?कि हम भाजपा को प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे की वजह से जानते हैं। हमारे उनके साथ पारिवारिक संबंध हैं और महाजन को भाजपा-शिवसेना गठबंधन का आर्किटेक्ट कहा जाता था। उन्होंने कहा कि गडकरी बाद में आए। हम मोदी और शाह जैसे नामों को जानते भी नहीं थे। ठाकरे ने कहा, गडकरी ने मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई में 55 फ्लायओवर बनाकर बहुत अच्छे काम किए हैं। वह कद्दावर भाजपा नेता हैं, लेकिन उनका नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं है। उन्होंने जबकि आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे कृपाशंकर सिंह का नाम लिस्ट में होने पर हैरानी जताई है। ठाकरे ने कहा कि दिल्ली में सरकार बनाने में महाराष्ट्र अहम रोल अदा करता है। यही वजह है कि पिछले चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने 42 सीटें जीती थीं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र की सीटों के बगैर एनडीए 250 सीटों का भी आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, कि इस बार भाजपा ने नारा दिया है कि अबकी बार 400 पार, लेकिन मैं कहता हूं कि अबकी बार भाजपा तड़ीपार। उन्होंने कहा कि वह मोदी के नहीं, बल्कि तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, हमें लोकतंत्र चाहिए और इसलिए हम एक विकल्प पेश कर रहे हैं। हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम साथ लोकतंत्र बचाने के लिए आए हैं। उन्होंने मणिपुर मुद्दे पर भी पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किया।

केजरीवाल ईडी के जवाब देने को तैयार बोले- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक ईडी की पूछताछ से लगातार बच रहे हैं। इस बार उन्होंने ईडी के जवाब देने के लिए एक शर्त रखते हुए कह दिया है कि यदि पूछताछ करना ही है तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इसके लिए ईडी को 12 मार्च के बाद की कोई तारीख देने को कहा है ईडी ने कथित शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे केजरीवाल को 27 फरवरी को 8वां समन भेजकर 4 मार्च को पेश होने के लिए कहा था। यह आठवीं बार है जब केजरीवाल ईडी के समन पर एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। केजरीवाल अब तक एक भी समन पर ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। उन्होंने हर बार इन समन को 'अवैध' करार दिया है। इससे पहले उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय को भी पत्र लिखकर ये समन वापस लेने की मांग की थी। बता दें शराब घोटाले में पूछताछ के लिए कई बार समन भेजे जाने के बाद भी केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर इस बारे में अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर अदालत ने केजरीवाल को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है ।ईडी ने आठवां समन जारी करते हुए इस तर्क को खारिज कर दिया था कि केजरीवाल को पेश होने के लिए भेजा गया नया नोटिस अनुचित है, क्योंकि मामला स्थानीय अदालत में विचाराधीन है ।आप के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय को जवाब भेजा है। उन्होंने कहा कि समन गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वह जवाब देने को तैयार हैं। अरविंद केजरीवाल ने ईडी से 12 मार्च के बाद की तारीख मांगी है।

रायबरेली की बजाय दमन और दीव से मिल सकता है प्रियंका गांधी को टिकिट

-चुनावी मैदान में उतरने को लेकर कांग्रेस नेता केतन पटेल नें किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार लोकसभा का चुनाव प्रियंका गांधी रायबरेली की बजाय दमन अथवा दीव से लड़ सकती हैं। यह बड़ा दावा दमन और दीव के कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल ने किया है। उनका कहना है कि संभव है कि प्रियंका गांधी केंद्र शासित प्रदेश से चुनावी मैदान में उतर सकती हैं। केतन ने कहा कि पार्टी हाई कमांड ने उनसे इसको लेकर आंकड़े जुटाने को कहा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी दमन और दीव से लोकसभा चुनाव लड़ने के प्रस्ताव का स्वागत करता हूं। केतन पटेल ने कहा कि हाई कमांड ने हमें आंकड़े जुटाने की जिम्मेदारी दी है। यहां प्रियंका जी के आने से पूरे दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र को लाभ मिलेगा। बता दें कि दक्षिण गुजरात पहले से भी हमेशा कांग्रेस के साथ ही रहा है। पटेल ने कहा कि आंकड़े जुटाने से मतलब यहां कि जमीनी हकीकत, वोटरों की पसंद और पिछले प्रदर्शन से संबंधि जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना है।

जानकारों ने बताया कि इस बार गांधी परिवार का ही सदस्य पारंपरिक रायबरेली सीट से चुनाव में उतर सकता है। इस बार सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव ना लड़ने का ऐलान कर दिया था। वहीं भाजपा ने आगामी चुनाव के लिए पहली लिस्ट भी जारी कर दी है। बीजेपी ने 195 प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है जिसमें से एक पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पीएम मोदी खुद एक बार फिर से अपने चुनावी क्षेत्र वाराणसी से ही मैदान में होंगे। बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश पहुंच गई है। वहीं कांग्रेस अपने घोषणापत्र पर काम कर रही है। जल्द ही कांग्रेस पार्टी भी अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर सकती है। यूपी में सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। दोनों के बीच सीट शेयरिंग की डील भी फाइनल हो गई है। हालांकि कांग्रेस ने कहीं से भी अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

मालदीव को विदेश मंत्री जयशंकर ने दिखाया आइना बोले-पड़ोसी की मदद करना भारत का स्वाभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव को आइना दिखाते हुए साफ कहा कि भारत हमेशा ही पड़ोसी देशों का मददगार रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू की एक टिप्पणी पर पलटवार करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत इस उपमहाद्वीप में धौंस जताने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, आप अगर भारत को बड़ा बदमाश बताते हैं तो एक बात ध्यान रखिए कि बदमाश 4.5 अरब डॉलर की मदद नहीं किया करते हैं। कोविड के समय दूसरे देशों को वैक्सीन नहीं भेजते हैं। युद्धग्रस्त इलाकों में अनाज से लेकर उर्वरक और दवाइयां तक नहीं भिजवाते हैं। आज भारत की सराहना पूरी दुनिया करती है। संकट के समय में भारत ने हर देश की मदद की है। बता दें कि मुइज्जू ने ऐलान किया था कि भारतीय सेना की पहली टुकड़ी 10 मार्च तक भारत वापस भेज दी जाएगी।

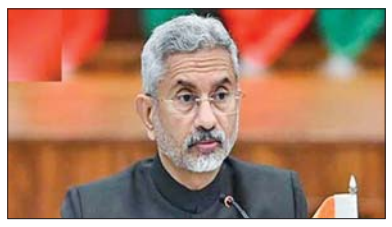

इसके बाद बाकी की दो टुकड़िओं को 10 मई तक वापस किया जाएगा। मालदीव के राष्ट्रपति चीन के घोर समर्थक हैं और ऐसे में वह अपने हितों को नजरअंदाज करके भारत का विरोध करने पर तुले हैं। मुइज्जू का कहना है कि उनके देश में कोई भी विदेशी सेना मौजूद नहीं रहनी चाहिए। मालदीव और भारत के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब मुइज्जू के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। हालांकि घरेलू दबाव के चलते ही मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप के पर्यटन को विस्तार देने के लिए तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद मुइज्जू के मंत्रियों ने इसपर आपत्तिजनकर टिप्पणी की थी। इसका विरोध मुइज्जू सरकार को अपने घर में भी करना पड़ा। जयशंकर ने कहा कि नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव में बीते कुछ सालों में ही भारत का निवेश तेजी से बढ़ा है। आज जिस तरह का व्यापार पड़ोसी देशों के साथ हो रहा है, वह भी एक बयां करने वाली कहानी है। मैं इस लिस्ट से मालदीव को अलग नहीं कर रहा हूं। मालदीव के साथ भी अच्छे व्यापारिक संबंध हैं। इस मामले में मैं भूटान का नाम नहीं भूल सकता क्योंकि दोनों देशों के बीच बेहद गहरे और मजबूत संबंध हैं। हम एक दूसरे का सम्मान भी बहुत करते हैं।

भाजपा के हर्षवर्धन की हो रही जमकर तारीफ, आप ने बताया ईमानदार नेता

नई दिल्ली। राजनीति से सन्यास लेने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता हर्षवर्धन सिंह की जमकर तारीफ हो रही है। आप पार्टी उन्हें बेहद ईमानदार नेता बता रही है। गौरतलब है कि भाजपा ने दिल्ली की पांच लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने पांच में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदल दिया है। मनोज तिवारी एकमात्र मौजूदा सांसद हैं जिन्हें भाजपा ने तीसरी बार मौका दिया है। भाजपा ने चांदनी चौक से सांसद और दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता हर्षवर्धन का भी टिकट काट दिया है। टिकट कटने के बाद जहां हर्षवर्धन ने सक्रिय राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी (आप) ने उनकी जमकर तारीफ की है। आप ने उन्हें ईमानदार, मेहनती और जनता के मुद्दे उठाने वाला नेता बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। आप नेता और अरविंद केजरीवाल सरकार की मंत्री आतिशी ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हर्षवर्धन की तारीफ की। बता दें ?कि हर्षवर्धन कभी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने सीएम फेस का चेहरा थे। 2013 के चुनाव में जब भाजपा ने उन्हें सीएम फेस घोषित किया था और तब आम आदमी पार्टी पहली बार दिल्ली का विधानसभा चुनाव लड़ रही थी।

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में कड़ा मुकाबला होने की ओर, भाजपा का क्या हो सकता है स्थान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर कोई 2019 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम पर ध्यान दे, तो हम मतदान के पहले दिन से 40 दिन से थोड़ा अधिक दूर हैं। कर्नाटक में राजनीतिक मौसम वास्तव में गर्म हो रहा है क्योंकि भाजपा (अपने सहयोगी जेडीएस के साथ) और कांग्रेस चुनाव से पहले जनता का समर्थन हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक से लोकसभा चुनाव के पांच आयामों पर हमारा ध्यान जाना चाहिए।

कर्नाटक से लोकसभा के नतीजों की विशिष्टता- सबसे पहले, कर्नाटक के मतदाताओं का राज्य विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों को देखने का नजरिया हमेशा अलग-अलग रहा है। यह पहली बार 1984-85 में साबित हुआ, जब राज्य में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व में सत्तारूढ़ जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ महीने बाद विधानसभा चुनावों में उसे स्पष्ट बहुमत मिला। पिछले चार मौकों (वर्तमान - 2008/9; 2013/14; 2018/19 और 2023/24 सहित) में एक साथ कई लोकसभा और विधानसभा चुनावों (1989, 1999, 2004) के बाद, कर्नाटक में लोकसभा चुनाव हुए हैं। विधानसभा चुनाव का एक साल, परिणाम बिल्कुल अलग रहे हैं। 2008 में, भाजपा बहुमत के करीब पहुंच गई (तीन सीटों से कम) और निर्दलियों के समर्थन से सरकार बनाई। अगले वर्ष के लोकसभा चुनावों में, उसने राज्य से दो तिहाई लोकसभा सीटें जीतीं। 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई और सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। येदियुरप्पा द्वारा विभाजित कर्नाटक जनता पक्ष (केजेपी) का नेतृत्व करने से भाजपा में विभाजन हो गया था। अगले ही साल 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राज्य से ज्यादातर सीटें मिलीं। 2014 के लोकनीति-सीएसडीएस पोस्ट पोल से पता चला कि राज्य में सिद्धारमैया सरकार लोकप्रिय थी, लेकिन यह देखते हुए कि यह लोकसभा चुनाव था, मोदी फैक्टर निर्णायक कारक था। इसके अलावा, येदियुरप्पा लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में लौट आए। 2018 के विधानसभा चुनावों में, किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला और जेडीएस और कांग्रेस ने मिलकर गठबंधन सरकार बनाई। 2019 के लोकसभा चुनावों में, कांग्रेस और जेडीएस ने गठबंधन सहयोगियों के रूप में चुनाव लड़ा और एक-एक सीट पर हार गए।

आईडीएफ ने की हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भारी गोलाबारी

तेल अवीव । आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भारी गोलाबारी की है। जारी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिण लेबनान और वेस्ट बैंक में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर यह कार्रवाई की है। ताजा जानकारी के अनुसार आईडीएफ के लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान के अयता अस शब और कफ़र किला इलाकों के साथ-साथ वेस्ट बैंक में हिजबुल्लाह बुनियादी ढांचे पर गोलाबारी की है। इजराइली हमला हिजबुल्लाह द्वारा कथित तौर पर रविवार को मेटुला, मलकिया और गजर में रॉकेट हमलों के बाद आया है। इजरायली खुफिया विभाग ने कहा है कि उसे आने वाले दिनों में वेस्ट बैंक में तनाव बढ़ने की काफी आशंका है। उसने वेस्ट बैंक के सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा दी है। वहीं हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरुल्लाह ने भी हाल ही में टेलीविजन पर अपने संबोधन में गाजा की स्थिति और फिलिस्तीनियों की दुर्दशा पर इजराइल की जम कर आलोचना की थी। इधर इजराइल ने हिजबुल्लाह को भी चेतावनी दी है और सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल युद्ध के लिए भी तैयार है।

हैती सरकार ने आपातकाल और रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने की घोषणा

पौर्टऔ प्रिंस । हैती सरकार ने सप्ताहांत में हुई हिंसा के बाद सड़कों पर नियंत्रण फिर से हासिल करने के मकसद से देर रात आपातकाल और रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। हिंसा के दौरान सशस्त्र गिरोह के सदस्यों ने देश की दो सबसे बड़ी जेलों पर धावा बोल दिया था। देश में 72 घंटे का आपातकाल तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सरकार ने कहा कि यह उन हत्यारों, अपहरणकर्ताओं और अन्य हिंसक अपराधियों को खोज निकालने के लिए लागू किया जाएगा जो जेल से फरार हो गए हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रुप में काम कर रहे वित्त मंत्री पैट्रिक बायोवर्ट ने कहा, पुलिस को कर्फ्यू लागू करने और सभी अपराधियों को पकड़ने के लिए सभी कानूनी साधनों का इस्तेमाल करने का आदेश है।'' प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने बढ़ते शक्तिशाली अपराध समूहों के साथ संघर्ष में स्थिरता लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बल की तैनाती के वास्ते समर्थन जुटाने की कोशिश में पिछले सप्ताह विदेश यात्रा की थी। हैती में गिरोहों द्वारा पोर्ट ऑ प्रिंस में सरकारी संस्थानों पर हमले बढ़ने के बीच गत सप्ताहांत हुई हिंसा में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है, जिसमें चार पुलिस अधिकारी हैं।

'स्पेसएक्स' के फाल्कन रॉकेट से चार अंतरिक्ष यात्री रवाना

वाशिंगटन । चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए जहां वे छह महीने के अपने प्रवास के दौरान दो नए रॉकेटशिप (रॉकेट द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान) के आगमन की निगरानी करने वाले हैं। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी 'स्पेसएक्स' के फाल्कन रॉकेट ने नासा के मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बराट और जेनेट एप्स तथा रूस के एलेक्जेंडर ग्रेबेनकिन को लेकर केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को आईएसएस पहुंचने वाले हैं। वे अमेरिका, डेनमार्क, जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का स्थान लेने वाले हैं, जो कि अगस्त से वहां मौजूद हैं। तेज हवा के कारण इन अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में तीन दिन की देरी हुई। जेनेट एप्स दूसरी अश्वेत महिला हैं जिन्हें अंतरिक्ष स्टेशन पर इतने लंबे मिशन के लिए भेजा गया है। उन्होंने उड़ान भरने से पहले कहा कि वह खासतौर से अश्वेत लड़कियों के लिए आदर्श बनकर गर्व महसूस कर रही हैं और उन्हें यह दिखा रही है कि अंतरिक्ष यात्रा ''उनके लिए भी एक विकल्प है।'' पेशे से इंजीनियर एप्स ने 2009 में अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले फोर्ड मोटर कंपनी और सीआई के लिए काम किया है। एप्स को 2018 में रूस के एक रॉकेट से अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा जाना था लेकिन उनके स्थान पर किसी और को भेज दिया गया था और इसकी वजह का कभी सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया गया।

ब्राजील में बस पलटने से दो की मौत

साओ पाउलो । ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के पेलोटास शहर में एक बस के पलटने से दो लोगों की मौत हुई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों पीड़ित महिलाएं थीं। इसमें एक की उम्र 42 साल और दूसरी की 70 साल थी। उन्होंने बताया कि संघीय राजमार्ग बीआर-116 पर बस चालक ने बाइक से आमने-सामने की टक्कर से बचने की कोशिश की तब बस पलट गई। बस पर्यटकों को सांता विटोरिया डो पालमार से कैक्सियास डो सुल ले जा रही थी, जहां पारंपरिक राष्ट्रीय अंगूर महोत्सव मनाया जाता है।

दुनिया का सबसे अमीर कुत्ता, 30 अरब की संपत्ति और सेवा में तैयार रहती है नौकरों फौज

लॉस एंजेलस। अमीर सिर्फ इंसान ही नहीं होते, कुत्ते भी होते हैं। एक ऐसा कुत्ता है जो 30 अरब की संपत्ति का मालिक है करोड़ों की गाड़ी में घूमता है। उसकी सेवा में नौकरों की फौज 24 घंटे सातों दिन तैनात रहती है। इस डॉग के नाम गंथर 6 है, जो एक जर्मन शेफर्ड है। इस कुत्ते के नाम करीब 30 अरब की संपत्ति है। यह असाधारण कुत्ता बीएमडब्ल्यू की सवारी करता है। इस कुत्ते के नाम कई बंगले तो हैं ही, इसके आवाला एक फुटबॉल क्लब भी है। गंथर के पीआर लकी कार्ल्सन के मुताबिक, लेबिनस्टेन की मौत के समय उनका कोई नजदीकी रिश्तेदार नहीं था, ऐसे में लेबिनस्टेन ने सारी जायदाद अपने प्रिय कुत्ते के नाम कर दी थी। इसके बाद गंथर के नाम पर ट्रस्ट बनाया गया, जो ये सुनिश्चित करता है की पूरी संपत्ति गंथर और उसके परिवार के पास रहे। हाल ही में गंथर पर एक फिल्म भी बनाई जा रही है, जो काफी चर्चा का विषय भी बना रहा है। गंथर 6 मशहूर पॉप सिंगर रह चुकीं मेडोना के पुराने घर में रहता है, जिसके पास एक बड़ा सा यॉट भी है। यहां बाहमास के विला से नौकर भी आते हैं। यह कुत्ता कैरिबियन द्वीपों में स्थित अपने 6 अरब 81 करोड़ के घर में रहता है। इतना ही नहीं गंथर की टीम ने यह भी खुलासा किया कि आलीशान डिनर के अलावा वे कई बार यॉट ट्रिप्स पर दुनिया की सैर करने के लिए भी जाता हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुत्ते का पैसा इटली का एक 66 वर्षीय आंत्रप्रेन्योर मौरिजियो मियान नियंत्रित करता है। दरअसल मियान गंथर कॉर्पोरेशन के सीईओ है, जो इस कुत्ते के असली मालिक द्वारा छोड़ी गई 29 अरब दो करोड़ रुपये की संपत्ति की देख रेख कर रही है। जर्मन काउंटेस कैरलोटा लेबिनस्टेन ने अपनी सारी संपत्ती इस कुत्ते के नाम कर दी थी।

लॉटरी टिकट से मिले दस करोड़

लंदन। यहां एक व्यक्ति लॉटरी टिकट लेकर भूल गया पर बाद में इसी कारण करोड़पति बना गया। ब्रिटेन के रहने वाले विलियम मुलार्की ने कुछ समय पहले नेशनल लॉटरी से टिकट खरीदा।. वे भूल गए। और कुछ दिनों बाद पत्नी कैथरीनेट के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सेंट लूसिया पहुंच गए। तभी उन्हें ईमेल आया, जिसमें बताया गया था कि उन्होंने यूरो मिलियंस मिलियनेयर मेकर जैकपॉट जीता है। इसके तहत उन्हें 1 मिलियन पाउंड यानी तकरीबन 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। आम लोगों की तरह बिल को भी यह फ्रॉड लगा. उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक महीने बाद जब वे छुट्टियों से लौटे, तभी उनकी पोती ने ईमेल को क्लिक कर दिया। फिर जो नजर आया, देखकर वे चिल्ला उठे। पोती की वजह से वे करोड़पति बन चुके थे। अगर ईमेल डिलीट हो जाता, तो वे मेगा जैकपॉट के लिए आवेदन नहीं कर पाते और 10 करोड़ रुपये नहीं मिलते।. इसके बाद पूरे परिवार ने जोर-जोर से चिल्लाना और नाचना शुरू कर दिया। बिल ने कहा, जब हमने ईमेल पर 'बधाई हो, आप विजेता हैं' संदेश देखा तो हमारी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। स्क्रीन पर जो कुछ भी नजर आ रहा था, हम यकीन नहीं कर पा रहे थे। हम एक तरह से सदमे में थे। बिल ने कहा, हमने खूब जश्न मनाया. मुझे पूरी रात नींद नहीं आई। हमारे ऊपर ढेर सारा कर्ज था. अब हम चुकाने के लिए तैयार थे. हमने तुरंत सेंट लूसिया में दूसरा घर खरीदने की योजना बना ली. क्योंकि इस पैसे पूरे परिवार का जीवन बदलने वाला था।

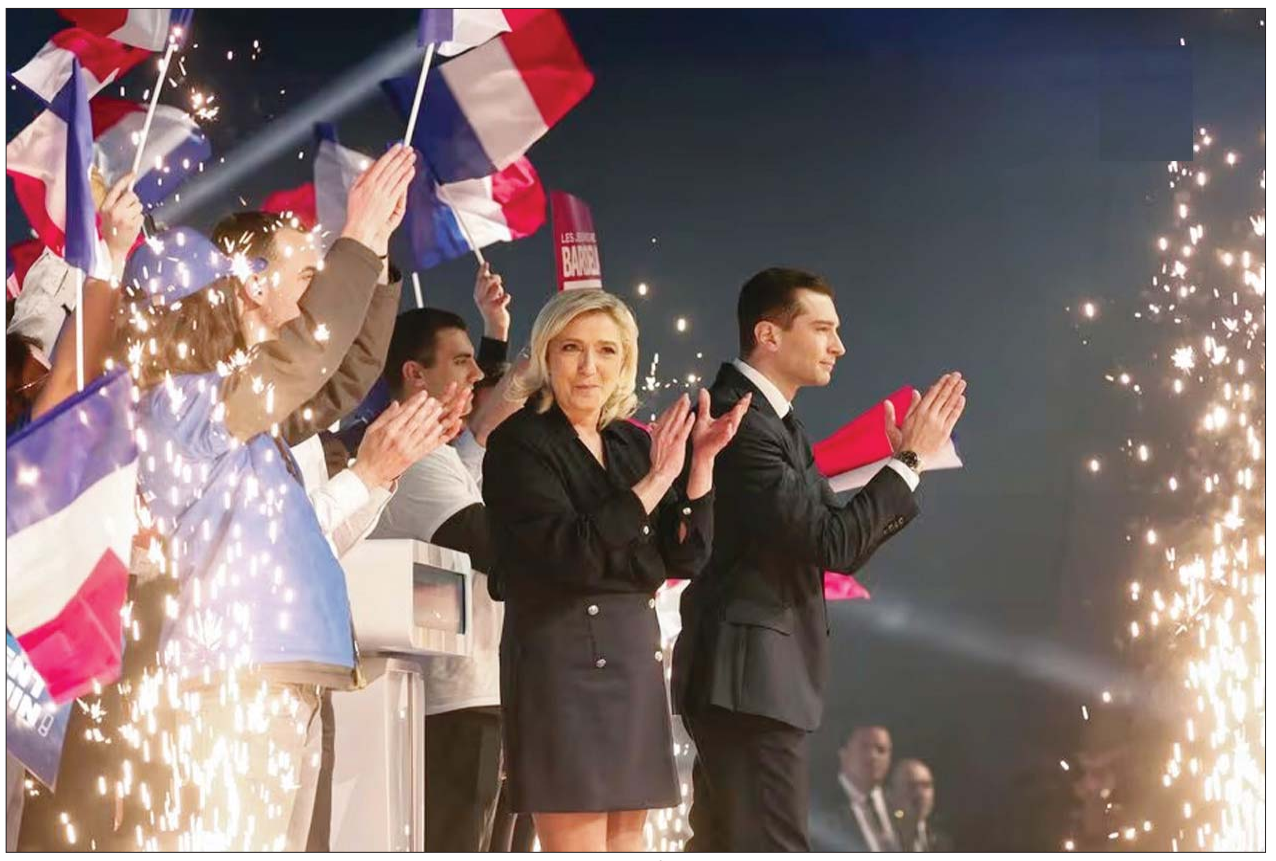

फ्रांस में फ्रेंच फार राइट एक रैली में संसदीय नेता जोर्डन बारडेला और मैरियाना ली पेन भी शामिल हुए।

बाइडेन और ट्रंप के बीच 'ब्लंडर' करने की मची होड़! अब ओबामा को बताया वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज होता जा रहा है। 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए इस बार भी जंग जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होनी तय मानी जा रही है। दोनों ही तरफ से एक-दूसरे पर जुबानी हमले भी लगातार जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से सार्वजनिक मंच पर कई बार ऐसी गलती हो जाती है जिसकी वजह से सोशल मीडिया में उनका मजाक बनाया जाता है और उनकी बढ़ती उम्र को इसकी वजह भी बताया जाता है। लेकिन ट्रंप की तरफ से भी इस तरह की चूक हो रही है। एक रैली में ट्रंप ने जो बाइडेन की जगह बराक ओबामा को अमेरिकी राष्ट्रपति बता दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने वर्जीनिया में एक रैली में बराक ओबामा को जो बाइडेन समझ लिया, जिससे संभावित रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की उम्र के बारे में और सवाल उठने लगे। क्रमशः 77 और 81 साल की उम्र के साथ ट्रम्प और बाइडेन अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ने वाले सबसे उम्रदराज उम्मीदवार हैं।

ट्रम्प ने रिचमंड में कहा कि पुतिन के मन में ओबामा के लिए इतना कम सम्मान है कि वह परमाणु शब्द को उछालना शुरू कर रहे हैं। आपने वो सुना वो आज परमाणु हथियारों पर बात करना शुरू कर रहे हैं। कथित तौर पर भीड़ चुप हो गई क्योंकि ट्रम्प ने ओबामा का जिक्र किया जो सात साल से अधिक समय पहले ही व्हाइट हाउस छोड़ चुके हैं। पिछले छह महीनों में यह तीसरी बार है जब ट्रम्प से चूक हुई है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की अन्य गलतियों में उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली को पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के साथ भ्रमित करना शामिल है। 52 वर्षीय हेली, जिन्होंने रिपब्लिकन नामांकन की दौड़ में बने रहने के लिए ट्रम्प और कई प्राथमिक हार को चुनौती दी है, ने खुद को युवा, स्वस्थ विकल्प के रूप में पेश करने की कोशिश की है - अपने अभियान विज्ञापनों में ट्रम्प और बिडेन को ग्रम्पी ओल्ड मेन के रूप में संदर्भित किया है। ट्रम्प की गलती उस दिन सामने आई जब बिडेन ने दो बार यूक्रेन और गाजा को भ्रमित किया जब उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका गाजा में फिलिस्तीनियों को मानवीय आपूर्ति प्रदान करेगा जो इजरायली बमबारी और नाकेबंदी के कारण भूख से मर रहे हैं।

थाई श्रद्धालुओं को भगवान बुद्ध के अवशेषों के प्रति सम्मान व्यक्त करते देख मैं प्रभावित हुआ : जयशंकर

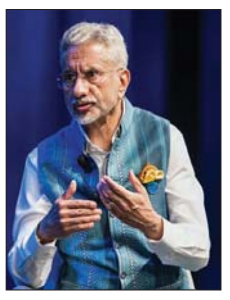

बैंकॉक। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यह बेहद हृदयस्पर्शी है कि 10 लाख थाई श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रति अपना सम्मान जाहिर किया है। इन पवित्र अवशेषों को एक प्रदर्शनी के तहत बैंकॉक में 22 फरवरी से तीन मार्च तक प्रदर्शित किया गया। जयशंकर ने पोस्ट में उस विशेष मंडप की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें 26-दिवसीय प्रदर्शनी के पहले चरण के तहत बैंकॉक में पवित्र अवशेष प्रदर्शित किए हैं। दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों द्वारा पवित्र इन अवशेषों को राजकीय अतिथि के दर्जे के अनुरूप भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से ले जाया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने पोस्ट किया, ''थाइलैंड के लाखों श्रद्धालुओं को भारत से आए पवित्र अवशेषों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। हमारी साझा विरासत और संस्कृति एक ऐसा सेतु है जो एक विशेष संबंध स्थापित करता है। इस संबंध में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अन्य को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने कहा था कि यह पहली बार है कि जब भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के पवित्र अवशेषों को एक साथ प्रदर्शित किया गया है।

नेपाली कांग्रेस से अलग होने के बाद प्रधानमंत्री प्रचंड ने ओली की पार्टी के साथ गठबंधन का फैसला किया

काठमांडू (एजेंसी)। 04 मार्च (वेब वार्ता)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने मतभेदों के कारण नेपाली कांग्रेस के साथ अपनी लगभग 15 महीने की साझेदारी को समाप्त करने के बाद सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की पार्टी के साथ एक नया गठबंधन बनाने का फैसला किया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के एक नेता ने कहा कि प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन (माओवादी केंद्र) और शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के बीच गठबंधन समाप्त हो गया है क्योंकि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच मतभेद काफी गहरे हो गए हैं। सीपीएन (माओवादी केंद्र) के सचिव गणेश शाह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'नेपाली कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के साथ सहयोग नहीं किया, इसलिए हम नए गठबंधन की तलाश करने के लिए मजबूर हैं।' प्रचंड 25 दिसंबर, 2022 को नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ने के बाद प्रचंड ने ओली के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) से हाथ मिलाने का फैसला किया। हालांकि, ओली को प्रचंड का आलोचक माना जाता है।

पिछले साल, राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुख्य विपक्षी दल के उम्मीदवार को समर्थन देने पर मतभेद के बाद सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। सीपीएन-यूएमएल के उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नई कैबिनेट का गठन सोमवार दोपहर को किया जाएगा और कैबिनेट का आकार छोटा होगा। कुछ परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन के मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस नेता एवं वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत और प्रचंड के बीच मतभेद बढ़ने के बाद दोनों दलों के बीच दरार बढ़ गई। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने सोमवार को प्रधानमंत्री के आवास पर प्रचंड से मुलाकात की और एक नया गठबंधन बनाने से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

पाकिस्तान संभलता नहीं और कश्मीर चाहिए, पीएम बनते ही नेशनल असेंबली में शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में कश्मीर का उल्लेख करने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निर्वासित अधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने शरीफ की आलोचना करते हुए कहा कि वो वास्तव में गलत कर रहे हैं। कश्मीर के बारे में दावे को लेकर राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री इस क्षेत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय संकट को स्वीकार करने और स्वीकार करने की हिम्मत नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में लोग बड़े पैमाने पर भूख से मर रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।' पेंशनभोगी लगभग एक साल से अपनी पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। कई विभागों और अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को उनका वेतन नहीं दिया गया है। अस्पतालों में दवा नहीं है। सांप या कुत्ते के काटने की कोई खबर नहीं है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मिर्जा के हवाले से बताया कि अस्पतालों में काटने के टीके उपलब्ध हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के चुनावी धांधली के दावों के बीच पाकिस्तान में सत्ता हासिल करने वाले शरीफ के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए पीओके में मानवीय स्थितियों के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र नहीं है, यहां तक कि स्थानीय ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा करने के लिए वहां एक डिस्पेंसर भी हो। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के निर्वासित कार्यकर्ता ने कहा कि पीओके में शिक्षा प्रणाली 'पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि ऐसा एक भी देश नहीं है जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के छात्रों द्वारा प्राप्त की गई डिग्री को वैध मानता हो।

प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले भाषण में शहबाज शरीफ ने कश्मीर का किया जिक्र

पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया और उसी भाषण में देश में गंभीर आर्थिक संकट के बारे में भी बात की। उन्होंने अपने देश की संसद से कश्मीरियों और फ़िलिस्तीनियों की आज़ादी पर एक प्रस्ताव पारित करने की अपील की। उन्होंने पाकिस्तान की संसद नेशनल असेंबली में प्रस्ताव पारित करने की बात कही। शरीफ ने कहा कि उन्होंने कहा कि आइए सब एक साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए। उसी भाषण में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ ने अफसोस जताया कि देश खतरनाक कर्ज संकट का सामना कर रहा है।

मुस्लिम देश में बने हिंदू मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, दर्शन के लिए एक दिन में पहुंचे 65 हजार लोग

अबु धाबी (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अबु धाबी में निर्मित बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन करने वालों का तांता लगा हुआ है। यहां एक दिन में 65 हजार लोग दर्शन को पहुंचे हैं। बता दें कि अबु धाबी में यह धार्मिक स्थल रविवार से आम जनता के लिए खुल गया है। आंकड़े बता रहे हैं कि पहले ही दिन मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 हजार के आंकड़े को पार कर गया है। गौरतलब है कि फरवरी में ही पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मंदिर का उद्घाटन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बस और कार के जरिए सुबह 40 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। जबकि शाम के वक्त यह आंकड़ा 25 हजार के ऊपर पहुंच गया। खास बात है कि इतनी भीड़ होने के बाद भी 2-2 हजार के श्रद्धालुओं का बैच तैयार किया गया और सभी बगैर धक्का मुक्की के दर्शन के लिए कतार में इंतजार करते नजर आए। साधु ब्रह्मबिहारीदास का कहना है, इस दिन को हकीकत में बदलने के लिए पूर्ण समर्थन देने और नई बस सेवाओं के लिए हम यूएई के नेताओं और स्थानीय अधिकारियों के आभारी हैं। मैं उन श्रद्धालुओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूं, जो बेहद शांति से रहे। यह मंदिर आध्यात्मिकता, सद्भावना के प्रतीक के रूप में काम करेगा जो सभी लोगों को साथ लाएगा।

इसी तरह अबु धाबी के सुमंत राय बताते हैं कि हजारों लोगों के बीच मैंने कभी ऐसी गजब की व्यवस्था नहीं देखी। मुझे इस बात की चिंता थी कि मुझे घंटों इंतजार करना पड़ेगा और शांति से दर्शन नहीं हो सकेंगे, लेकिन हमें अच्छे से दर्शन हुए और पूरी तरह से संतुष्ट हैं। बीएपीएस के वॉलिंटियर्स और मंदिर स्टाफ का धन्यवाद। बता दें कि यूएई का यह पहला हिंदू मंदिर हैं। साल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयन ने मंदिर निर्माण के लिए 13.5 एकड़ जमीन दान कर दी थी। बाद में साल 2019 में यूएई सरकार ने मंदिर के लिए 13.5 एकड़ जमीन और दे दी, जिसके चलते मंदिर के लिए प्राप्त जमीन 27 एकड़ तक पहुंच गई। साल 2017 में पीएम मोदी ने मंदिर की आधारशिला रखी थी। अब यह दर्शनों के लिए खोल दिया गया है।

ब्रिटेन में नहीं घुस सकेंगे पाकिस्तान के चरमपंथी धर्मगुरु

- ऋषि सुनक ने तैयार किया प्लान, पहले ही दी थी चेतावनी

लंदन । ब्रिटेन की सरकार द्वारा बनाई जा रही नई योजनाओं के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों के चरमपंथी इस्लामी विचारों वाले प्रचारकों को ब्रिटेन में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक खबर में यह जानकारी दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश सरकार

चरमपंथी गतिविधियों में चौंकाने वाली वृद्धि से चिंतित है और अधिकारियों को विदेशों के सबसे खतरनाक चरमपंथी प्रचारकों की पहचान करने की जिम्मेदारी दी जा रही है ताकि उन्हें वीजा चेतावनी सूची में जोड़ा जा सके। इसके मुताबिक, नई योजनाओं के तहत सूची में शामिल लोगों को अपने आप ही ब्रिटेन में प्रवेश से रोक दिया जाएगा। यह जानकारी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा लंदन में पिछले दिनों एक भाषण देने के कुछ दिनों बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि देश के लोकतांत्रिक और बहु-आस्था मूल्यों को चरमपंथियों से खतरा है। प्रधानमंत्री सुनक ने हाल ही में अपने भाषण में कहा था कि हम इस देश में उन लोगों को प्रवेश करने से रोकने के लिए भी कार्रवाई करेंगे, जिनका उद्देश्य इसके मूल्यों को कमजोर करना है।

प्राइमरी चुनाव में निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप को हराया

-हेली के खिलाफ ट्रंप को मिले सिर्फ 676 वोट, ट्रंप की हुई पहली हार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे प्राइमरी चुनाव में निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप को हरा दिया है। हेली के खिलाफ ट्रंप को सिर्फ 676 वोट मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार साउथ कैरोलाइना की गवर्नर निक्की हेली ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराया दिया है। निक्की और ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इसके लिए वाशिंगटन डीसी में वोटिंग हुई। अमेरिकी न्यूज पोर्टल के मुताबिक, हेली को कुल 1274 वोट मिले जबकि ट्रंप को 676 वोट मिले हैं। इस साल शुरू हुए इस कैंपेन में यह ट्रंप की पहली हार है। यह वोटिंग वाशिंगटन डीसी के एक होटल में वीकेंड पर हुई थी। रिपब्लिक पार्टी के आधिकारिक बयान के मुताबिक, निक्की हेली ने 63 प्रतिशत वोट हासिल किए। निक्की ने वाशिंगटन डीसी से जीत हासिल की है। जबकि इससे पहले ट्रंप ने उन्हें मिसौरी और इडाहो में हराया था।

उन्होंने मिशिगन में रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में सभी का समर्थन प्राप्त किया था। हालांकि ट्रंप जीओपी नॉमिनेशन की तरफ बढ़ रहे हैं और इस हफ्ते होने वाले 16 सुपर ट्यूजडे में जीत हासिल करने की संभावना जता रहे हैं। हेली को रविवार को मिली जीत ने ट्रंप के विजयी रथ को अस्थायी रूप से रोक दिया है। लेकिन इस सप्ताह होने वाले 'सुपर ट्यूजडे' में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी संख्या में डेलिगेट (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) का समर्थन मिलने की संभावना अधिक बन रही है।

मुख्य चयनकर्ता की नाराजगी श्रेयर को भारी पड़ी

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अनुबंध से बाहर रखे गये के बाद से ही सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं बोर्ड का कहना है कि उनका नाम वार्षिक रिटेनरशिप पाने के लिए 30 खिलाड़ियों में शामिल करने की सिफारिश नहीं की गई थी। वहीं अब इसके कारणों का अनुमान लगाया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अय्यर जब पीठ की समस्या के कारण बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से हटे थे तो यह मामला और भड़क गया था क्योंकि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने उन्हें फिट करार दिया था। वहीं माना जा रहा है कि बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बात से नाराज थे कि श्रेयस आईपीएल के लिए केकेआर की अकादमी में अभ्यास कर रहे थे। श्रेयस आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान हैं। मुख्य चयनकर्ता होने के कारण अगरकर ही केंद्रीय अनुबंधों को अंतिम रूप देते हैं। इस कारण अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया था। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले साल हुए पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में अच्छा रहा था। उन्होंने 11 मैचों में 530 रन बनाए थे जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक भी शामिल था। वह पीठ की चोट से परेशान रहे थे पर विश्वकप में खेलने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी और अपनी फिटनेस हासिल की थी। अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भी मौका दिया गया था लेकिन वह हैदराबाद में 35 और 13 का स्कोर ही बना पाए। इसके बाद विशाखापत्तनम में भी वह 27 और 29 रन बना पाए। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के 'ट्रंप कार्ड' साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली ।

जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव भारतीय टीम के लिए 'ट्रंप कार्ड' साबित हो सकते हैं। वर्ष 2018-19 के खराब प्रदर्शन और 2021 में घुटने की सर्जरी के बाद से ही कुलदीप ने प्रकार से शानदार वापसी की है। उससे उनका मनोबल भी बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीक्रिकेट में मार्च 2017 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले कुलदीप अब परिपक्व व गेंदबाज बन चुके हैं। गेंदों की गति में लगातार बदलाव और विविधता के कारण उन्हें खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता। वह विरोधी बल्लेबाजों को परेशान कर ज्यादातर बार विकेट हासिल करने में सफल होते हैं। गेंदबाजी के इसी कौशल ने कुलदीप को अलग पहचान दी है। उनकी गुगली पढ़ने में बेहतरीन बल्लेबाज भी विफल रहे हैं। सीमित ओवर के क्रिकेट में आज वह टीम इंडिया के भरोसेतंद स्पिनर हैं। अब तक के प्रदर्शन से इस गेंदबाज ने अपने लंबी रेस का घोड़ा साबित किया है। आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी में बाएं हाथ के इस कलाई के स्पिनर को टेस्ट क्रिकेट खेलने के सीमित मौके मिले हैं पर जब भी अवसर मिला, उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभाव छोड़ा है। वनडे और टी20 में कुलदीप टीम इंडिया के वह अग्रगी स्पिनर हैं। एकदिवसीय विश्व 2023 के 11 मैचों में कुलदीप ने 28.26 के औसत से 15 विकेट लिए थे।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में पारी में पांच विकेट हासिल करने वाले देश के एकमात्र गेंदबाज हैं। पिछले एक साल में किए गए इस शानदार प्रदर्शन का फायदा कुलदीप को केन्द्रीय अनुबंध में से से बी ग्रेड मिला है। वहीं इसी माह होने वाले आईपीएल में भी कुलदीप पर सभी की नजरें रहेंगी। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए अंतर पैदा करते नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने 2022 में दो करोड़ रुपये की राशि में उन्हें अपने साथ जोड़ा था। आईपीएल 2022 में जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए इस चाइनामैन बॉलर ने 14 मैचों में 19.95 के औसत से 21 विकेट लिए थे लेकिन पिछला सीजन कुलदीप और उनकी टीम के लिए अच्छा नहीं रहा था। तब कुलदीप को 14 मैचों में 36.10 के औसत से 10 विकेट ही मिल पाए थे।

चिली ओपन: फाइनल मुकाबले में सेबेस्टियन बेज ने एलेजांद्रो को हराया

सैंटियागो,

अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज ने चिली के एलेजांद्रो टेबिलो को 3-6, 6-0, 6-4 से हराकर चिली ओपन, एटीपी 250 इवेंट और अपने करियर का छठा और लगातार दूसरा खिताब अपने नाम किया. इस खिताबी जीत के साथ 23 वर्षीय सेबस्टियन बेज सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के बेस्ट 19वें नंबर पर पहुंच जाऐंगे और अपने हमवतन फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को पीछे छोड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ रैंक हासिल कर लेंगे. रविवार को मिली जीत के साथ बेज ने दो हफ्ते तक अपना विजय रथ जारी रखा, जिसमें उन्होंने रियो डी जनेरियो में एटीपी 500 और चिली ओपन जीता. बात अगर चीली ओपन फाइनल मुकाबले की करें तो टेबिलो ने तेज शुरुआत की और शुरुआती सेट अपने नाम कर लिया. हालांकि, बेज ने दमदार वापसी की और दो सेट लगातार जीते. बेज ने मैच के बाद कहा, मेरे मन में कई भावनाएं हैं. मैच की शुरुआत में मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था. मैच बेहद शानदार रहा और तीनों सेट एक दूसरे से काफी अलग थे. मैच उतार-चढ़ाव से भरा था. इसलिए, मैं बस अपनी टीम के साथ इसका आनंद लूंगा क्योंकि हमने यहां आने

के लिए और उच्च रैंकिंग हासिल करने के लिए कई वर्षों से संघर्ष किया है.

गंभीर ने आईपीएल को सबसे कठिन लीग बताया

जीत के लिए करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को सबसे मुश्किल लीग बताते हुए कहा कि इसे जीतने के लिए उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार जीत दिलाने वाले गंभीर हाल ही में फ्रेंचाइजी में मेंटोर के तौर पर जुड़े हैं। गंभीर ने कहा कि आईपीएल मानकों के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे करीब है और यह दुनिया की सबसे कठिन लीग है।

गंभीर ने कहा कि मैंने पहले दिन ही साफ कर दिया था कि ये लीग मेरे लिए एक गंभीर क्रिकेट है। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है, यह आपके बारे में नहीं है, यह पार्टी और अन्य चीजों के बारे में नहीं है। यह बाहर जाने और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बारे में है। मुझे लगता है कि यह दुनिया की सबसे कठिन लीग है क्योंकि यह उचित क्रिकेट है। यह शायद किसी भी अन्य लीग की तुलना में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे करीब है और यदि आप एक सफल फ्रेंचाइजी के रूप में पहचान बनाना चाहते हैं, तो आपको क्रिकेट के मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए। टीम को अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इसमें के के आर का लक्ष्य जीत से

शुरुआत करना रहेगा। उन्होंने टीम के प्रशंसकों की भी सराहना करते हुए उन्हें भावुक बताया है। गंभीर ने कहा कि केकेआर के पास बहुत भावुक प्रशंसक हैं। हमें उनके लिए ईमानदार होने की जरूरत है। हमें कोशिश करने की जरूरत है और शायद उनकी मुस्कुराहट पर वह खुशी लाने की जरूरत है क्योंकि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे वफादार प्रशंसक कोलकाता के प्रशंसक रहे हैं।

विश्व एथलेटिक्स में भारत की प्रियंका को मिला सातवां स्थान

बीजिंग ।

भारत की प्रियंका गोस्वामी ने चीन में जारी विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टूर में सातवां स्थान हासिल किया है। प्रियंका ने एक घंटे 29 मिनट और 48 सेकेंड का समय लिया। यह देश के बाहर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होने के साथ ही करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ समय है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2021 में 1:28:45 सेकेंड (राष्ट्रीय रिकॉर्ड) और 2023 में 1:28:50 सेकेंड का रहा था। इस प्रतियोगिता में पैदल चाल स्पर्धा की शीर्ष एथलीट शामिल रहीं थीं। इस एथलीट ने विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टूर में तीसरा व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं 20 किमी में वह सातवें स्थान पर रहीं। इसमें शीर्ष छह में पांच स्थान चीनी एथलीटों को मिले। इसमें एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता झेनजिया एमए ने 1:26:07 सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं चीन की ही जियायु यांग 1:26:07 सेकंड का समय निकालकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि 2020 तोक्यो ओलंपिक की

कांस्य विजेता हांग लियू 1:26:47 सेकंड का समय निकाल कर तीसरे स्थान पर रहीं। गौरतलब है कि प्रियंका आगामी गोस्वामी पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए पिछले दो महीनों से ऑस्ट्रेलिया में कैनबरा के पास ऊंचाई पर बने ट्रेनिंग सेंटर में पैदल चाल कोच ब्रेंट वालेंस के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रही थीं।

मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर गार्डियोला की रणनीति अपनाएं स्टोक्स : वॉन

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि कप्तान बेन स्टोक्स को मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब के मैनेजर पेप गार्डियोला वाली रणनीति अपनानी चाहिये। वॉन के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ स्टोक्स की 'बैजबॉल रणनीति विफल रही है। इससे टीम के हाथों सीरीज निकल गयी है। ऐसे में उन्हें गार्डियोला की रणनीति बनानी चाहिये जिसमें कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी को अपने स्थान को हल्के में नहीं लेना चाहिए। गार्डियोला पिछले 15 साल में खेल के सर्वश्रेष्ठ मैनेजर बने हुए हैं। पूर्व कप्तान ने कहा कि कोच ब्रैंडन मैकुलम और स्टोक्स की आक्रामक रणनीति भारत के मौजूदा दौरे पर कारगर नहीं रही है। इंग्लैंड की टीम 5 मैच की टेस्ट श्रृंखला में 1-3 से पीछे है जबकि उसने पहला टेस्ट हैदराबाद में जीता था।

वॉन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं। साथ ही कहा कि कि उन्हें जिम्मेदारी से खेलना होगा। उन्होंने कहा , मैं आमतौर पर गार्डियोला के रवैये का जिक्र करता हूं।

मेरी नजरों में वह इस पीढ़ी और आप कह सकते हैं कि पिछले 15 साल से खेल के सबसे बेहतर मैनेजर हैं। वह अपने खिलाड़ियों को कभी भी सहज नहीं होने देते। वह हमेशा उन्हें सोचते रहने देते हैं क्योंकि खिलाड़ी जानते हैं कि उनकी जगह पक्की नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर उनके जैसा मैनेजर सभी खिलाड़ियों को सतर्क बनाए रखता है तो इंग्लैंड क्रिकेट टीम को भी इस तरह सहज नहीं होना चाहिए जैसी वह लगती है। उन्होंने कहा कि पूरा बल्लेबाजी लाइन अप पहले ही जानता है कि इस दौरे पर वे अगले मैच में भी खेलेंगे पर ऐसा नहीं होना चाहिये।

इस दौरे के बाद हैरी ब्रुक वापसी कर लेगा। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। वॉन ने साथ

ही इंग्लैंड की चयन नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चयन में खिलाड़ियों की निरंतरता से उन्हें सहज बनाना सही है पर अगर उससे हार मिल रही है तो बदलाव भी जरुरी है।

शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में छक्का लगाकर शतक पूरा किया

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए सेमीफाइनल मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। ये शार्दुल के करियर का पहला शतक है। शार्दुल ने छक्का जड़कर अपना शतक पूरा करने के बाद अपने ही अंदाज में जश्न भी मनाया। शार्दुल ने 9वें नंबर पर उतरकर 13 चौके और 4 छक्के लगाकर 104 गेंदों पर 109 रन बनाए। शार्दुल ने शतक लगाने के बाद हवा में उछलकर मुक्का मारा और अपनी टीम के ड्रेसिंगरूम की ओर उंगली दिखाई। मुम्बई टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी ताली बजाकर उनके शतक की खुशी मनायी। शार्दुल ने पहले गेंदबाजी में 2 विकेट लिए और उसके बाद जबरदस्त बल्लेबाजी की। वहीं पहली पारी में उन्होंने 2 विकेट भी लिए थे। इस मुकाबले में मुम्बई ने तमिलनाडु को पहली पारी में 146 रन पर आउट करने के बाद अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 353 रन बना लिए थे। इस प्रकार मुंबई की बढ़त 207 रन पहुंच गयी है। टीम को बड़ी बढ़त दिलाने में शार्दुल की अहम भूमिका रही। शार्दुल का कहना है कि उनकी नजर अभी टीम इंडिया में वापसी पर नहीं है। अभी वह रणजी ट्रॉफी के बाद आईपीएल पर ध्यान देंगे। शार्दुल ने अबतक 11 टेस्ट , 47 एकदिवसीय और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। दिसंबर में उन्होंने अंतिम बार दक्षिण अफ्रीक के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं।

पाटीदार को अभी अवसर दिये जाने के पक्ष में हैं डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे अभी और अवसर दिये जाने चाहिये। रजत ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक तीन टेस्ट खेले हैं। जिसमें वह विफल रहे हैं जिससे ये आशंकाए लगायी जा रही हैं कि उन्हें अब आगे शायद ही जगह मिले। वहीं डिविलियर्स का कहना है कि रजत आखिरी टेस्ट में भी शामिल किये जा सकते हैं। डिविलियर्स ने कहा अगर पाटीदार का प्रदर्शन आकर्षक है और अगर वह ड्रेसिंग रूम में एक पसंदीदा खिलाड़ी है, तो रोहित और चयन समिति के पास यह कहने की क्षमता होगी कि हमें विश्वास है कि इस खिलाड़ी का भविष्य अच्छा है और हम उसे टीम के एक हिस्से के रूप में देखते हैं। टीम आगे बढ़ रही है। भले ही वह रन नहीं बना रहा हों उन्हें थोड़ा लंबे समय तक खेलने का मौका दो। वहीं अब माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन भी पाटीदार को एक और अवसर दे सकता है क्योंकि उनको इस खिलाड़ी की प्रति पर काफी भरोसा है। प्रबंधन का मानना है कि एक बार उनके बल्ले से रन आ गए तो वह अपने असली रंग में नजर आएंगे। रजत का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल के पिछले सत्रों में काफी अच्छा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ओरूर्के टेस्ट से बाहर हुए , सीयर्स शामिल

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओरूर्के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाले दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। ओरूर्के की मांसपेशियों में खिंचाव आया है। अब उनकी जगह पर बेन सीयर्स को टीम में शामिल किया गया है। सीयर्स ने न्यूजीलैंड की ओर से अभी तक 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं पर अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में होने वाले टेस्ट मैच से वह टेस्ट डेब्यू करेंगे। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे भी चोटिल होने के कारण पहले ही टीम से बाहर हो गये थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में उनके अंगूठे में चोट लग गई थी जिसके लिए उनकी सर्जर होगी। इस कारण वह कम से कम आठ सप्ताह तक खेल से दूर रहेंगे। वहीं न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने बताया कि ओरूर्के करीब एक माह तक मैदान से बाहर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीयर्स ने अपने प्रदर्शन से अब तक सभी को प्रभावित किया है। स्टीड ने कहा, ' स्टोक्स अच्छे कौशल वाला युवा गेंदबाज है। वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और उसे अच्छी उछाल मिलती है जो टेस्ट क्रिकेट में बेहद अहम होती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 172 रन से जीत कर सीरी में पहले ही 1-0 की बढ़त ली हुई है।

महिला प्रीमियर लीग : लैनिंग के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली कैपिटल्स

बेंगलुरु । कप्तान मेग लैनिंग के शानदार अर्धशतक के बाद जेस जोनासेन और राधा यादव की अच्छी गेंदबाजी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के 10वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स को 25 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लैनिंग ने 41 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाकर 55 रन बनाये। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 163 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात जाइंट्स 20 ओवरों में आठ विकेट पर 138 रन ही बना पायी। जोनासेन और राधा ने तीन-तीन विकेट लिए। दिल्ली के अब चार मैचों में छह अंक हैं, जो मुंबई इंडियंस के समान है पर दिल्ली कैपिटल्स के 1.251 की तुलना में उनका स्कोर 0-402 कम है। वहीं यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के चार-चार अंक हैं और वे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस सभी मैच हारने के कारण शून्य अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लैनिंग ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी को संभाला क्योंकि तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 13 रन बनाकर आउट हो गयीं थीं। इसके बाद लैनिंग और एलिस कैप्सी ने दूसरे विकेट के लिए 38 रन बनाये। मेघना 27 रन बनाकर आउट हुई। जेमिमा रोड्रिग्स भी इस मैच में विफल रही। वहीं गुजरात टाइटंस की ओर से मेघना ने 4 जबकि एशले गार्डनर ने 2 विकेट लिए।

आईपीएल 2024 : सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करेंगे कमिंस

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम का नया कप्तान बनाया है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कमिंस को कप्तान बनाये जाने की बात सार्वजनिक की है। वहीं गत दो सत्र में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम टीम के कप्तान थे पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। आईपीएल 2023 सत्र में टीम 14 मैचों में से केवल चार मैच ही जीत पायी थी। वहीं कमिंस की कप्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अलावा एशेज और एकदिवसीय विश्वकप भी जीता जिससे कमिंस की नेतृत्व क्षमता साबित हुई है। यह पहली बार होगा जब कमिंस आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। वह डेविड वार्नर के बाद हैदराबाद के कप्तान बनने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई भी बन गए जिन्होंने 2015 से 2021 तक 67 मैचों में फ्रेंचाइजी का नेतृत्व किया। पिछले साल दुबई में आईपीएल नीलामी में कमिंस को फ्रेंचाइजी ने 20.5 करोड़ रुपए में खरीदा था, जिससे वह लीग के इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। कमिंस इससे पहले आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा रहे हैं। आईपीएल 2016 की विजेता सनराइजर्स हैदराबाद 23 मार्च को ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

दुखों का लंबा सफर तय किया है राइटर शुगफ्ता ने

कई बॉलीवुड फिल्मों की सुपरहिट कहानियों लिखने वाली राइटर शुगफ्ता रफीक की असल जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। शुगफ्ता रफीक बॉलीवुड की ऐसी राइटर हैं जिन्होंने अपने पैशन को फॉलो करने से पहले जिंदगी में दुखों का एक लंबा सफर तय किया है।

बचपन में परिवार का पेट पालने के लिए बार में काम किया। इसके बाद पैसों की तंगी और नौकरी के लिए दुबई में भी काम किया। लेकिन आखिरकार शुगफ्ता का जुनून और काम से मोहब्बत उन्हें मुंबई खींच लाई। आज शुगफ्ता बॉलीवुड की सबसे हिट फीमेल राइटर्स में टॉप पर गिनी जाती हैं। बॉलीवुड को दर्जन भर से ज्यादा सुपरहिट फिल्में देने वाली शुगफ्ता रफीक का जन्म 20 सितंबर 1986 को मुंबई में हुआ था। शुगफ्ता रफीक ने एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी का पूरा खुलासा किया था। जिसमें शुगफ्ता ने बताया था कि शुगफ्ता बॉलीवुड अभिनेत्री सईदा खान की मां द्वारा गोद लीं गईं थीं। उन्हें असली मां-बाप के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सईदा खान 60 और 70 के दशक की मशहूर हीरोइन रहीं हैं और कई फिल्मों में काम किया। सईदा खान का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। सईदा खान को उनके पति बृज सदाना ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। शुगफ्ता बताती हैं कि मुझे घर में मेरी मां के अलावा मेरी बहन सईदा खान प्यार करती थीं। सईदा खान एक्टिंग कर घर का खर्चा चलातीं थीं। मैं काफी छोटी थी। लेकिन सईदा की शादी के बाद घर में खाने के लाले पड़ गए। मेरी मां घर चलाने के लिए कभी साड़ी तो कभी अन्य सामान बेचकर हमारा पेट भरती थी। कपड़े भी उतरन पहना करते थे। उस दौरान हमारी किसी ने भी मदद नहीं की। शुगफ्ता बतातीं हैं कि आर्थिक तंगी की वजह से मैंने 7वीं में ही पढ़ाई छोड़ दी थी। साथ ही मुझे गणित समझ नहीं आती थी। लेकिन मेरे आस-पास अंग्रेजी बोलने वाले लोग थे। जिसका मुझपर असर हुआ।

शुगफ्ता ने बताया कि उन्होंने अपनी अंग्रेजी ठीक करने का फैसला लिया और घर के पास की लाइब्रेरी में जाकर किताबें पढ़ने लगीं। यहीं से शुगफ्ता को पढ़ने का शौक लगा और उन्होंने अंग्रेजी सुधार ली। मैं एक राइटर बनना चाहती थी। लेकिन कोई मुझे लेखनी के लिए मौका नहीं देता था। हालांकि मुझे डांस के लिए ऑफर आने लगे थे। इसके बाद शुगफ्ता के दोस्त ने उन्हें दुबई में नौकरी करने की सलाह दी। शुगफ्ता दुबई चलीं गईं और उन्होंने यहां बीयर बार में डांसर के तौर पर काम किया। इसके बाद गाने की दुनिया में आ गईं।हालांकि यहां से शुगफ्ता रफीक ने बॉलीवुड में अपना करियर बनाने का फैसला लिया और मुंबई लौट आईं। यहां आकर शुगफ्ता ने फिल्मों की कहानियां और डायलॉग लिखने का काम शुरू कर दिया।

शुगफ्ता ने साल 2006 में 'वो लम्हे' से अपने करियर की शुरुआत की। लेकिन साल 2007 में शुगफ्ता ने फिल्म आवारापन की कहानी और डायलॉग लिखे। इमरान हाशमी स्टारर ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में सफल रही। इसके बाद शुगफ्ता का करियर भी चल निकला। आज शुगफ्ता बॉलीवुड की सबसे सुपरहिट राइटर्स में गिनी जाती हैं और अब तक 21 से ज्यादा फिल्मों की कहानियां-डायलॉग लिख चुकी हैं। बता दें कि शुगफता ने 'आशिकी-2', 'आवारापन', 'धोखा', 'राज-3', 'मर्डर-2' और 'जिस्म 2' समेत 21 से ज्यादा हिट फिल्मों के लिए कहानियां लिखी है।

लाइम ग्रीन कलर के गाउन में सारा ने दिखाया अपना किलर लुक

सारा अली खान का शुमार हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और काबिल अदाकाराओं में किया जाता है. एक तरफ जहां लोग उनकी खूबसूरती पर मर मिटते हैं, वहीं उनकी बोल्डनेस और ग्लैम लुक के भी दीवाने हैं. सारा ने अपने फैंस को विजुअली ट्रीट किया है.सारा अली खान ने ग्रीन थाई हाई स्लिट कट ड्रेस में फोटोज शेयर किए हैं. वो लाइम ग्रीन कलर की गाउन ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं.एक्ट्रेस थाई-हाई कट ऑफ शोल्डर गाउन में बेहद बोल्ड अवतार में नजर आ रही हैं. जितनी हसीन वो हैं, उतना ही मस्त उनका अंदाज है.एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट में मिनिमम मेकअप, बेहद स्टाइलिश ईयररिंग्स के साथ अपने लुक को पूरा किया है. देखने वालों की नजरें उन पर टिक गई हैं.सारा अली खान स्टाइलिश क्वीन कही जाती हैं. उनका स्टाइलिश लुक देखकर हर किसी की आंखें खुली की खुली की खुली रह गईं. उनका जादू फैंस के सर चढ़कर बोल रहा है.फोटोशूट के दौरान सारा के फेस पर कमाल का ग्लो नजर आ रहा है. वो कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करके दिलों का करार छीन रही हैं. फैंस को उनकी तस्वीरें बेहद पसंद आ रही हैं.सारा अली खान जल्द ही फिल्म मर्डर मुबारक में नजर आएंगी. इसमें पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा, डिंपल कपाडिया, करिश्मा कपूर और टिस्का चोपड़ा उनके साथ स्क्रीन शेयर करेंगी. एक्ट्रेस की ऐ वतन मेरे वतन और मेट्रो... इन दिनो भी रिलीज के लिए तैयार है.

करण जौहर के कारण दिशा पटानी बनी अभिनेत्री

सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी और राशि खन्ना स्टारर योद्धा इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। इस हार्ड कोर एशन थ्रिलर फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से योद्धा को दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, फिलहाल फिल्म की स्टारकास्ट इसके प्रमोशन में जुटी हुई है। इस दौरान एक साक्षात्कार में फिल्म की मुख्य कलाकार दिशा पटानी ने अपने अभिनेत्री बनने के सफर को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया। दरअसल, मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर जारी किया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम और मेकर्स ने इसमें हिस्सा लिया, जहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए दिशा पटानी ने अपने अभिनेत्री बनने के सफर को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया। दिशा ने कहा, जब मैं अठारह साल की थी, तभी करण जौहर ने उन्हें देखा था और उन्हें विश्वास दिलाया था कि मैं एक अभिनेत्री बन सकती हूं। दिशा ने आगे कहा, अगर मैं अभिनेत्री हूं, तो इसका एक यह भी है, जब मैं मॉडलिंग कर रही थी तो उसी दौरान करण ने मुझे देखा था। तब मैं सिर्फ 18 साल की थी। मुझे लगता है कि तब अगर करण ने मुझे पर विश्वास नहीं दिखाया होता तो शायद मैं आज यहां नहीं होती। इस दौरान दिशा ने नेपोटिज्म की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं इंडस्ट्री से बाहर की हूं, लेकिन मुझे इसका कभी एहसास नहीं हुआ। मुझे वे मौके मिले,जो मैं चाहती थी। करण ने मुझे योद्धा में जो मौका दिया वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

भंसाली जैसा कोई और नहीं : ऋचा चड्ढा

बालीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा की अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी -द डायमंड बाजार की घोषणा की गई थी। एक्ट्रेस ने भंसाली के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, संजय लीला भंसाली जैसा कोई और नहीं है, जो आपको 30 किलो के कॉस्ट्यूम में 8 राउंड लगवा सकता है। क्लोज-अप शॉट के लिए आपकी बाईं आंख से आंसू निकलवा सकता है। जब तक आप संजय लीला भंसाली के साथ काम नहीं करेंगे तब तक आपको अपनी असली क्षमता का पता नहीं चलेगा। अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी -द डायमंड बाजार से भंसाली का ओटीटी डेब्यू होगा। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख भी हैं। यह सीरीज 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित वेश्याओं और उनके संरक्षकों की कहानियों के माध्यम से हीरामंडी की सांस्कृतिक वास्तविकता की पड़ताल करती है। नेटफ्लिक्स के स्लेट इवेंट में एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने फिल्म मेकर संजय लीला भंसाली की जमकर प्रशंसा की।

विश्वनाथ की भक्ति में लीन दिखीं एक्ट्रेस तमन्ना

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचीं। इस अवसर पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरों को तमन्ना ने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया है। तस्वीरों में एक्ट्रेस विश्वनाथ की भक्ति में लीन दिखीं। गले में हार, माथे पर टीका लगाए तमन्ना बेहद ही प्यारी लग रही हैं। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि वह वाराणसी के काशी विश्ननाथ मंदिर परिसर में नजर आ रही हैं। बनारस गंगा घाट पर बैठकर साउथ अदाकार सुहाने मौसम का आनंद भी लेती नजर आ रही हैं। अगली फोटो में तमन्ना भगवान शिव की ज्योर्तिलिंग को स्पर्श करती हुईं दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने हर हर महादेव भी लिखा है। फैंस तमन्ना की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

आर्टिकल 370 भी बनी बड़ी हिट

आदित्य धर के प्रोडक्शन में बनी आर्टिकल 370 भी बड़ी हिट बन गई है। शुक्रवार को सस्ते टिकट दामों के साथ आई आर्टिकल 370 ने दमदार ओपनिंग कलेक्शन के साथ बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत की। यामी गौतम के शानदार काम से सजी इस फिल्म को पहले दिन से ही क्रिटिक्स की तारीफ और जनता का पॉजिटिव रिस्पॉन्स जमकर मिला है। थिएटर्स में यामी की फिल्म ने अब एक हफ्ता पूरा कर लिया है और दमदार कमाई के साथ दूसरे हफ्ते की शुरुआत करने जा रही है। यामी की फिल्म को चारों तरफ से मिल रही तारीफों का खूब फायदा मिला और पहले वीकेंड में आर्टिकल 370 ने बहुत दमदार कमाई की।

अपने पहले वीकेंड में 25 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन करके आई ये फिल्म सोमवार को भी टिकने में कामयाब रही। वर्किंग डेज में भी बॉक्स ऑफिस पर इसकी रफ्तार दमदार बनी रही और सोमवार से बुधवार तक फिल्म ने रोजाना 3 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन करना जारी रखा। गुरुवार को भी आर्टिकल 370 ने अपना ये रूटीन बरकरार रखा है। सातवें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 3.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही अब पहले हफ्ते में फिल्म का नेट इंडिया कलेक्शन 38.82 करोड़ रुपये हो गया है। बता दें कि उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी धमाकेदार हिट पफिल्म भी आदित्य धर के प्रोडक्शन में ही बनी थी।

जॉली एलएलबी-3 में साथ दिखाई देंगे अक्षय और अरशद वारसी

वेलकम टू जंगल' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के बाद अक्षय कुमार एक और फिल्म से धमाका करने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'जॉली एलएलबी-3' है। जिसमें वह धमाल करने को तैयार हैं। फिल्म में उनके साथ अरशद वारसी भी हैं। जॉली एलएलबी-3 के अलावा फिल्म 'वेलकम टू जंगल' में भी अरशद अक्षय संग स्क्रीन स्पेश शेयर करने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन डायरेक्टर सुभाष कपूर करने वाले हैं। इन्हीं सब के बीच शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी भी सामने आ गई है। ये फिल्म 3 मई 2024 में फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्र के मुताबिक फिल्म में अक्षय और अरशद वारसी दोनों साथ नजर आएंगे। बता दें कि फिल्म के पहले भाग में अरशद वारसी थे और जॉली एलएलबी 2 में अक्षय कुमार नजर आए थे। अब तीसरे भाग में दोनों ने हाथ मिलाया है। दोनों स्टार्स ने जॉली एलएलबी 3 के लिए मई से अपनी तारीखें बुक कर दी हैं। दोनों साथ में काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड भी हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वेलकम टू द जंगल का शेड्यूल पूरा हो चुका है, टीम 9 मार्च से दूसरे प्रोजेक्ट में एकजुट होगी। इसके बाद अक्षय और अरशद की जोड़ी जॉली एलएलबी 3 साथ आएएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली ये इस फिल्म की कहानी बाकि दोनों पार्ट से एकदम अलग होगी। इसके साथ ही यह काफी बड़ी और ज्यादा मजेदार होगी है। फिल्म की शूटिंग मुंबई और राजस्थान पर की जाएगी।

फिल्म लापता लेडीज ने दूसरे दिन लगाई ऊंची छलांग

फिल्म लापता लेडीज की कमाई दूसरे दिन 2.35 करोड़ से ऊपर पहुंच गई है। सुपरस्टार आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी 'लापता लेडीज' शुक्रवार 1 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस मूवी को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यूज मिले हैं। 'लापता लेडीज' ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त उछाल आया है। जबकि 'लापता लेडीज' के साथ रिलीज हुई वरुण तेज की फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' भी खूब कमाई कर रही है। बता दें ?कि लापता लेडीज' को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म की खूब तारीफ हो रही है। ओपन डे पर 'लापता लेडीज' ने भारत में 75 लाख रुपये का बिजनेस किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म की कमाई में 100 फीसदी से ज्यादा उछाल देखने को मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'लापता लेडीज' ने शनिवार को भारत में 1.60 करोड़ का बिजनेस किया है। हालांकि, ये शुरुआती कमाई है। ऑफिशियल डेटा आने के बाद कलेक्शन के आंकड़े में थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है। भारत में 'लापता लेडीज' की दो दिन की कमाई 2.35 करोड़ हो चुकी है। इधर साउथ स्टार वरुण तेज की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' के दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने 1.5 करोड़ की कमाई की थी। वहीं, सैकनिल्क के अनुसार, वरुण तेज की फिल्म ने दूसरे दिन यानी शनिवार को देशभर में 2.25 करोड़ की कमाई कर ली है। इस तरह फिल्म दो दिन में 3.75 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। गौरतलब है कि किरण राव ने फिल्म 'लापता लेडीज' का निर्देशन किया है। इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में ग्रामीण इलाके की कहानी है।

श्वेता ने एथनिक लुक की एक झलक की शेयर

अपने फैंस के लिए एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने एथनिक लुक की एक झलक शेयर की। कसौटी जिंदगी की फेम एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। श्वेता अक्सर अपनी प्रोफेशनल और निजी लाइफ के बारे में चीजें शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 52 लाख फॉलोअर्स हैं। नए फोटोशूट में श्वेता ने गुलाबी रंग का अनारकली सेट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद सूबसूरत लग रही हैं। भारी सुनहरे कढ़ाई वाले सूट पर मैचिंग दुपट्टा और भी खिल रहा है। मेकअप में वह पूरी तरह से आकर्षक लग रही हैं। ज्वैलरी के लिए उन्होंने भारी झुमके ही चुने। एक प्रशंसक ने पोस्ट पर कहा, आपकी सुंदरता की कोई हद नहीं है। दूसरे ने कहा, दिन-ब-दिन जवान होती जा रही हैं। श्वेता को पंजाबी फिल्म मित्रां दा ना चलदा में देखा गया था। रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में वह विक्रम (विवेक ओबेरॉय) की पत्नी श्रुति बख्शी की भूमिका में हैं। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने प्रशंसकों के लिए फोटोशूट करवाया है।